हिन्दी दैनिक पटना (बिहार) तथा लुधियाना (पंजाब) से एक साथ प्रकाशित

रोजनामा इन्डो गल्फ

www.Newsindogulf.com/Email:-Newsindogulf730@gmail.com

सच्चाई में है दम, सच लिखते हैं हम

पटना, गुरुवार | 17 अप्रैल 2025 | वर्ष : 03 अंक : 104 | पृष्ठ -12 | PRGI NO - BIHHIN/2023/86924 | मूल्य - ₹ 3 | पटना संस्करण

ब्रीफ न्यूज

क्या गैर मुस्लिमों को प्रबंधन सौंप देंगे? सुप्रीम कोर्ट का वक्फ संशोधन कानून पर बड़ा सवाल

एजेंसी

नई दिल्ली: भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) संजीव खन्ना की अध्यक्षता वाली सुप्रीम कोर्ट की पीठ वक्फ (संशोधन) अधिनियम, 2025 की संवैधानिक वैधता को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई कर रही है। केंद्र की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि एक संयुक्त संसदीय समिति थी, जिसने 38 बैठकें कीं। इसने कई क्षेत्रों और शहरों का दौरा किया, परामर्श किया और लाखों सुझावों की जांच की। फिर यह दोनों सदनों में गया और फिर कानून पारित किया गया। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि मुझे नहीं पता कि ये शब्द क्यों आए हैं। उस हिस्से को अनदेखा करें। मुसलमानों का एक बड़ा वर्ग है जो नहीं चाहता कि मुस्लिम बोर्ड द्वारा शासित हो। अगर कोई मुसलमान दान करना चाहता है, तो वह ट्रस्ट के माध्यम से ऐसा कर सकता है। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि उनके (याचिकाकर्ताओं) तर्क के अनुसार, तो आपके माननीय भी इस मामले की सुनवाई नहीं कर सकते।

सम्राट, जायसवाल समेत BJP के बड़े नेता नीतीश के घर पहुंचे,

पीएम के बिहार दौरे से पहले हलचल

मुख्यमंत्री सह जेडीयू अध्यक्ष नीतीश कुमार के आवास पर बुधवार को बीजेपी नेता सम्राट चौधरी, नित्यानंद राय, दिलीप जायसवाल समेत कई नेता पहुंचे।

एजेंसी

पटना: बिहार विधानसभा चुनाव 2025 से पहले राजनीतिक पारा गमार्या हुआ है। भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के बड़े नेता जनता दल यूनाइटेड (जेडीयू) के अध्यक्ष और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से मिलने बुधवार को उनके आवास पर पहुंचे। इनमें केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय, डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष दिलीप जायसवाल सहित अन्य नेता शामिल हैं। बताया जा रहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 24 अप्रैल को मधुबनी जिले में होने वाले कार्यक्रम को लेकर इस बैठक में चर्चा की गई। इसके अलावा एनडीए नेताओं ने आगामी बिहार चुनाव की रणनीति पर भी मंथन किया।जानकारी के अनुसार पटना के एक, अणे मार्ग स्थित मुख्यमंत्री आवास पर गुरुवार को बीजेपी और जेडीयू की अहम बैठक

हुई। बीजेपी के कई नेताओं के एक साथ सीएम हाउस पहुंचने पर सियासी गलियारे में चर्चा तेज हो गई। इस बैठक के कई मायने निकाले जा रहे हैं। हालांकि, सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार पीएम मोदी के आगामी दौरे, बिहार चुनाव और एनडीए की प्रचार की रणनीति जैसे मुद्दों पर बीजेपी नेताओं ने नीतीश के साथ मंथन किया।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आगामी 24 अप्रैल को मधुबनी जिले के झंझारपुर में एक कार्यक्रम को संबोधित करेंगे। इसमें मुख्यमंत्री नीतीश कुमार भी शामिल होंगे। पीएम मोदी मधुबनी से बिहार को विभिन्न परियोजनाओं की सौगात देंगे। आगामी चुनाव से पहले मिथिलांचल को साधने के लिए यह कार्यक्रम आयोजित किया गया है। इसमें दरभंगा, सुपौल, सीतामढ़ी, मुजफ्फरपुर, समस्तीपुर समेत आसपास के अन्य जिलों से बड़ी संख्या में लोगों के शामिल होने का दावा किया जा रहा है।आगामी बिहार चुनाव में एनडीए का चेहरा कौन होगा, इस पर हाल ही में कंफ्यूजन पैदा हो गई। दरअसल, हरियाणा के सीएम नायब सैनी ने एक कार्यक्रम में सम्राट चौधरी के नेतृत्व में बिहार में सरकार बनाने का दावा कर दिया। इसके बाद नीतीश कुमार के नाम पर सवाल उठने लगे।

जस्टिस बीआर गवई होंगे देश के नए मुख्य न्यायाधीश,

सीजेआई खन्ना ने भेजी कानून मंत्रालय को सिफारिश

एजेंसी

नई दिल्ली: भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) संजीव खन्ना ने आधिकारिक तौर पर न्यायमूर्ति बीआर गवई को अपना उत्तराधिकारी बनाने की सिफारिश की है, तथा उनके नाम को मंजूरी के लिए केंद्रीय कानून मंत्रालय को भेज दिया है। इस सिफारिश से न्यायमूर्ति गवई के भारत के 51वें मुख्य न्यायाधीश बनने का मार्ग प्रशस्त हो गया है। ऐसे में न्यायमूर्ति बी.आर. गवई भारत के अगले मुख्य न्यायाधीश होंगे। न्यायमूर्ति भूषण रामकृष्ण गवई 14 मई को भारत के अगले मुख्य न्यायाधीश के रूप में शपथ लेंगे, जो कि वर्तमान मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना के सेवानिवृत्त होने के एक दिन बाद होगा। परंपरा के अनुसार, मुख्य न्यायाधीश ने न्यायमूर्ति गवई को अपना उत्तराधिकारी नामित करते हुए केंद्रीय विधि मंत्रालय को एक प्रस्ताव भेजा है। मंत्रालय ने पहले मुख्य न्यायाधीश से उनके उत्तराधिकारी के नाम का प्रस्ताव मांगा था। न्यायमूर्ति गवई लगभग छह महीने तक भारत के मुख्य न्यायाधीश रहेंगे क्योंकि वे नवंबर में सेवानिवृत्त होने वाले हैं। न्यायमूर्ति केजी बालकृष्णन के बाद वे मुख्य न्यायाधीश का पद संभालने वाले दूसरे दलित होंगे, जिन्हें 2007 में देश के शीर्ष न्यायिक पद पर पदोन्नत किया गया था।महाराष्ट्र के अमरावती से आने वाले, वे 1985 में बार में शामिल हुए और महाराष्ट्र उच्च न्यायालय के पूर्व महाधिवक्ता और न्यायाधीश बैरिस्टर राजा भोंसले के साथ काम किया।

नेशनल हेराल्ड केस पर बोले सम्राट चौधरी, यह स्वतंत्रता सेनानियों के साथ विश्वासघात

एजेंसी

पटना: पटना। उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कहा कि कांग्रेस पूरे देश को और राजद बिहार को लूटने वाली पार्टी है। नेशनल हेराल्ड घोटाला में जहाँ कांग्रेस के राहुल गाँधी और सोनिया गांधी आरोपी हैं , वहीं राजद प्रमुख लालू प्रसाद चारा घोटाला में सजायाफ्ता है। लालू परिवार के आधा दर्जन लोग रेलवे की नौकरी के बदले जमीन मामले में आरोपी हैं। दोनों दलों का प्रथम परिवार जमानत पर है। ट चौधरी ने भाजपा कार्यालय में प्रेस वार्ता के दौरान नेशनल हेराल्ड मामले की चर्चा करते हुए कहा कि 2010 में जब केंद्र में यूपीए की सरकार थी और राहुल गाँधी कांग्रेस के महासचिव थे, तब 'नेशनल हेराल्ड' अखबार का स्वामित्व रखने वाली यंग इंडिया लिमिटेड कंपनी के करोड़ो रुपये के बाजार मूल्य वाले 1057 शेयर मात्र 5 लाख रुपये में खरीद लिए गए। इनमें से 76 फीसद शेयर अपने पास रख कर राहुल गाँधी मात्र 5 लाख रुपये में 2000 करोड़ की कंपनी के मालिक (डायरेक्टर) बन गए।

'जमानत पर हैं सोनिया और राहुल गांधी', ED ऐक्शन के खिलाफ कांग्रेस के प्रदर्शन पर बीजेपी का पलटवार

एजेंसी

पटना: भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सांसद रविशंकर प्रसाद ने बुधवार को नेशनल हेराल्ड मामले में राजनीतिक प्रतिशोध के कांग्रेस पार्टी के आरोप को खारिज कर दिया। उन्होंने कहा कि सोनिया गांधी और राहुल गांधी जमानत पर बाहर हैं और कथित तौर पर उच्च न्यायालय और सर्वोच्च न्यायालय दोनों से संपर्क करने के बावजूद अदालतों से राहत पाने में विफल रहे हैं। रविशंकर प्रसाद ने मीडिया को संबोधित करते हुए कहा कि सोनिया जी और राहुल गांधी जमानत पर बाहर हैं। उन्होंने पूरी कार्यवाही को रद्द करवाने के लिए हाई कोर्ट और सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया, लेकिन उन्हें कोई राहत नहीं मिली। उन्हें बस इतनी राहत मिली

कि उन्हें व्यक्तिगत रूप से कोर्ट में पेश होने की जरूरत नहीं है। भाजपा सांसद ने दावा किया कि यह मामला चार साल से चल रहा है और वे संतोषजनक जवाब नहीं दे पाए हैं। कानून अपना काम कर रहा है और फिर भी वे इसे प्रतिशोध कह रहे हैं। भाजपा ने तीखा पलटवार करते हुए गांधी परिवार पर ऐतिहासिक अखबार को निजी एटीएम में बदलने का आरोप लगाया। रविशंकर प्रसाद ने कहा कि यह सिर्फ विरोध का मामला नहीं है, यह एक कवर-अप है। उन्होंने कहा, कांग्रेस पार्टी को विरोध करने का अधिकार है, लेकिन उसे सरकारी संपत्तियों का दुरुपयोग करने और उन्हें नेशनल हेराल्ड को देने का अधिकार नहीं है। प्रसाद ने विस्तृत हमला करते हुए आरोप लगाया कि यंग इंडिया लिमिटेड के माध्यम से दिल्ली के बहादुर शाह जफर मार्ग से लेकर मुंबई, लखनऊ, भोपाल और पटना तक देश भर में मूल्यवान सार्वजनिक संपत्तियों को गांधी परिवार के हाथों में सौंपने के लिए ।

अमित शाह को हमें शिवाजी महाराज के बारे में नहीं बताना चाहिए, उद्धव ठाकरे की दो टूक- मरते दम तक हिंदुत्व को नहीं छोड़ूंगा

एजेंसी

नई दिल्ली: शिवसेना (यूबीटी) अध्यक्ष उद्धव ठाकरे ने नासिक में एक पार्टी कार्यक्रम में कहा कि मुंबई को लूटा जा रहा है, सब कुछ गुजरात ले जाया जा रहा है। उद्धव ठाकरे की महाराष्ट्र सरकार से मांग करते हुए कहा कि राज्यपाल का निवास कहीं और स्थानांतरित किया जाए, मुंबई स्थित राजभवन को शिवाजी महाराज के स्मारक में तब्दील किया जाए। उद्धव ठाकरे ने कहा कि मैंने भाजपा से रास्ता अलग किया है, मरते दम तक हिंदुत्व को नहीं छोड़ूंगा। उद्धव ठाकरे ने शिवसेना (यूबीटी) के

कार्यक्रम में कहा कि मैं भाजपा द्वारा हिंदुत्व के स्वरूप में की जा रही छेड़छाड़ को स्वीकार नहीं करूंगा। उद्धव ठाकरे ने कहा कि शिवसेना के बिना भाजपा अयोध्या में राम मंदिर बनाने की स्थिति में नहीं पहुंच पाती। उद्धव ठाकरे ने कहा कि चार दिन पहले अमित शाह रायगढ़ आए थे और एक बार उनका जिक्र करते हुए कहा था, शिवाजी महाराज को महाराष्ट्र तक सीमित नहीं रखा जाना चाहिए। लेकिन जब शिवाजी महाराज ने सूरत को लूटा तो इसकी खबर लंदन गजट में छपी। इसलिए अमित शाह को हमें शिवाजी के बारे में नहीं बताना चाहिए। उद्धव ठाकरे ने भाजपा को चुनौती दी कि यदि वे शिवाजी महाराज के बारे में इतना ही सोचते हैं तो वे शिव जयंती पर पूरे देश में सार्वजनिक अवकाश घोषित करें। शिवाजी महाराज के प्रति भाजपा के रुख को पाखंडपूर्ण बताते हुए उद्धव ठाकरे ने पूछा कि अरब सागर में शिव स्मारक कब बनाया जाएगा।

BJP का अध्यक्ष मुसलमान क्यों नहीं बनाते? पीएम मोदी के बयान पर दिग्विजय सिंह का पलटवार?

एजेंसी

नई दिल्ली: कांग्रेस के वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह ने मंगलवार को कहा कि भाजपा को अपनी पार्टी को ऐसा करने का सुझाव देने के बजाय किसी मुस्लिम को पार्टी अध्यक्ष नियुक्त करना चाहिए। उन्होंने कहा कि अतीत में मुस्लिम समुदाय के प्रमुख नेता इस पद पर रह चुके हैं। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि देश में एक "परेशान करने वाली प्रवृत्ति" देखी जा रही है, जिसमें अल्पसंख्यक समुदायों को दुश्मन माना जा रहा है और केंद्र तथा राज्यों में भाजपा के नेतृत्व वाली सरकारों द्वारा

उन्हें गलत तरीके से फंसाया जा रहा है। उनका यह बयान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा हरियाणा में दिए गए उस बयान के एक दिन बाद आया है जिसमें उन्होंने कहा था कि यदि कांग्रेस को वास्तव में मुसलमानों से हमदर्दी है तो उसे किसी मुसलमान को अपना अध्यक्ष बनाना चाहिए तथा समुदाय के लोगों को 50 प्रतिशत टिकट देने चाहिए। जब पत्रकारों ने दिग्विजय सिंह से प्रधानमंत्री की टिप्पणी के बारे में पूछा, तो उन्होंने कहा कि मुसलमानों ने पहले भी (कांग्रेस के) अध्यक्ष पद संभाले हैं और हमें इस पर गर्व है। अगर उन्हें (भाजपा को) इतनी चिंता है, तो वे मुस्लिम समुदाय के किसी व्यक्ति को पार्टी अध्यक्ष क्यों नहीं बनाते? स्वतंत्रता-पूर्व काल में मौलाना अबुल कलाम आजाद, मुख्तार अहमद अंसारी, सैयद हसन इमाम और नवाब सैयद मोहम्मद बहादुर जैसे प्रमुख मुस्लिम नेता कांग्रेस के अध्यक्ष रह

भाजपा की नैया डांवाडोल है, उसके साथ नहीं जाऊंगा;

मुकेश सहनी महागठबंधन की बैठक में जाएंगे

एजेंसी

पटना: बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के पहले यह अटकलें लगाई जा रही थीं कि विकासशील इंसान पार्टी चीफ मुकेश सहनी एनडीए के साथ जा सकते हैं। यह कहा जा रहा था कि महागठबंधन का एक घटक दल बीजेपी के संपर्क में है और जल्द ही यह दल एनडीए का दामन थाम सकता है। अलग-अलग मीडिया रिपोर्ट में कयास लगाए जा रहे थे कि विकासशील इंसान पार्टी ही महागठबंधन से अलग होकर एनडीए के साथ जा सकती है। लेकिन अब इस पर खुद वीआईपी चीफ मुकेश सहनी ने स्थिति साफ कर दी है।वीआईपी चीफ ने अपनी पार्टी के एनडीए के साथ जाने की तमाम अटकलों पर फिलहाल पूरी तरह से विराम लगा दिया है। वीआईपी प्रमुख मुकेश साहनी ने स्पष्ट कहा है कि भाजपा की नैया डावाडोल है और मैं भाजपा के साथ नहीं जाऊंगा। मुकेश सहनी राजधानी पटना में आयोजित एक मिलन समारोह में मौजूद थे। इस मिलन समारोह में पूर्व आईपीएस नुरुल होदा ने वीआईपी की सदस्यता ग्रहण की।इसी के साथ वीआईपी प्रमुख मुकेश सहनी ने यह भी साफ कर दिया है कि वो फिलहाल महागठबंधन में ही बने रहेंगे। मुकेश सहनी ने यह भी कहा है कि 17 अप्रैल

गुजरात सरकार की कर्मचारियों को खुशखबरी, 6वें वेतन आयोग का DA 6% और 7वें वेतन आयोग के कर्मचारियों का 2% बढ़ा

एजेंसी

गुजरात : गुजरात सरकार ने अपने कर्मचारियों और सेवानिवृत्त कर्मचारियों के लिए महंगाई भत्ते (डीए) में 2 प्रतिशत की वृद्धि को मंजूरी दे दी है। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक के दौरान यह निर्णय लिया गया। राज्य सरकार के प्रवक्ता और स्वास्थ्य मंत्री ऋषिकेश पटेल के अनुसार, सातवें वेतन आयोग के तहत लाभ पाने वाले कर्मचारियों को डीए में 2 प्रतिशत की वृद्धि मिलेगी। छठे वेतन आयोग के तहत कर्मचारियों को डीए में 6 प्रतिशत की बढ़ोतरी मिलेगी।1

जनवरी, 2025 से 31 मार्च, 2025 तक की अवधि के लिए डीए का बकाया अप्रैल 2025 के वेतन के साथ एक ही किस्त में वितरित किया जाएगा। इस वृद्धि से राज्य सरकार, पंचायतों और अन्य क्षेत्रों के लगभग 4.78 लाख सेवारत कर्मचारियों के साथ-साथ लगभग 4.81 लाख सेवानिवृत्त कर्मचारियों को लाभ होगा। इस कदम के बाद बकाया के रूप में 235 करोड़ रुपये का भुगतान किया जाएगा और वेतन, भत्ते और पेंशन पर 946 करोड़ रुपये का अतिरिक्त वार्षिक व्यय होगा। वित्त विभाग को राज्य सरकार के निर्णय को लागू करने के लिए आवश्यक आदेश जारी करने के भी निर्देश दिए गए हैं।

भाजपा के संगठन के तर्ज पर काम कर रही है ईडी: प्रदेश कांग्रेस प्रभारी कृष्णा अल्लावारू

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

- भाजपा की विंग के तौर पर काम कर रही है ईडी : कृष्णा अल्लावारू
- भाजपा मोदी के कुचक्रों से नहीं डरते हैं कांग्रेस के नेता : प्रदेश अध्यक्ष राजेश राम
- ईडी के दुरूपयोग को बंद करें भाजपा : प्रदेश अध्यक्ष राजेश राम

पटना, बुधवार, 16 अप्रैल, 2025 प्रवर्तन निदेशालय द्वारा नेशनल हेराल्ड मामले में कांग्रेस के शीर्ष नेता पूर्व अध्यक्षा सोनिया गांधी एवं देश के नेता विपक्ष राहुल गांधी पर दाखिल चार्जशीट पर आज बिहार कांग्रेस ने पटना इनकम टैक्स से विरोध मार्च शुरू कर ईडी कार्यालय के बाहर जमकर प्रदर्शन किया। इस दौरान कांग्रेस के नेतागण गगनभेदी नारों से केंद्र की मोदी सरकार और भाजपा का विरोध कर रहे थे।

विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व बिहार कांग्रेस के प्रभारी कृष्णा अल्लावारू और प्रदेश अध्यक्ष राजेश राम कर रहे थे।

प्रदर्शन के दौरान प्रतिरोध मार्च निकाल कर कांग्रेस के नेता ईडी कार्यालय पहुंचे और उसके मुख्य द्वार पर धरने पर बैठ गए और ईडी के कांग्रेस के शीर्ष नेताओं के खिलाफ केंद्र की भाजपा सरकार के शह पर प्रतिशोधात्मक कार्रवाई पर जमकर नारेबाजी की।प्रदेश कांग्रेस के प्रभारी कृष्णा अल्लावारू ने प्रदर्शन के दौरान कहा कि ईडी भाजपा के आनुषांगिक संगठन के तर्ज पर कांग्रेस के खिलाफ प्रतिशोध में काम कर रही है। देश में कई भाजपा नेताओं पर मनी लॉन्ड्रिंग और पैसों को लेकर मामले चल रहे हैं लेकिन हर बार कांग्रेस या विपक्ष के नेताओं को ही ईडी निशाना बनाती है। पिछले दस वर्षों में ईडी ने 190 नेताओं पर केस दर्ज किए हैं

लेकिन जो भाजपा में शामिल हो गए उन मामलों को ठंडे बस्ते में डाल दिया जाता है।ईडी के कार्रवाईयों पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि जब जब देश में महंगाई, बेरोजगारी और अराजकता फैलती है तब तब ईडी का इस्तेमाल करके केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार लोगों का ध्यान भटकाने लगती है। कांग्रेस जब जनहित के मुद्दों पर केंद्रीय सत्ता को घेरती है तब तब भाजपा प्रतिशोध में कार्रवाई का दबाव बनाती है।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश राम ने कहा कि ईडी की ताजा कार्रवाई बिहार के चुनावों को देखते हुए भाजपा और नरेंद्र मोदी की चाल है ताकि महागठबंधन को अस्थिर किया जा सकें। नेशनल हेराल्ड के मामले में नाहक हमारे शीर्ष नेताओं को परेशान किया जाता है और घंटों पूछताक्ष के नाम पर बैठाकर उन्हें मानसिक प्रताड़ना देने का कुत्सित प्रयास किया जाता है।उन्होंने आगे कहा कि कांग्रेस के हमारे शीर्ष नेता सोनिया गांधी एवं राहुल गांधी मजबूत और जीवट नेता हैं वें ऐसी कार्रवाइयों से नहीं डरते हैं वें देश की एकता, अखंडता और मूल मुद्दे महंगाई, बेरोजगारी और सांप्रदायिकता के खिलाफ भाजपा एनडीए सरकार से लड़ते रहेंगे।

प्रदेश कांग्रेस के विधानमंडल दल के नेता डॉ शकील अहमद खान ने कहा कि लोकतंत्र में सवाल पूछना विपक्ष का अधिकार है लेकिन आज केंद्रीय सत्ता ऐसे सवालों से घबड़ाकर हमारे नेताओं पर ईडी सीबीआई भेजकर उन्हें धमकाने का काम करती है जो कि लोकतांत्रिक मूल्यों के खिलाफ है। मौजूदा सरकार के खिलाफ कांग्रेस के द्वारा उठाएं जा रहे जनहित के मुद्दों पर चिढ़ कर ये बदले की भावना से प्रेरित कार्रवाई है।बिहार कांग्रेस के सह प्रभारी शाहनवाज आलम ने कहा कि केंद्र की भाजपा सरकार ने कांग्रेस को परेशान करने के लिए लगातार संवैधानिक संस्थाओं का दुरूपयोग कर रही है जो कि गलत और असंवैधानिक है।

प्रदेश कांग्रेस के मीडिया विभाग के चेयरमैन राजेश राठौड़ ने बताया कि आज बिहार के सभी जिलों में भी जिला इकाइयों द्वारा जिला समाहरणालय के बाहर प्रदर्शन किया गया और विरोध मार्च निकाल कर केंद्र की भाजपा सरकार के द्वारा ईडी के दुरूपयोग और चार्जशीट दाखिल करने की दमनात्मक कार्रवाई के खिलाफ नारेबाजी एवं विरोध किया गया।ईडी कार्यालय के बाहर विरोध प्रदर्शन में विरोध प्रदशन में विधान मंडल दल के नेता डा0 शकील अहमद खान, विधान परिषद में कांग्रेस दल के नेता डा0 मदन मोहन झा, ए.आई.सी.सी के सचिव सह प्रभारी शहनवाज आलम, मोती लाल शर्मा, प्रतिमा कुमारी दास, प्रेमचन्द्र मिश्रा, राजेश राठौड़, संजीव प्रसाद टोनी, अजय चौधरी, बंटी चौधरी, डा0 हरखू झा, निर्मल वर्मा, राज कुमार राजन, मुन्ना शाही, नागेन्द्र कुमार विकल, डा0 संजय यादव, राजेश कुमार सिन्हा तारानन्द सदा, शरवत जहां फातमा, मंजीत आनन्द साहू, गुंजन पटेल, चन्द्र प्रकाश सिंह ,कुमार आशीष, शकीलुर रहमान, रामायण प्रसाद यादव, सौरभ सिन्हा, ज्ञान रंजन, आशुतोष शर्मा, ललन यादव, सत्येन्द्र कुमार सिंह, राज कुमार गुप्ता, कैसर खान, अरविन्द लाल रजक, सूरज सिन्हा, कमलदेव नारायण शुक्ला ,अशोक गगन, निधि पाण्डेय, उमेश कुमार राम, सिद्धार्थ क्षत्रिय, राजीव मेहता, अखिलेश्वर सिंह, आदित्य पासवान,

ज्योतिबा फुले भारत रत्न डॉ.बाबा साहेब अंबेडकर व अली हुसैन असिम बिहार का संयुक्त जयंती समारोह

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मो.अबु बकर सिद्दीकी

मधुबनी जिला के हरलाखी प्रखंड क्षेत्र के हटवारिया स्थित संगम चौक पर सोना फाउंडेशन ट्रस्ट के द्वारा राष्ट्रपिता ज्योतिबा फुले भारत रत्न डॉ बाबा साहेब अंबेडकर व अली हुसैन असिम बिहार का संयुक्त जयंती समारोह धूमधाम से मनाया गया जिसमें मुख्य अतिथि के रूप हरलाखी थानाध्यक्ष जितेन्द्र कुमार सहनी व भाजपा नेता रामकृपाल महतो मो इजहार मनीष कुमारी डॉ बीके यादव सहित अन्य लोगों ने महापुरुषों के चित्र पर माल्यार्पण कर पुष्प अर्पित किया गया कार्यक्रम को संबोधित करते हरलाखी थानाध्यक्ष ने सभी महापुरुषों के जीवनी पर प्रकाश डालते हुए कहा कि आज हमलोग जयंती समारोह के मौके पर संकल्प लें कि

महापुरुषों के सिद्धांत पर चलने की जरूरत है इनके विचारों को समाज में लोगों को जागरूक करना चाहिए जिससे समाज बेहतर शिक्षा मिल सकेगा वहीं डॉ बीके यादव ने कहा किमौलाना अली हुसैन ह्लअसीम बिहारीका जन्म 15 अप्रैल 1890 में बिहारी सरीफ में हुआ था जब जलियांवाला बाग हत्याकांड के बाद, लाला लाजपत राय, मौलाना आजाद आदि नेताओ को गिरफ्तार कर लिया गया था, तो उन नेताओं की रिहाई के लिए एक राष्ट्रव्यापी पत्राचारिक विरोध शुरू किया सारे स्वतंत्रा सेनानी जेल से बाहर आये।गाँधी जी ने कांग्रेस पार्टी की कुछ शर्तों के साथ एक लाख रुपए की बड़ी रकम संगठन को देने का प्रस्ताव रखा, लेकिन आसिम बिहारी ने, आंदोलन के शुरू में ही संगठन को किसी प्रकार की राजनैतिक बाध्यता और समर्पण से दूर रखना ज्यादा उचित समझा, और एक लाख की बड़ी आर्थिक सहायता, जिसकी संगठन को अत्यधिक आवश्यकता थी, स्वीकार करने से इंकार कर दिया मौके सुनील कुमार यादव मिथिलेश कुमार डॉ मो अली खान नौशाद साबिर अभिजित कुमार सहित अन्य लोगों मौजूद थे

मशरक के चैनपुर में बुलेट की टक्कर से साइकिल सवार सदर रेफर

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

मशरक के चैनपुर महावीर मंदिर के पास एन एच 227 ए राम जानकी पथ पर अनियंत्रित तेज रफ्तार से जा रहें बुलेट सवार की चपेट में आने से साइकिल सवार गंभीर रूप से घायल हालत में इलाज के लिए सीएचसी मशरक में भर्ती कराया गया। घायल मशरक के किशुनपुरा गांव निवासी दिनेश्वर राम का 20 वर्षीय पुत्र रवि कुमार हैं। जो घर से मशरक बाजार करने जा रहा था। ड्यूटी पर तैनात चिकित्सक डॉ अनंत नारायण कश्यप ने प्राथमिक उपचार कर बेहतर इलाज के लिए सदर अस्पताल छपरा रेफर कर दिया।

मशरक में नहर के साइफन से अज्ञात शव बरामद, पुलिस ने पोस्टमार्टम में भेजा

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

मशरक के कर्ण कुदरिया पंचायत के कर्ण कुदरिया नहर के साइफन से अज्ञात पुरूष का शव बंद बोरे से बरामद कर पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल छपरा भेज दिया।थानाध्यक्ष रणधीर कुमार ने बताया कि मामले में प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है वहीं पहचान की कोशिश की जा रही है। उन्होंने बताया कि ग्रामीणों के द्वारा तेज दुर्गंध पर स्थानीय चौकीदार को सूचना मिली जिस पर पुलिस ने पहुंच नहर के साइफन से बंद बोड़े में पाया गया है। जो एक दम सड़ा गला हुआ है। स्थानीय लोगों के द्वारा पहचान की कोशिश की गयी पर शव का शिनाख्त नहीं हो पाया है। वहीं मामले में प्राथमिकी दर्ज कर जांच पड़ताल की जांच रहीं हैं। स्थानीय लोगों ने बताया कि नहर में पानी नहीं है, वहीं शव मिलने की खबर पर इलाके में अलग-अलग अलग-अलग चचाएं चल रही है।

मशरक में दो दिवसीय अखंड अष्टयाम आयोजित, बनियापुर विधायक बनें यजमान

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

मशरक नगर पंचायत क्षेत्र के मुन्नी मोड़ के पास बीएसएम ग्लोबल स्कूल के परिसर में दो दिवसीय अखंड अष्टयाम भव्य कलशयात्रा से शुभारंभ किया गया। आचार्य सुमन पांडेय ने यजमान बने बनियापुर विधायक केदारनाथ सिंह और धर्म पत्नी बबीता देवी की मौजूदगी में जल बोझी और विधिवत मंत्रोच्चार के बाद 24 घंटे के अखंड अष्टयाम की शुरूआत कराई। आचार्य सुमन बाबा ने बताया कि दो दिवसीय अखंड अष्टयाम को लेकर बड़हिया टोला गांव के आवास से कलशयात्रा निकाली गई जो पुराने रेलवे स्टेशन परिसर स्थित शिव मंदिर,गंडक परिसर कनक मंदिर होते हुए यज्ञ मंडप पहुंची। मौके पर मदन सिंह,छपरा पूर्व विधायक रणधीर कुमार सिंह, उच्च न्यायालय पटना के अधिवक्ता रितुराज सिंह,प्रखंड प्रमुख रवि प्रकाश सिंह उर्फ मंटू, चुनमुन बाबा, मदारपुर मुखिया प्रतिनिधि जितेन्द्र सिंह,सोनू बाबा समेत दर्जनों गणमान्य लोग उपस्थित थे।

केन्द्रीय विद्यालय मशरक में नये छात्रों का प्रवेशोत्सव कार्यक्रम आयोजित

प्रखंड संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय मशरक में विद्या प्रवेश का कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसके अंतर्गत कक्षा एक में प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों का स्वागत किया गया तथा उनको विद्यालय की विभिन्न गतिविधियों से अवगत कराया गया। कार्यक्रम का प्रारंभ विद्यार्थियों के स्वागत के साथ हुआ जिसमें उन्हें तिलक लगाकर पुष्प वर्षा की गई। साथ ही नन्हे- मुन्ने बच्चों के अभिभावकों का भी स्वागत किया गया। पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय मशरक की प्राचार्य श्रीमती रंजना झा के द्वारा दीप प्रज्वलन और और मां सरस्वती की प्रतिमा पर पुष्प अर्पण किया गया। अपने स्वागत उद्बोधन में प्राचार्य ने कहा कि ये नन्हे-मुन्ने बच्चे एक दिन देश का भविष्य सवारेंगे। अभिभावकों के प्रति आभार प्रकट करते हुए उन्होंने कहा कि आपने केंद्रीय विद्यालय पर भरोसा किया ,उस भरोसे को हम हमेशा कायम रखने का प्रयास

करेंगे । हमारे शिक्षक विद्यार्थियों के बेहतर भविष्य के लिए लगातार प्रयास करेंगे।ये पुष्प विद्यालय रूपी बगिया को अपनी खुशबू से जिस तरह भर रहे हैं उसी तरह से हम कामना करते हैं कि ये देश की सुगंध भी पूरी मानवता में फैलाएंगे और विश्व कल्याण के लिए कार्य करेंगे। नवागत विद्यार्थियों के स्वागत में कक्षा दूसरी के विद्यार्थियों ने कार्यक्रम प्रस्तुत किये,जिसमें गीत, कविता, नृत्य इत्यादि का आयोजन किया गया। विद्यार्थियों के अभिभावकों ने अपने विचार प्रकट करते हुए कहा कि यह विद्यालय न सिर्फ शिक्षा के उच्च स्तर को बरकरार रखे हुए हैं बल्कि अन्य शिक्षण संस्थानों के लिए नित नए कीर्तिमान भी स्थापित कर रहा है। हम स्वयं को सौभाग्यशाली समझते हैं कि हमारे बच्चों का प्रवेश ऐसे गौरवशाली संस्थान में हुआ है। कार्यक्रम संपन्न होने के पश्चात प्रधानाचार्य द्वारा विद्यार्थियों का कक्षा में स्वागत किया गया।उन्हें जलपान के साथ शिक्षण कार्य से संबंधित उपहार भी प्रदान किए गए। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अंतर्गत हुए बदलावों से अवगत कराते हुए अभिभावकों के समक्ष पावरप्वाइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से निपुण और एफ.एल.एन. के बारे में जानकारी दी गई।धन्यवाद ज्ञापन में विद्यालय के वरिष्ठ शिक्षक श्री राम चरण ने सभी के प्रति आभार प्रकट किया ।कुशल नेतृत्व के लिए विद्यालय की प्राचार्य श्रीमती रंजना झा का,

मधुबनी जिलाधिकारी अरविन्द कुमार वर्मा ने 24 अप्रैल पंचायती राज दिवस के अवसर पर प्रधानमंत्री भारत सरकार की संभावित मधुबनी यात्रा की तैयारियों को

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मो. अबु बकर सिद्दीकी

मधुबनी जिलाधिकारी अरविन्द कुमार वर्मा ने 24 अप्रैल पंचायती राज दिवस के अवसर पर माननीय प्रधानमंत्री भारत सरकार की संभावित मधुबनी यात्रा की तैयारियों को लेकर समाहरणालय सभा कक्ष में वरीय अधिकारियों के साथ बैठक कर अभी तक की सभी तैयारियों का समीक्षा किया। उन्होंने सभी कोषांगो द्वारा किए जा रहे कार्यों को बारी बारी से विस्तृत समीक्षा किया।जिलाधिकारी ने संपूर्ण कार्यक्रम स्थल पर दंडाधिकारियों,पुलिस पदाधिकारियों एवं पुलिसबल की प्रतिनियुक्ति को लेकर उपस्थित अपर समाहर्ता को कई आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उन्होंने कार्यक्रम स्थल के पास कंट्रोल रूम की स्थापना को लेकर भी कई निर्देश दिए।जिलाधिकारी ने चिकित्सकीय व्यवस्था को लेकर भी उपस्थित सिविल सर्जन को कई आवश्यक निर्देश दिए। मंच एवं हैंगर का निर्माण कार्य , हैली पैड निर्माण कार्य,बैरिकेटिंग निर्माण कार्य आदि की कार्य प्रगति की समीक्षा करते हुए कार्य में तेजी लाते हुए ससमय पूर्ण करने का निर्देश दिया। इसके अतिरिक्त जिलाधिकारी द्वारा पेयजल,शौचालय की व्यवस्था,पार्किंग स्थल का निर्माण,यातायात व्यवस्था,सुरक्षा व्यवस्था,ड्रॉप गेट का निर्माण, आदि तैयारियों का विस्तृत समीक्षा कर संबंधित अधिकारियों को कई आवश्यक दिशा निर्देश दिया गया। जिलाधिकारी ने बैठक में उपस्थित पुलिस अधीक्षक सहित वरीय अधिकारियों के साथ सुरक्षा व्यवस्था को लेकर विस्तृत विचार विमर्श किया एवं कई आवश्यक निर्देश भी दिए। इस अवसर पर ट्रैफिक प्लान को लेकर *भी *अधिकारियों के साथ व्यापक विचार विमर्श किया। उक्त बैठक में पुलिस अधीक्षक योगेंद्र कुमार, डीडीसी दीपेश कुमार,अपर समाहर्ता *राजेश कुमार,अपर समाहर्ता विभागीय जॉच नीरज कुमार,अपर समाहर्ता आपदा संतोष कुमार,नगर आयुक्त अनिल चौधरी, जिला परिवहन पदाधिकारी ,शशि शेखरन डीपीआरओ परिमल कुमार सहित सभी वरीय अधिकारी उपस्थित थे ’

बड़रम में करोडों की लागत से बना पंचायत सरकार भवन निरुद्देश्य

13 वर्षो में पंचायत सरकार भवन बनकर नहीं हुआ तैयार, फर्श पर उपजा घास

प्रखंड संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

हुसैनगंज, एक संवाददाता। प्रखण्ड क्षेत्र के बड़रम वार्ड संख्या आठ में स्थित लगभग डेढ़ बीघे जमीन के अहाते में करोड़ों रुपये की लागत से बना पंचायत सरकार भवन आज भी निरुद्देश्य साबित हो रहा है। ग्रामीणों के अनुसार भवन अंदर से अपूर्ण है, किन्तु बाहर से ताले लटक रहे हैं।वहीं भवन के अहाते, अगल बगल एवं फर्श को फाड़कर घास उपज गया है। बीडीसी नन्हें पाण्डेय ने बताया कि सरकार द्वारा करोड़ों रुपए खर्च कर भवन बनाने का मुख्य उद्देश्य है कि प्रखण्ड कर्मी पंचायत सचिव, अंचल राजस्व कर्मी वहाँ रहकर अपना दैनिक कार्यों का निपटारा कर सकें ताकि स्थानीय ग्रामीणों को प्रखण्ड कार्यालय का चक्कर नहीं लगाना पड़े। आरटीपीएस काउंटर खोलकर जाति, आय, निवास प्रमाण पत्र के अलावे वृद्धावस्था पेंशन, विधवा पेंशन, जन्म मृत्यु एवं दाखिल खारिज के लिए ऑनलाइन कर सकें। परन्तु बड़रमवासियों के आज भी इन सभी कार्यों के लिए लगभग 8 किलोमीटर दूर स्थित प्रखण्ड कार्यालय का चक्कर लगाना पड़ता है। बीडीओ राहुल कुमार ने बताया कि विगत 2011 वर्षों से बड़रम में पंचायत सरकार भवन बन रहा है,किन्तु अभीतक कार्य पूर्ण नहीं होने के कारण ठिकेदार ने भवन को विभाग को हैंडओवर नहीं किया गया है।जबकि इसकी सूचना वरीय पदाधिकारी को दे दी गई है।

सारण पुलिस आपके द्वार कार्यक्रम के तहत मशरक थाना में ग्रामीण एसपी ने की जनसुनवाई

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

सारण पुलिस आपके द्वार कार्यक्रम के तहत ग्रामीण एसपी शिखर चौधरी के द्वारा मशरक थाना परिसर में बुधवार को जनसुनवाई की गयी।ग्रामीण एसपी शिखर चौधरी ने बताया कि मशरक थाना क्षेत्र के लोगों की पुलिस से जुड़ी समस्याओं के लिए सारण पुलिस आपके द्वार कार्यक्रम के तहत जन सुनवाई कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें पहुंचे मशरक 35 लोगों ने अपनी समस्या बताई, जिसमें सबके निराकरण हेतु आवश्यक नियमानुसार कार्रवाई की जा रही है वहीं संबंधित अधिकारियों को समाधान के प्रति दिशा-निर्देश दिए गए। मौके पर डीएसपी अमरनाथ, इंस्पेक्टर अशोक कुमार सिंह और थानाध्यक्ष रणधीर कुमार मौजूद रहें

शपथ पत्र

में संजय राम पिता- रामाकांत राम, ग्राम+पो०- कृष्णपाली, थाना- दरौली, जिला- सिवान (बिहार) पिन कोड- 841234 का स्थाई निवासी हूँ, शपथ पूर्वक बयान करता हूँ

1. यह कि शपथ कर्ता उपरोक्त पते का स्थाई निवासी है।

2. यह कि शपथ कर्ता के आधार में संजय राम है जो सत्य एवं सही है तथा आधार न० 337992409594 है।

3. यह कि शपथकर्ता के पासपोर्ट में शपथकर्ता का नाम संजय प्रसाद रंल्लं८ ढ१ंर्र है जो गलती से अंकीत हो गया है।

4. यह कि शपथकर्ता के पासपोर्ट नं०- J2145501, फाइल नं०- PATA12641609 है।

5. समथकों को संजय राम तथा संजय प्रसाद दोनो नाम से जाना एवं पहचाना जाता है। दोनो नाम शपथकर्ता का ही है। अत: यह शपथ पत्र है।

म संजय राम शपथ पूर्वक बयान करता हूँ कि इस शपथ पत्र का कुल मजमून मेरी जानकारी में सही वो सत्य है, कुछ भी छिपाया नहीं गया है, शपथ पत्र में किसी अंश के गलत होने की सभी जिम्मेवारी शपथकर्ता की होगी।

प्रमाणित किया जाता है कि शपथ कर्ता ने इस शपथ-पत्र का कुल कथन मेरे समक्ष स्वीकार किया जिनकी पहचान श्री अधिवक्ता, सिवान ने की है।

समस्तीपुर के चयनित 27 पीएम श्री विद्यालय की आधारभूत संरचनाओं में किया जायेगा सुधार

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मोहम्मद ज़ूबैर

समस्तीपुर : जिला में चयनित 27 पीएम श्री विद्यालय में जिला शिक्षा विभाग द्वारा मध्य विद्यालय को टैग करने के बाद जो तनावपूर्ण स्थिति उत्पन्न हुई थी उसके बाद से अभी भी संशय की स्थिति कायम है. विदित हो कि कुछेक मध्य विद्यालय को टैग किए जाने के बाद जिला शिक्षा विभाग को काफी फजीहत झेलनी पड़ी थी और आपत्तियों के निराकरण के लिए बीईओ को पत्र प्रेषित किया गया था. यह पत्राचार डीपीओ एसएसए ने सभी बीईओ से किया था.पत्राचार के पंद्रह दिन बाद भी बीईओ द्वारा दिए गए मंतव्य के आलोक में जिला शिक्षा विभाग अभी तक किसी निर्णय पर नहीं पहुंच सका है. जिला शिक्षा विभाग के अधिकारी इस पर खुलकर बोलने से परहेज कर रहे है. हालांकि जिला शिक्षा विभाग द्वारा हुयी गलतियों पर अभिभावक, शिक्षा समिति, जनप्रतिनिधि के साथ-साथ बच्चें भी काफी आक्रोशित हैं. जानकारों की माने तो जिला शिक्षा विभाग दर्ज आपत्तियों का हवाला देते हुए मुख्यालय से मार्गदर्शन लेना चाहते है. फिलहाल मामला मार्गदर्शन के पेंच में फंस गया है.इधर प्रधानमंत्री स्कूल फॉर राइजिंग इंडिया (पीएमश्री) के रूप में चयनित इंटर स्कूलों में इंफ्रास्ट्रक्चर में सुधार किया जायेगा. जिले में दो दर्जन से अधिक भर स्कूलों को पीएम श्री स्कूल के रूप में चयनित किया गया है. पीएम श्री स्कूलों के आधारभूत संरचना में बदलाव किया जायेगा. ताकि बच्चों को इन स्कूलों में बेहतर शिक्षा उपलब्ध हो सके. इन स्कूलों में छठी से बारहवीं तक की पढ़ाई होगी इसे एक ही शैक्षणिक और प्रशासनिक इकाई माना जायेगा. फिलहाल, इन विद्यालयों में नौवीं से 12वीं तक की पढ़ाई हो रही है. शिक्षा विभाग की ओर से जारी आदेश में कहा गया कि चयनित विद्यालयों के नजदीकी मिडिल स्कूलों के कक्षा 6 से 8 तक के विद्यार्थियों और शिक्षकों का विलय किया जायेगा. विलय किए गए मिडिल स्कूलों में अगर निर्धारित वेतनमान वाले प्रधानाध्यापक कार्यरत हैं तो उनका तबादला किसी दूसरी जगह किया जायेगा. साथ ही, उस विद्यालय के प्रधानाध्यापक का पद प्रत्यावर्तित करने का प्रस्ताव जिला स्तर से शिक्षा विभाग को भेजा जायेगा.
संबंधित मध्य विद्यालय के कक्षा एक से पांच तक के विद्यार्थी उसी विद्यालय में रहेंगे तथा उसे अलग प्राथमिक विद्यालय के रूप में चलाया जायेगा. बाद में इन विद्यालयों के लिए प्रधानाध्यापकों के पद सृजित किया जायेगा. विभाग ने बताया कि कक्षा छह से आठ तक के विद्यार्थियों को उनके शिक्षक ही पढ़ायेंगे. यदि इन कक्षाओं के लिए शिक्षकों की कमी होगी तो कक्षा 9, 10 तथा 11-12 के शिक्षक भी इन बच्चों को पढ़ाएंगे. इससे इतर डीपीओ एमडीएम ने भी इन विद्यालयों के एचएम को पत्र भेजकर एमडीएम

बच्चे अपनी सफलता को अच्छे से सहेजें, अभिभावक बच्चों को अपना कैरियर चुनने में पूरी आजादी दें एवं जरूरी सहयोग करें : आयुक्त

वरिष्ठ संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
शकील हैदर

● छपरा,मैट्रिक एवं इंटरमीडिएट की परीक्षा में अव्वल आने वाले छात्रों एवं छात्राओं को किया गया सम्मानित

छपरा, बच्चे अपनी सफलता पर गर्व करें लेकिन घमंड कभी भी न करें। सफलता को भी सहजता से लेना चाहिये। बच्चों को अपना कैरियर चुनने में अभिभावक पूरी आजादी दें तथा उनके फैसले का सम्मान कर इसमें जरूरी सहयोग करें। उक्त बातें प्रमंडलीय आयुक्त श्री गोपाल मीणा ने कही। वह आज मैट्रिक एवं इंटरमीडिएट की परीक्षा 2025 में अव्वल आने वाले छात्रों एवं छात्राओं के सम्मान समारोह में उपस्थित मेधावी बच्चों एवं उनके अभिभावकों को संबोधित कर रहे थे।

इस अवसर पर उपविकास आयुक्त श्री यतेंद्र कुमार पाल ने अपने संबोधन में कहा कि इस परीक्षा में अव्वल आने के बाद आगे की यात्रा में भी कई परीक्षाएं होंगी। इन सभी परीक्षा में इसी हौसले के साथ सामना करना है। उन्होंने एकेडमिक के साथ साथ जीवन के अन्य क्षेत्रों में भी आने वाली चुनौतियों एवं परीक्षाओं के लिये सभी को शुभकामनाएं दीं।

इससे पूर्व श्री भिखारी ठाकुर प्रेक्षागृह में आयोजित सम्मान समारोह कार्यक्रम का शुभारंभ मेधावी बच्चियों के माध्यम से दीप प्रज्वलित कर कराया गया। सभी छात्रों एवं छात्राओं को एक प्रशस्ति पत्र एवं मोमेंटो भेंट किया गया तथा उनके अभिभावकों/शिक्षकों को अंगवस्त्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। मैट्रिक एवं इंटरमीडिएट की परीक्षा में जिला में प्रथम 10 रैंक प्राप्त करने वाले सभी छात्रों एवं छात्राओं को सम्मानित किया गया। मैट्रिक में कुल 23 छात्र/छात्रा तथा इंटरमीडिएट की विभिन्न संकायों में कुल 41 छात्र/छात्राएं जिला में टॉप 10 रैंक में शामिल हैं। इस अवसर पर जिला शिक्षा पदाधिकारी, जिला कला संस्कृति पदाधिकारी, शिक्षा विभाग के अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

सारण पुलिस द्वारा जनसुनवाई हेतु जिलान्तर्गत आयोजित की गयी सारण पुलिस आपके द्वार कार्यक्रम

वरिष्ठ संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
शकील हैदर

छपरा,पुलिस मुख्यालय से मिले दिशा-निर्देश के आलोक में जनसुनवाई हेतु आगंतुकों के समस्याओं के त्वरित समाधान हेतु बेहतर एवं सुदृढ़ व्यवस्था बनाने के लिए आज दिनांक-16.04.25, बुधवार को सारण पुलिस आपके द्वार कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान वरीय पुलिस अधीक्षक, सारण द्वारा एकमा थाना में एवं पुलिस अधीक्षक, ग्रामीण द्वारा मशरक थाना में जनसुनवाई की गयी।इस कार्यक्रम के दौरान जिलान्तर्गत वरीय पुलिस अधीक्षक, सारण के निर्देशन में सभी अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी द्वारा अपने अनुमंडल अंतर्गत 01-01 थाने में जाकर 11 बजे पुर्वा० में कैम्प लगाकर जनता की समस्या को सुनकर इसका निष्पादन किया गया। जिसमें एकमा थाना में-20, मशरक थाना में 35, अमनौर थाना में-06, नगर थाना में-14, परसा थाना में-03 आवेदको ने उपस्थित हो कर अपनी समस्या बताई, सबके निराकरण हेतु आवश्यक नियमानुसार कार्रवाई की जा रही है।

राशन कार्डधारी, राशन कार्ड सीडिंग 30 जून तक करा सकते हैं

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम 2013 के तहत उपभोक्ता मामले, सरकार के विशेष सचिव, खाद्य एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग बिहार पटना के पत्रांक प्र06 विविध (ई- केवाईसी) 02/2025/खाद्य, दिनांक 02 अप्रैल 2025 के द्वारा आधार सीडिंग हेतु 30 जून 2025 तक की अवधि विस्तारित की गई है। प्राप्त निर्देश के आलोक में राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम 2013 के तहत आच्छादित सदस्य किसी भी लक्ष्यित जन वितरण प्रणाली विक्रेता की दुकान पर संधारित ई पॉश यंत्र के माध्यम से 30 जून 2025 तक निःशुल्क आधार सीडिंग (ई-केवाईसी) करा सकते हैं। साथ ही विशेष कार्य पदाधिकारी खाद्य एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग बिहार पटना के पत्रांक 3026/खाद्य, दिनांक 21.06.2024 के द्वारा निर्देश प्राप्त है कि राज्य के वैसे राशन कार्डधारी जो अपनी आजीविका/अन्य कारणों से राज्य से बाहर (इन बारह राज्यों/केन्द्र शासित प्रदेशों यथा- गुजरात, हिमाचल प्रदेश, झारखंड, कर्नाटक, उड़ीसा, पुडुचेरी, राजस्थान, तामिलनाडु, तेलंगाना, उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश एवं पश्चिम बंगाल को छोड़कर) कार्य/निवास कर रहे हैं, वे भी उक्त राज्य में ही अपने नजदीकी जन वितरण प्रणाली विक्रेता के पास जाकर अपना ई-केवाईसी/ आधार सीडिंग करा सकते हैं।इसके अतिरिक्त राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम से आच्छादित सभी लाभुकों का फेशियल ई- केवाईसी की सुविधा भी आरंभ कर दिया गया है, जिसके द्वारा कोई भी लाभुक अपने मोबाईल फोन से देश के किसी भी स्थान से मेरा ई - केवाईसी एप्प तथा आधार फेस आरडी एप्प के माध्यम से अपना ई- केवाई सी करा सकते हैं। यदि किसी उचित मूल्य विक्रेता द्वारा उक्त निर्णय के अनुसार मुफ्त ई -केवाईसी नहीं किया जाता है, तो आपूर्ति निरीक्षक/अनुमंडल पदाधिकारी से या विभागीय टॉल फ्री सं०1800 - 3456 -194 एवं 1967 पर शिकायत कर सकते हैं।

25 हजार रुपये के इनामी अपराधी को एसटीएफ व जिला डीआईयू की टीम ने किया गिरफ्तार

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मोहम्मद जुबैर

■ समस्तीपुर : लूट, डकैती व जानलेवा हमला सहित आधा दर्जन से अधिक संगीन मामलों में आरोप पत्रित व वांछित 25 हजार रुपये के इनामी अपराधी को एसटीएफ व जिला डीआईयू की टीम ने किया गिरफ्तार

समस्तीपुरः लूट, डकैती व जानलेवा हमला सहित आधा दर्जन से अधिक संगीन मामलों में आरोप पत्रित व वांछित 25 हजार रुपये के इनामी अपराधी अंकित कुमार उर्फ आरडीएक्स (22) को एसटीएफ व जिला डीआईयू की टीम ने मथुरापुर थाना क्षेत्र से गिरफ्तार कर लिया है। वह कपूरीग्राम थाना क्षेत्र के आधारपुर का रहने वाला था। उसके उपर मुसरीघरारी, कपूरीग्राम, सरायरंजन, वैनी, वारिसनगर, मथुरापुर थाने में गंभीर मामले दर्ज है जिसमें वह वांछित चल रहा है। आरडीएक्स की गिरफ्तारी के बाद समस्तीपुर पुलिस ने राहत की सांस ली है।इस संबंध में प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए सदर-2 अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी विजय महतो ने बताया कि गिरफ्तार बदमाश सोशल मीडिया पर ह्यआरडीएक्स गैंगह्ण नाम से एक आपराधिक गिरोह संचालित करता था। उस पर लूट, डकैती और जानलेवा हमले जैसे कई मामलों में जिले के विभिन्न थानों में प्राथमिकी दर्ज है। वह पूर्व में दो बार जेल जा चुका है और जिले के टॉप-10 अपराधियों की सूची में शामिल था। हालांकि, गिरफ्तारी के समय उसके पास से कोई हथियार बरामद नहीं हुआ है।सदर-2 एसडीपीओ ने बताया कि आरडीएक्स के गैंग के तीन अन्य सदस्य पहले ही मथुरापुर क्षेत्र में अलग-अलग मामलों में जेल भेजे जा चुके हैं। वहीं वारिसनगर में भी इस गैंग से जुड़े दो अपराधी गिरफ्तार हो चुके हैं। गौरतलब है कि अंकित उर्फ आरडीएक्स का बड़ा भाई ह्यगोलू भवानी भी सोशल मीडिया पर इसी तरह गैंग चलाता था

सोनिया गांधी और राहुल गांधी को परेशान करना बंद करे भाजपा : मुकेश कुमार चौधरी

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। बुधवार को अखिल भारतीय कांग्रेस कमिटी के आहवान पर तथा बिहार प्रदेश कांग्रेस कमिटी के निदेर्शानुसार समस्तीपुर जिला कांग्रेस कमिटी तत्वाधान में मोदी सरकार द्वारा सरकारी जांच एजेंसी का दुरुपयोग करने, श्रीमती सोनिया गांधी एवं राहुल गांधी को परेशान करने, नेशनल हेराल्ड की सारी संपत्तियों को जब्त करने के विरुद्ध एक जुलूस समस्तीपुर जिला कांग्रेस कमिटी कार्यालय से निकलकर विभिन्न मार्गो से होते हुए पंजाब नेशनल बैंक के समीप पहुंचकर प्रदर्शन किया तथा एक सभा में तब्दील हो गया। सभा की अध्यक्षता जिला कांग्रेस कमिटी के महासचिव मुकेश कुमार चौधरी ने किया। अपने अध्यक्षीय भाषण में श्री चौधरी ने कहा कि भाजपा नित मोदी सरकार द्वारा एक सुनियोजित राजनैतिक षड्यंत्र के तहत संवैधानिक संस्थाओं का दुरुपयोग कर सोनिया गांधी एवं राहुल गांधी को परेशान करने की कोशिश है। इस समय जब राहुल एवं कांग्रेस पार्टी जन सरोकार के मुद्दे को मुखरता से उठा रही है, ईडी द्वारा नेशनल हेराल्ड के मुद्दे पर चार्जशीट दाखिल करना पूरी तरह से राजनीति से प्रेरित है। समस्तीपुर जिला कांग्रेस कमिटी संवैधानिक संस्थानों के दुरुपयोग की कठोर शब्दों में निंदा करती है तथा देश के प्रधानमंत्री को यह चेतावनी देना चाहती है की संवैधानिक संस्थाओं के कार्यों में अनावश्यक रूप से हस्तक्षेप बंद करें क्योंकि देश की जनता इस कुकृत्य का समुचित जवाब देगी। इस अवसर पर बोलते हुए मुख्य अखिल भारतीय कांग्रेस कमिटी के जिला प्रभारी नरेश भारद्वाज ने कहा कि नेशनल हेराल्ड मामले में भाजपा जिस राजनीतिक प्रतिशोध की भावना से काम कर रही है, वह घोर निंदनीय है। ये पूरी तरह से फर्जी मामला है, जिसके दम पर विपक्ष को डराने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि भाजपा लाख कोशिश कर ले, कितनी भी जांच एजेंसियों का इस्तेमाल करे, कांग्रेस पार्टी न डरेगी - न - झुकेगी। सभा को महिला कांग्रेस की जिला अध्यक्ष देविता कुमारी गुप्ता, प्रखंड अध्यक्ष अब्दुल मलिक, आशुतोष कुमार, एससी विभाग के जिला अध्यक्ष कामेश्वर पासवान, एनएसयूआई के जिला उपाध्यक्ष राजन कुमार वर्मा, ओबीसी विभाग के जिला अध्यक्ष अनिल कुमार कुशवाहा, उजियारपुर प्रखंड उपाध्यक्ष चंदन कुमार, सोहैल सिद्दीकी, कामिनी देवी राम, वीरेंद्र राय यादव, रघुनंदन पासवान, जितेंद्र कुमार, संतोष कुमार भारती, आदित्य धनराज, प्रशांत कुमार, प्रमोद कुमार, दिलदार आलम, विकाश कुमार मिश्र आदि लोगों ने संबोधित किया।

17 वर्षीय लड़की तीन माह बाद पहुंची थाना

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर।जिले के वारिसनगर ब्लॉक के अंतर्गत मथुरापुर थाना क्षेत्र के नागरबस्ती गांव से 17 वर्षीय लड़की तीन माह बाद थाना पहुंची।इस सिलसिले में लड़की की मां ने थाना में एक प्राथमिकी दर्ज कराई थी, जो कही है कि उसकी बेटी 26 दिसंबर को घर से कॉलेज जाने के लिए निकली थी जो घर वापस नही आने पर खोजबीन की मगर नही मिली, इसके बाद लड़की ने अपने परिजन को एक मैसेज भी भेजी थी कि मुझें मत खोजना मुझें शादी नहीं करना है इसलिए घर से निकली हूँ।हालांकि थाना के एसआई सुप्रिया आर्या मामले की छानबीन करते हुए मोबाईल नंबर से मैसेज आया उसके आधार पर अपने स्तर से तहकीकात में जुट गई है।इसके बाद बुधवार को उक्त लड़की थाना पहुंची जिससे गहन पूछताछ की जा रही है।

पुलिस ने किया लावारिस हालत में स्कूटी बरामद

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर।जिले के वारिसनगर थाना क्षेत्र के मोहिउद्दीनपुर चौर से पुलिस ने लावारिस हालत में एक स्कूटी बरामद किया है।इस बाबत थानाध्यक्ष निरंजन कुमार ने बताया की सूचना मिली की उक्त स्थल पर लावारिस हालत में एक स्कूटी खड़ी है।सूचना मिलते ही उक्त स्थल पर पहुंचकर स्कूटी को जप्त कर आसपास के लोगों से पूछताछ की गई तो किसी ने भी पहचान नही किया।पुलिस के द्वारा स्कूटी को जप्त कर थाना लाया गया है।वही इंजन, चेसिस नंबर को एमभीआई में भेज वाहन मालिक का पता लगाया जा रहा है।

आयोग यह सुनिश्चित करेगा कि किसी भी बच्चे के साथ किसी भी स्तर पर कोई अन्याय नहीं हो - डॉ. अमरदीप

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

आज दिनांक-16.04.2025 को बिहार बाल अधिकार संरक्षण आयोग के माननीय अध?यक्ष डॉ. अमरदीप एवं माननीय सदस?यगण - डॉ. हुलेश मांझी, श्रीमती शीला पंडित, डॉ. सुग्रीव दास एवं श्री राकेश कुमार सिंह - की पीठ द्वारा बच्चों के अधिकार एवं संरक्षण से जुड़े मामलों की सुनवाई शुरू की गई।आज कुल तीन मामलों की सुनवाई हुई जिनमें एक आर०टी०ई० और एक जे०जे० एक?ट से जुड़ा मामला है।सुनवाई के उपरांत दो मामलों का निष?पादन भी कर दिया गया।वहीं एक अन?य मामले में आगे की तारीख दी गई।इस मौके पर अध?यक्ष डॉ. अमरदीप ने कहा कि आयोग बच्चों की बेहतरी के लिए अपने दायित्व को लेकर गंभीर है। आज से हमलोगों ने सुनवाई की शुरूआत कर दी है। अब ये सिलसिला अबाध गति से जारी रहेगा। आयोग में जो न्यायिक शक्तियां निहित हैं उनका उपयोग कर आयोग यह सुनिश्चित करेगा कि किसी भी बच्चे के साथ किसी भी स्तर पर कोई अन्याय नहीं हो।ध्यातव्य है कि आज की सुनवाई में माननीय अध?यक्ष एवं सदस?यगण के साथ-साथ सचिव श्री कौशल किशोर, आईएएस एवं विधि परामर्शी श्री अजय कुमार उपस्थित रहे।

खबर प्रकाशन के बाद उमावि गौरा पहुंचे बीईओ

जिला संवाददाता
साहिल अंसारी
रोजनामा इंडो गल्फ

तेघड़ा / बेगुसरायःतेघड़ा प्रखंड की गौरा दो पंचायत स्थित उच्च माध्यमिक विद्यालय, मुसहरी का निरीक्षण मंगलवार को बीईओ ने किया। 10 मार्च 2025 को जागरण में हाल स्कूलों का, अभियान के तहत विद्यालय की व्यवस्था पर खबर छपी थी।विद्यालय परिसर पहुंचने के बाद विद्यालय की स्थिति देखकर वे हतप्रभरह गए। उन्होंने शिक्षा समिति की सचिव पूजा कुमारी एवं अध्यक्ष दिनेश राय, प्रधानाध्यापक कफील अख्तर सहित सभी शिक्षकों के साथ बैठक की। बैठक में विद्यालय का समुचित पठन-पाठन सहित मध्याह्न भोजन का संचालन सुचारू रूप से कैसे चले, इस मामले पर सभी से जानकारी प्राप्त की। उन्होंने बताया कि उच्च माध्यमिक विद्यालय, मुसहरी में कुल 1020 छात्र मात्र आठ कमरे में पढ़ाई कर रहे हैं।इसमें वर्ग एक से आठ तक 654 छात्र हैं।वहीं वर्ग नौ से 12 तक 366 छात्र हैं।विद्यालय में कुल 31 शिक्षक हैं।इसमें वर्ग एक से आठ

छात्र-छात्राओं की संख्या अधिक होने के चलते दो शिफ्ट में विद्यालय का होगा संचालन 10 मार्च को दैनिक जागरण में हाल स्कूलों का अभियान की खबर को देख निरीक्षण करने पहुंचे बीईओ

उमावि. गौरा में तीन शिफ्ट में चलता है एमडीएम

10 मार्च को प्रकाशित खबरएवं एमडीएम दो शिफ्ट में कराया जाएगा। इसमें संबंधित वर्ग के शिक्षक-शिक्षिकाएं बच्चों को एमडीएम कराने में सहयोग करेंगे। जरूरत पड़ने पर नौवीं से 12वीं तक के शिक्षक शिक्षिकाएं भी वर्ग संचालन एवं विद्यालय आधारित गतिविधियों में सहयोग देंगे।वहीं वर्ग नौवीं से 12वीं के शिक्षक शिक्षिका निर्धारित वर्ग तालिका के समय अपना वर्ग संचालन को प्राथमिकता देंगे।बीईओ ने कहा कि विद्यालय को दो शिफ्ट में चलाने का आदेश पत्र डीईओ से पत्र के माध्यम से भेजेंगे।आदेश मिलने के तुरंत बाद ही विद्यालय का संचालन दो शिफ्ट में करना सुनिश्चित करेंगे।

राज्य सरकार की कृषि नीति को मजबूती, विजय सिन्हा

मोहम्मद सदरे आलम नौमानी

सीतामढ़ी : उप मुख्यमंत्री-सह-कृषि मंत्री विजय कुमार सिन्हा जी ने सीतामढ़ी जिले के मुरादपुर में 1 टन प्रति घंटा क्षमता वाले बीज प्रसंस्करण इकाई तथा 500 मीट्रिक टन क्षमता वाले गोदाम का उद्घाटन किया। इस अवसर पर कला, संस्कृति एवं युवा विभाग के माननीय मंत्री श्री मोतीलाल प्रसाद विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। वहीं सीतामढ़ी नगर के माननीय विधायक मिथिलेश कुमार की गरिमामयी उपस्थिति रही। उक्त अवसर पर जिलाधिकारी सीतामढ़ी रिची पांडे भी उपस्थित थे।इस कार्यक्रम की अध्यक्षता कृषि विभाग के सचिव श्री संजय कुमार अग्रवाल ने की।उप मुख्यमंत्री ने कहा कि यह उद्घाटन राज्य सरकार की उस नीति के अंतर्गत किया गया है जिसके तहत किसानों को गुणवत्तायुक्त बीज राज्य के भीतर ही उपलब्ध कराने एवं

प्रसंस्करण की आधारभूत संरचना को मजबूत करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इस परियोजना के माध्यम से सीतामढ़ी जिले में 300 हेक्टेयर क्षेत्रफल में खेती करने वाले 407 किसानों को 300 क्विंटल गेहूं का आधार बीज उपलब्ध कराया गया है। इससे अनुमानित 10,500 क्विंटल प्रमाणित गेहूं बीज का उत्पादन किया जाएगा, जिसका भंडारण और प्रसंस्करण अब जिले में ही संभव होगा। इससे न केवल किसानों को समय पर बीज उपलब्ध हो सकेगा, बल्कि बीज की गुणवत्ता भी सुनिश्चित की जा सकेगी। सिन्हा ने कहा कि सरकार की प्राथमिकता है कि किसान सशक्त हों, उन्हें आधुनिक सुविधाएं मिले और कृषि उत्पादन के हर स्तर पर स्थानीय संसाधनों का उपयोग हो। सीतामढ़ी में स्थापित यह प्रसंस्करण इकाई और गोदाम इसी दिशा में एक प्रभावशाली प्रयास है, जो न केवल जिले के किसानों को लाभान्वित करेगा, बल्कि क्षेत्रीय कृषि अर्थव्यवस्था को भी मजबूती देगा। यह राज्य सरकार की कृषि क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम है। यह पहल राज्य सरकार की हर खेत तक गुणवत्तायुक्त बीज की परिकल्पना को साकार करने में सहायक सिद्ध होगी और आने वाले वर्षों में अन्य जिलों के लिए भी प्रेरणा बनेगी। कार्यक्रम में उपस्थित किसानों को माननीय मंत्री जी के द्वारा 80% अनुदानित दर पर मूंग एवं उड़द फसलों के बीज का वितरण किया गया

शादी समारोह में हुआ हर्ष फायरिंग, एक युवक घायल, मची अफरा तफरी

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। जिले के कल्याणपुर थाना क्षेत्र के परतापुर में हर्ष फायरिंग में एक युवक को लगी गोली। स्थानीय लोगों के सहयोग से घायल युवक को शहर के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है जहां उसकी हालत गंभीर बनी हुई है। घायल युवक की पहचान गोरख साह का पुत्र रोहित कुमार साह के रूप में हुई है। मिली जानकारी के अनुसार परतापुर में एक शादी समारोह को लेकर गाजे बाजे के साथ लोग ब्रह्म काली पूजा करने जा रहे थे, इसी क्रम में किसी ने हर्ष फायरिंग कर दी गोली आसमान की ओर नहीं जाकर युवक रोहित कुमार साह को लग गई। गोली लगते ही शादी समारोह में अफरा तफरी मच गई और लोगों ने घायल

युवक को उपचार के लिए समस्तीपुर शहर के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां उसकी हालत नाजुक बनी हुई है। बताया जाता है कि इन दिनों लोगों ने फैशन बना लिया है और डीजे बाजा के साथ डांस करते हैं उससे भी मन नहीं भरता है तो बंदूक से या रिवॉल्वर से गोली चलाते हैं जिससे कोई न कोई घटना घटित हो जाती है। बहरहाल गोली किसने चलाया और क्यों चलाया यह जांच का विषय है।

बिहार के प्राथमिक शिक्षक आज से भारत सरकार द्वारा स्किल प्रोग्राम में नामांकन कर सकेंगे: शमायल अहमद

वरिष्ठसंवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
शकील हैदर,

भारत सरकार के स्किल मंत्रालय के तहत NCVET द्वारा अनुमोदित प्राथमिक शिक्षक स्किलिंग प्रोग्राम में नामांकन लेने हेतु पोर्टल का उद्घाटन प्राइवेट स्कूल्स एंड चिल्ड्रेन वेलफेयर एसोसिएशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष शमायल अहमद ने आज होटल चाणक्य के नालंदा हॉल में किया।शमायल अहमद ने कहा कि बिहार पहला राज्य है जिसके प्राथमिक शिक्षक आज से ही पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन नामांकन कर खुद को पंजीकृत कर सकेंगे।

उन्होंने बताया के नई शिक्षा नीति के अंतर्गत भारत सरकार के स्किल ट्रेनिंग के माध्यम से बच्चों को शिक्षित करने के लिए शिक्षकों को ट्रेनिंग दी जाएगी और एक विकसित और विकासशील देश का निर्माण किया जाएगा। सभी प्री स्कूल के शिक्षकों के यह ट्रेनिंग करने से छात्रों को गुणवत्तापुर शिक्षा मिल सकेगी जिससे उनका फाउंडेशन मजबूत होगा।

उन्होंने बताया के यह ऑनलाइन ट्रेनिंग मात्र 30 घंटों की होगी जिसकी फीस प्राइवेट स्कूल्स एंड चिल्ड्रेन वेलफेयर एसोसिएशन के आग्रह पर मात्र 8000 रुपए ही लगेगी और भुगतान MEPSC के पोर्टल पर नामांकन करते समय ही करना होगा।

उप मुख्यमंत्री ने कृषि क्षेत्र में किसानों से संवाद किया

मोहम्मद सदरे आलम नौमानी

सीतामढ़ीः उप मुख्यमंत्री के द्वारा किसान कल्याण संवाद एवं युवा किसान सम्मान यात्रा का उद्घाटन मां सीता की प्राकट्य स्थल पुनौरा धाम से किया गया। किसान कल्याण संवाद यात्रा एवं युवा किसान सम्मान यात्रा राज्य के किसानों को एक नई दिशा देने का प्रयास।उप मुख्यमंत्री- सह-कृषि मंत्री विजय कुमार सिन्हा द्वारा सीतामढ़ी जिले के पुनौरा धाम में आयोजित किसान कल्याण संवाद कार्यक्रम में किसानों के साथ संवाद किया गया। इस अवसर पर उन्होंने किसानों से सीधा संवाद कर उनकी वर्तमान स्थिति और कृषि कार्यों में आने वाली चुनौतियों की जानकारी ली। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में सीतामढ़ी के सांसद देवेश चंद्र ठाकुर, कला, संस्कृति एवं युवा विभाग के मंत्री मोतीलाल प्रसाद तथा विधानसभा के माननीय सदस्यगण उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता कृषि विभाग के सचिव श्री संजय कुमार अग्रवाल ने

की।माननीय उप मुख्यमंत्री ने बताया कि किसान कल्याण यात्रा की शुरूआत पुनौरा धाम से करना इस कारण उपयुक्त है क्योंकि यह वही स्थान है जहाँ आदि-कृषक विदेहराज जनक ने हल चलाकर कृषि परंपरा की नींव रखी थी और जहाँ से माँ सीता का प्रादुर्भाव हुआ था।

कार्यक्रम के दौरान उप मुख्यमंत्री ने विभिन्न किसानों से संवाद किया। राम लाल महतो स्ट्रॉबेरी और सब्जी की खेती करते हैं, पुष्प कुमारी और ममता कुमारी मशरूम उत्पादन में संलग्न हैं, नन्दलाल महतो फूलों की खेती कर रहे हैं जबकि राम शंकर शाह कस्टम हायरिंग सेंटर चला रहे हैं। संवाद के दौरान किसानों की समस्याओं और नवाचारों को समझते हुए उन्होंने किसानों को हर संभव सहयोग का आश्वासन दिया मंत्री ने कहा कि राज्य सरकार किसानों की आय बढ़ाने और कृषि को लाभकारी बनाने के लिए सतत प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि भारत की लगभग 46 प्रतिशत आबादी और बिहार की 88 प्रतिशत ग्रामीण जनसंख्या कृषि पर निर्भर है। फसल विविधीकरण से उत्पादन, उत्पादकता और किसानों की आय बढ़ेगी तथा किसान सशक्त बनेंगे। ह्यप्रधानमंत्री धन-धान्य योजनाह्न के तहत 100 आकांक्षी जिलों में सतत कृषि को बढ़ावा दिया जा रहा है, जिससे लगभग 1.70 करोड़ किसानों को लाभ होगा। बिहार को विशेष लाभ देते हुए केंद्र सरकार ने ह्यमखाना बोर्डह्न का गठन किया है, जिससे मिथिला क्षेत्र के एक करोड़ से अधिक किसानों के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन आएगा।

श्री सिन्हा ने कहा कि बजट 2024-25 में 32 फसलों और बागवानी कृषि से संबंधित 109 उच्च उत्पादकता व जलवायु अनुकूल किस्मों को रिलीज किया गया है। फूलों की खेती को 100 प्रतिशत निर्यात नीति के तहत बढ़ावा दिया जा रहा है। जैविक खेती के लिए कॉरिडोर आधारित परियोजना राज्य के 13 जिलों में लागू की गई है, जिससे टिकाऊ खेती, मिट्टी की गुणवत्ता सुधार और रोजगार के नए अवसर उत्पन्न होंगे। बिहार देश का 85 प्रतिशत और विश्व का 60 प्रतिशत मखाना उत्पादन करता है। मखाना बोर्ड से 50 हजार किसान परिवारों को प्रत्यक्ष लाभ मिलेगा।

संदिग्ध हालत में युवक की मौत

कल्याणपुर थाना क्षेत्र के सिमरिया भिंडी पंचायत के वार्ड संख्या 7 सिमरिया भिंडी गांव के रामनरायण सहनी उर्फ नगरा का 35 वर्षीय पुत्र शम्भू सहनी की मौत बुधवार की दोपहर घर पर हो गई है।

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। जिले के कल्याणपुर थाना क्षेत्र के सिमरिया भिंडी पंचायत के वार्ड संख्या 7 सिमरिया भिंडी गांव के रामनरायण सहनी उर्फ नगरा का 35 वर्षीय पुत्र शम्भू सहनी की मौत बुधवार की दोपहर घर पर हो गई है। ग्रामीणों का बताना है कि कुछ दिनों से युवक के घर में किसी बात को लेकर विवाद चल रहा था। मौत के कारणों के बारे में लोग विवाद से ही जोड़ कर देख रहे हैं। मौत के बाद ही परिजनों ने उसका अंतिम संस्कार कर दिया। इस संबंध में थाना अध्यक्ष राकेश कुमार शर्मा ने बताया कि सूचना नही मिली है। उन्होंने बताया कि मृतक के परिजनों के द्वारा आवेदन देने पर अग्रतर कार्रवाई की जाएगी।

चालीस दिनों के बाद लगी भवन निर्माण पर रोक लगा पीड़िता को मिली राहत

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

तेघड़ा बेगुसरायःबताते चलें कि 23 फरवरी 2025 को मासोमात विमला देवी व संतोष कुमार को पता चला कि उन लोगों की निजी जमीन पर अवैध रूप से उर्दू उत्क्रमित विद्यालय फुलवरिया 3 मिल्लत नगर के कमरे का निर्माण किया जा रहा है।

उस समय मासोंमात विमला देवी कोलकाता स्थित अपने पुत्र के पास रहकर अपना इलाज करवा रही थी इसका फायदा उठा कर विद्यालय के प्रधान शिक्षक जावेद इकबाल एवं उनके सहयोगी शिक्षक मास्टर वशी अहमद बिना भूमिदाता की अनुमति के अवैध रूप से आनन फानन में विद्यालय के कमरे का निर्माण थमाली तक कर लिया जब इसकी जानकारी विमला देवी व संतोष कुमार को मिली तब उन्होंने सामाजिक तौर पर शिक्षक व सहयोगी शिक्षक एवं ठेकेदार और ग्रामीणों के संघ विद्यालय के प्रांगण में बैठक कर निवेदन पूर्वक कार्य को रोकने का अनुरोध किया और कहा हमारे पूर्वजों ने स्कूल के कमरे के

लिए राजपाल के नाम से एक कट्ठा जमीन दिनांक 12 मार्च 2007 को दानपत्र लिखे जिस पर पूर्व में ही दक्षिण दिशा की ओर 47 * 30 पर विद्यालय का निर्माण किया जा चुका है और विद्यालय का दखल कब्जा है एवं पूरब दिशा की ओर से विद्यालय जाने के लिए रास्ता है जिसमें लोहे का गेट लगा हुआ है परंतु वर्तमान में यह भवन का निर्माण किया जा रहा है वह 10 धुर निजी जमीन पर हो रही है जो बिल्कुल अवैध है आपसी और सामाजिक बात विफल होने के कारण मजबूरन विमला देवी के द्वारा 27 फरवरी 2025 को एस डी एम कोर्ट तेघड़ा में लिखित आवेदन देकर विद्यालय में चल रही अवैध निर्माण कार्य पर रोक लगाने को अनुरोध किया गया था तकरीबन 40 दिनों तक दौर धूप करने के बाद आज दिनांक 16 अप्रैल 2025 को विमला देवी को अंचल अधिकारी तेघड़ा के द्वारा भवन निर्माण कार्य पर रोक लगा कर राहत दी गई एवं दोनों पक्षों को अंचल कार्यालय आकर अपना अपना दिखने को कागजात दिखाने का निर्देश मिला

15 अगस्त को पटना मेट्रो दौड़ाने की तैयारी, पीएम मोदी कर सकते हैं

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

पटनावासियों का मेट्रो में सफर करने का इंतजार खत्म होने वाला है। नीतीश सरकार 15 अगस्त से पटना मेट्रो की सेवा शुरू कर सकती है। जिसका उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से कराने की उम्मीद जताई जा रही है। दिल्ली मेट्रो रेल कॉरपोरेशन (डीएमआरसी) अगस्त के मध्य तक पटना मेट्रो रेल को चालू करने के लिए प्रयासरत है। मुख्य सचिव अमृत लाल मीना ने कहा कि 15 अगस्त तक उत्तर-दक्षिण कॉरिडोर के मलाही पकरी और आईएसबीटी सेक्शन पर मेट्रो रेल चलाने के प्रयास जारी हैं। योजना के मुताबिक चीजें ठीक चल रही हैं और राज्य सरकार अपना पूरा सहयोग दे रही है।शुरूआत में मेट्रो रेल में तीन रेक होंगे, जिनमें करीब 150 यात्री बैठ सकेंगे। अगले कुछ महीनों में रेक की पहली खेप आने की संभावना है। मेट्रो रेल अधिकतम छह कोचों के साथ चलेगी और यात्रियों की मांग के आधार पर मेट्रो रेल की बैठने की क्षमता बाद में बढ़ाई जाएगी। अधिकारियों ने बताया कि एक यात्रा के लिए 10 से 60 रुपये के बीच किराया प्रस्तावित किया है। सभी कोच वातानुकूलित होंगे, सीसीटीवी कैमरे, वाईफाई कनेक्शन और मोबाइल चार्जिंग सॉकेट से लैस होंगे। स्टेशनों पर कैफेटेरिया और शॉपिंग एरिया होंगे। बिहार के मुख्य सचिव की अध्यक्षता में अंतिम किराया तय किया जाएगा।मलाही पकरी-आईएसबीटी (अंतर-राज्यीय बस टर्मिनल) 14.45 किमी लंबे उत्तर-दक्षिण कॉरिडोर का हिस्सा है। शुरूआत दौर में मेट्रो रेल 6.63 किमी के एलिवेटेड हिस्से पर चलेगी, जिसमें पांच स्टेशन मलाही पकरी, खेमीचक भूतनाथ, जीरो माइल और आईएसबीटी शामिल होंगे। हालांकि, महाली पकरी से पटना विश्वविद्यालय की ओर दो और स्टेशनों को जोड़ने के लिए ट्रैक बिछाए गए हैं,

तेजस्वी पर विवादित बयान देने वाले कांग्रेस नेता पर एक्शन; पार्टी ने जारी किया नोटिस

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

तेजस्वी पर विवादित बयान देने वाले कांग्रेस नेता पर एक्शन; पार्टी ने जारी किया नोटिस; पर्यवेक्षक पद भी छीना कांग्रेस लीगल सेल के उपाध्यक्ष यशवंत कुमार द्वारा मीडिया में राजद नेता तेजस्वी यादव को लेकर दिए विवादित बयान पर प्रदेश कांग्रेस नेतृत्व ने कार्रवाई की है। बिहार कांग्रेस के मीडिया विभाग के चेयरमैन राजेश राठौड़ ने बताया कि पार्टी ने उनके बयान को गंभीरता से लेते हुए कार्रवाई की है। उन्हें गोपालगंज में पार्टी की भीम शक्ति संवाद के लिए पर्यवेक्षक पद से हटा दिया गया। बयान के लिए उन्हें कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है।इसके पहले सोमवार को उन्होंने मीडिया में बयान दिया था कि तेजस्वी यादव को भ्रष्टाचार और जंगलराज के मामले में एनडीए निशाना बनाएगी। इसलिए महागठबंन की ओर से आगामी विधानसभा चुनाव के लिए कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष राजेश कुमार को चेहरा बनाया जाना चाहिए। तेजस्वी यादव को कृष्ण की भूमिका निभाते हुए रथ पर अर्जुन की भूमिका राजेश कुमार को देना चाहिए।

आपको बता दें नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी प्रसाद यादव मंगलवार को नई दिल्ली में कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे से मुलाकात करेंगे। बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर यह उनकी पहली औपचारिक मुलाकात होगी। राजद सांसद प्रो. मनोज झा ने सोमवार को बताया कि दोनों नेताओं की बैठक खरगे के आवास पर होगी। इस मुलाकात के दौरान बिहार विधानसभा चुनाव में सीटों के बंटवारे समेत अन्य पहलुओं पर बातचीत होगी।वहीं बिहार में 17 अप्रैल को महागठबंधन की बैठक होनी है।

एससी-एसटी टोलों में लगेंगे विकास शिविर, योजनाओं का तुरंत लाभ; नीतीश ने आंबेडकर समग्र सेवा का किया शुभारंभ

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

बिहार के 60 हजार से अधिक अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति टोलों में विशेष विकास शिविर लगेंगे। सरकार की 22 से अधिक योजनाओं का लाभ मौके पर ही लाभार्थियों को दिलाया जाएगा। इसके लिए मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने सोमवार को ह्यडॉ. अम्बेडकर समग्र सेवा अभियान' का शुभारंभ किया।प्रत्येक प्रखंड की आधी पंचायतों के एक-एक टोले में बुधवार एवं शेष पंचायतों के हर टोले में शनिवार को शिविर लगेंगे। यह चक्र तब तक जारी रहेगा जब-तक अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति टोलों को सभी योजनाओं के लाभ से आच्छादित नहीं कर लिया जाए।प्रथम शिविर 14 अप्रैल को ही

सभी जिलों के एक-एक टोले में जिला पदाधिकारियों के नेतृत्व में लगाया गया। प्रखंड स्तर पर बीडीओ तथा जिला स्तर पर उप विकास आयुक्त की देख-रेख में इस कार्यक्रम का क्रियान्वयन होगा। मुख्यमंत्री ने अधिवेशन भवन में बाबा साहब डॉ. भीमराव आंबेडकर की जयंती पर अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति कल्याण विभाग की विभिन्न योजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास भी किया।मुख्यमंत्री ने अनुसूचित जति एवं अनुसूचित जनजाति सिविल सेवा प्रोत्साहन योजना के 600 लाभुकों को एकमुश्त राशि का भुगतान किया गया। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने डॉ आंबेडर समग्र सेवा अभियान जन जागरूकता रथ को हरी झंडी दिखाकर सभी 38 जिलों के लिए रवाना किया।

एनीडए को मिलेगा पूर्ण बहुमतः डिप्टी सीएम

खत्म हो जाएगी भ्रष्टाचार-परिवारवाद की राजनीति

मधुबनी। जिले के झंझारपुर में 24 अप्रैल को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बड़ी सौगात देने आ रहे हैं। इसको लेकर मंगलवार को सुपौल जिला मुख्यालय स्थित एक रिजॉर्ट में एनडीए कार्यकताओं की बैठक आयोजित हुई। बैठक में शामिल हुए सूबे के डिप्टी सीएम विजय कुमार सिन्हा ने कार्यकताओं से अधिक से अधिक संख्या में भागीदारी सुनिश्चित करने की अपील की। वही सरकार की उपलब्धियां गिनाने के साथ ही विपक्ष पर जम कर हमला बोला। उन्होंने कहा कि जाति और वर्ग के नाम पर भ्रष्टाचार और परिवारवाद की राजनीति ने बिहार को काफी पीछे धकेल दिया। हालांकि, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और सीएम नीतीश कुमार के नेतृत्व में बिहार अब विकास के साथ पर आगे बढ़ चुका है।विजय सिन्हा ने कहा कि कुछ बीमारियां महामारी

का रूप धारण कर चुकी थी, जिसे हमने हटाया। कुछ छिटपुट बीमारी बची हुई है। जब बिहार में हमें बड़ी ताकत मिलेगी, उसे भी खत्म कर देंगे। जो लोग ऐसी बीमारी को फैलाने में सहयोग करते हैं, उन पर रोक लगाने का सही समय आ गया है। डिप्टी सीएम ने कहा कि परिवारवाद को बचाने के लिए आम लोगों के पीछे छिपने वालों को किनारे लगाने की जरूरत है। समाज का जो वर्ग हमसे दूर है, उसे भी जोड़ कर एनडीए को मजबूत करना है। आगामी चुनाव में एनडीए पूर्ण बहुमत प्राप्त करेगा। लेकिन हमें दो तिहाई बहुमत प्राप्त करना है। क्योंकि सरकार जितनी मजबूत होगी, विकास भी उतना ही तेज होगा। डिप्टी सीएम ने कहा कि मंत्री नीरज कुमार सिंह बबलू ने अभी कोसी के इलाके में मिट्टी खनन को अनुमति देने की मांग की है। हालांकि मैंने पहले ही सूबे के सभी डीएम को खेत से निजी उपयोग के लिए मिट्टी खनन करने पर रोकटोक नहीं करने का निर्देश दिया है। इसके लिए कोई टैक्स नहीं देना है और किसी अनुमति की भी आवश्यकता

नहीं है। हालांकि व्यावसायिक उपयोग होने पर टैक्स देना होगा। कोसी के इलाके की स्थिति थोड़ी अलग है। इस पर जिलाधिकारी से विशेष चर्चा कर अंतिम निर्णय लिया जाएगा। इससे पूर्व सूबे के पीएचईडी मंत्री सह छातापुर विधायक नीरज कुमार सिंह बबलू ने कोसी-मेची लिंक परियोजना सहित सरकार की अन्य योजनाओं का जिक्र किया। कहा कि 7500 करोड़ की नदी जोड़ो परियोजना से बिहार का बड़ा इलाका बाढ़ की समस्या से निजात पाएगा। उन्होंने डिप्टी सीएम से कोसी तटबंध के इलाके में मिट्टी खनन को छूट देने की अपील की। कहा कि गाद के रूप में जमा यह मिट्टी बाढ़ की समस्या को भी गंभीर करती जा रही है। नदी के बीच बालू नहीं है। इस रेतीली मिट्टी पर खेती भी मुश्किल है। ऐसे में अगर खनन को छूट मिलती है तो गाद की समस्या से भी कुछ हद तक निजात मिलेगी। उन्होंने विशेष तौर पर सुपौल जिले के विकास के लिए ऊर्जा मंत्री विजेंद्र प्रसाद यादव के प्रयासों की सराहना की। इधर, जदयू प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा ने कहा कि बिहार में डबल इंजन की सरकार विकास के लिए प्रतिबद्ध है। प्रधानमंत्री के दौरे में बिहार और विशेष तौर पर कोसी के इलाके को कई सौगात मिलने की उम्मीद है। उन्होंने पीएम की सभा में अधिक से अधिक संख्या में भागीदारी सुनिश्चित करने अपील की। कहा कि 2025 का विधानसभा चुनाव नजदीक है, ऐसे में बूथ स्तर तक एनडीए की एकजुटता जरूरी है। कार्यक्रम को सांसद दिलेश्वर कामत, विधायक अनिरुद्ध यादव, रामविलास कामत, विधान परिषद के पूर्व कार्यकारी अध्यक्ष हारुण रशीद, एनडीए जिला संयोजक नागेंद्र नारायण ठाकुर, भाजपा जिलाध्यक्ष नरेंद्र ऋषिदेव, जदयू जिलाध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद यादव, संतोष प्रधान, विजय शंकर चौधरी आदि ने भी संबोधित किया।

बात का बना बतंगड़, फिर शुरू हुई मारपीट, 3 घायल

मोतिहारी । चांदमारी मुहल्ले में मंगलवार देर रात दो गुटों के बीच हुई आपसी झड़प में तीन युवक घायल हो गए। घटना की सूचना मिलते ही डायल 112 की पुलिस टीम मौके पर पहुंची। इसके बाद घायलों को सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया। घायलों में से एक गोलू (20) ने बताया कि वह कोर्ट से लौटकर मंगलवार रात करीब 10 बजे घर में आराम कर रहा था। इसी बीच किसी अनजान नंबर से फोन आया और उसे बाहर बुलाया गया। बाहर निकलते ही कुछ युवकों ने उस पर हमला कर दिया। गोलू का आरोप है कि साजिद ने अपने भाई खालिद के साथ मिलकर उसकी पिटाई की। दूसरी ओर, साजिद हुसैन का कहना है कि वह अपने दोस्तों के साथ गोलू के घर के

सामने से गुजर रहे थे, तभी गोलू ने उन्हें तेज आवाज में बात करने पर टोका। जब उन्होंने बात खत्म करने की कोशिश की, तो उन पर हमला कर दिया गया। घटना की गंभीरता को देखते हुए सदर अरढ खुद मौके पर पहुंचे। उन्होंने घटनास्थल का मुआयना किया और अस्पताल में जाकर घायलों से मुलाकात की। पुलिस का कहना है कि फिलहाल चांदमारी मुहल्ले में शांति बनी हुई है, लेकिन तनाव की आशंका को देखते हुए अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया है।

मुजफ्फरपुरः आधा दर्जन सिलेंडर ब्लास्ट

मुजफ्फरपुर। जिले के सदर थाना क्षेत्र अंतर्गत यादव नगर चौराहा में बुधवार सुबह एक भुजा की दुकान में सिलेंडर ब्लास्ट हो गया। जिसके बाद मौके पर अफरा तफरी की स्थिति बन गई। मौके पर स्थानीय लोगो की भीड़ जुट गई। स्थानीय लोगो ने मामले की जानकारी सदर थाना की पुलिस और अग्निशमन विभाग को दी गई। जानकारी मिलने के बाद मौके पर दमकल की कई गाड़ियां मौके पर पहुंची। जहां अग्निशमन टीम के साथ स्थानीय लोग भी आग बुझाने में जुटे रहे। आग की लपेटें इतनी तेज थी कि जिसपक काबू पाने में 2 घंटे का समय लगा। चश्मदीदों के मुताबिक, देखते ही देखते आग ने विकराल रूप ले लिया और एक के बाद एक आधा दर्जन सिलेंडर फट

गए। हादसे में चार से पांच दुकानें जलकर पूरी तरह राख हो गईं। पीड़ित दुकानदार सुरेन्द्र साह, मुंदिर भगत और सुजल राज ने बताया कि वे वर्षों से यहां खाद्य सामग्री की दुकान चला रहे थे। सुबह उन्हें फोन पर सूचना मिली कि उनकी दुकान में आग लग गई है। जब तक वे मौके पर पहुंचे, तब तक उनकी दुकानों का सारा सामान जल चुका था। पीड़ित दुकानदार सुरेन्द्र साह ने बताया कि वो पिछले 15 साल से यहां फास्ट दुकान का दुकान चलाता है। आज सुबह उसे फोन से जानकारी मिली कि दुकानें आग लगा गया है। जिसके बाद वो मौके आपे पहुंच है। दुकान में रखा सभी समान जलकर राख हो गया है। पीड़ित दुकानदार मुंदिर भगत ने बताया कि बीते चार साल से उसका कचरी और नाश्ता का दुकान था। आज उसको फोन से जानकारी मिली कि सिलेंडर ब्लास्ट होने के कारण दुकान ने आग लग गई है। जबतक वो मौके पर पहुंचा, दुकान जलकर राख हो गया है। पीड़ित दुकानदार सुजल राज ने बताया कि पिछले दो साल से उसका समोसा जलेबी का दुकान था। आज सुबह मकान मालिक फोन कर बताए कि सिलेंडर ब्लास्ट होने के आक्रमण दुकान में आग लगा गया है। जबतक वो मौके आपे पहुंच, तब स्थानीय मुखिया भोला राय ने बताया कि सिलेंडर ब्लास्ट होने के कारण आग लग गया। दमकल की तीन गाड़िया मौके पर पहुंची। काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया गया है। अब स्थिति कंट्रोल में है। मौके पर पहुंचे सदर थाना के दारोगा शंभू कुमार ने बताया कि हमलोग को सूचना मिली कि सिलेंडर ब्लास्ट होने के कारण आग लगी है। हमलोग मौके पर पहुंचे। दमकल की गाड़ियों को बुलाया गया। अब आग पर काबू पा लिया गया है।

उपमुख्यमंत्री के निर्देश पर जगे अधिकारी

वैध चालान नहीं देने पर भरने पड़ेंगे 25 गुना जुमार्ना

पटना। सूबे के डिप्टी सीएम विजय कुमार सिन्हा ने मंगलवार को सुपौल के अतिथि गृह में कृषि तथा खनन विभाग से संबंधित समीक्षा बैठक की। बैठक के दौरान सूबे के पीएचईडी मंत्री नीरज कुमार सिंह बबलू, जिलाधिकारी कौशल कुमार, पुलिस अधीक्षक शैशव यादव सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

इस दौरान डिप्टी सीएम ने जिला कृषि पदाधिकारी से फसल क्षति तथा बीज वितरण के संदर्भ में जानकारी ली। साथ ही उन्हें कृषि विभाग के सब्सिडी धारक और कर्मी की बैठक करने तथा टास्क फोर्स की नियमित रूप से बैठक करने का निर्देश दिया।डिप्टी सीएम ने पौधा संरक्षण योजना की भी जानकारी ली तथा जरूरी निर्देश दिए। वही मिट्टी जांच प्रयोगशाला के कार्यों से संबंधित समीक्षा के क्रम में उन्होंने किसानों के बीच जागृति फैलाने को कहा। इसके अलावा उन्होंने उर्वरक के सही खपत का आंकलन कर प्रतिवेदन समर्पित करने के निर्देश दिए। साथ ही उद्यानिक फसल जैसे- आलू, मेंथा, खस, लेमन ग्रास आदि उगाने के लिए किसानों को प्रेरित करने के निर्देश दिए गए।वही खनन विभाग की समीक्षा के दौरान डिप्टी सीएम ने सहायक निदेशक खनन को अवैध खनन और परिवहन पर पूर्ण रोकथाम लगाने के निर्देश दिए। इसके अलावा निर्माण से संबंधित सभी कार्य विभागों को अपने विभाग अंतर्गत संचालित योजनाओं में वैध चालान से ही खनिज आपूर्ति करने का निर्देश दिया गया। उन्होंने स्पष्ट किया कि निर्देश का पालन नहीं होने पर संबंधित संवेदक के विरुद्ध 25 गुना दंड वसूले जाएँ। वही सहायक निदेशक खनन को कार्य विभागों में संवेदक द्वारा इस्तेमाल किए गए लघु खनिज चालान के जांच के निर्देश दिए गए। बैठक में डिप्टी सीएम ने बताया कि साधारण मिट्टी के निजी उपयोग पर कोई रॉयल्टी नहीं वसूली जाएगी। इसका प्रचार प्रसार माइकिंग से करने का निर्देश दिया गया। साथ ही बताया गया कि अगर रैयतों द्वारा मिट्टी की बिक्री अथवा व्यवसाय किया जाता है तो उनसे रॉयल्टी की वसूली की जाएगी। उन्होंने जिला कृषि पदाधिकारी को बाढ़ ग्रसित क्षेत्र जैसे बसंतपुर छातापुर, निर्मली, मरौना, किशनपुर और सुपौल में रैयती भूमि पर बालू, धुस मिट्टी अथवा गाद जमा होने का सर्वे करने का निर्देश दिया। बैठक में अन्य संबंधित विभाग के अधिकारी भी मौजूद रहे।

आंधी-बारिश से क्षतिग्रस्त 500 घरों का मिला आवेदन

नालंदा। गत सप्ताह 10 अप्रैल गुरुवार की शाम नालंदा जिले में आई प्रचंड आंधी-बारिश ने व्यापक तबाही मचाई है। इस प्राकृतिक आपदा में 22 लोगों की दुखद मृत्यु हो गई, जबकि सैकड़ों घरों को गंभीर नुकसान पहुंचा है। जिला प्रशासन ने पीड़ित परिवारों को राहत पहुंचाने के लिए त्वरित कार्रवाई की है। आपदा विभाग द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, जिलेभर से गृह क्षति के एवज में मुआवजा के लिए कुल 500 आवेदन प्राप्त हुए थे। स्थलीय निरीक्षण और जांच के बाद इनमें से 477 आवेदनों को स्वीकृति दी गई है। प्रभावित परिवारों को आपदा राहत के तहत लगभग 29 लाख 79 हजार रुपए का मुआवजा वितरित किया जाएगा। आंधी-पानी में जान गंवाने वाले सभी 22 मृतकों के आश्रितों को 4.24 लाख रुपए प्रति व्यक्ति के हिसाब से मुआवजा राशि पहले ही वितरित की जा चुकी है। प्राकृतिक आपदा का सबसे अधिक प्रकोप

बिहारशरीफ प्रखंड क्षेत्र में देखा गया। इस क्षेत्र से गृह क्षति के लिए सर्वाधिक 264 आवेदन प्राप्त हुए हैं। इस क्षेत्र के प्रभावित लोगों को लगभग 12 लाख रुपए का मुआवजा दिया जाएगा।] घरों के नुकसान के मामले में गिरियक प्रखंड दूसरे स्थान पर है, जहां 84 घरों को तेज आंधी के कारण हानि पहुंची है। इनमें चार पशुशेड और पांच मुर्गी फार्म भी शामिल हैं। गिरियक के प्रभावित निवासियों को करीब तीन लाख 98 हजार रुपए का मुआवजा मिलेगा। रहुई प्रखंड तीसरे स्थान पर है, जहां 58 घरों को आंधी-बारिश से क्षति हुई है। इसी प्रकार नूरसराय में 38 मकानों को तेज हवा से नुकसान पहुंचा है।

संक्षिप्त डायरी

नीतीश सरकार ने स्वास्थ्य विभाग में किया बड़ा फेरबदल

पटना। बिहार विधानसभा चुनाव से पहले नीतीश सरकार ने स्वास्थ्य विभाग में बड़ा फेरबदल किया है। स्वास्थ्य विभाग ने राज्य के 334 डॉक्टरों का ट्रांसफर किया है। इसमें तीन जिलों के सिविल सर्जन समेत 65 चिकित्सा पदाधिकारी भी शामिल हैं। स्वास्थ्य विभाग की ओर से जारी अधिसूचना के अनुसार, डॉ. विनोद कुमार चौधरी को नवादा, डॉ. दीपक कुमार को शिवहर और डॉ. राजकुमार चौधरी को किशनगंज का सिविल सर्जन बनाया गया है। दरभंगा मेडिकल कॉलेज अस्पताल का उपाधीक्षक डॉ. अमित कुमार झा को बनाया गया है। यह स्थानांतरण अगले आदेश तक के लिए किया गया है। डॉ. नीता अग्रवाल, जो पहले नवादा में असैनिक शल्य चिकित्सक-सह-मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी के रूप में कार्यरत थीं, उन्हें अब स्वास्थ्य विभाग, पटना में अपर निदेशक के पद पर स्थानांतरित किया गया है। डॉ. देवदास चौधरी, जो शिवहर में असैनिक शल्य चिकित्सक-सह-मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी थे, अब मुंगेर में क्षेत्रीय उप निदेशक के रूप में अपनी सेवाएं देंगे। डॉ. राजेंद्र चौधरी, अधीक्षक, संक्रामक रोग अस्पताल, अगमकुआं, पटना, को स्वास्थ्य विभाग, पटना में अपर निदेशक बनाया गया है। डॉ. राज कुमार चौधरी, सह प्राध्यापक, ई.एन.टी. विभाग, अनुग्रह नारायण मगध चिकित्सा महाविद्यालय एवं अस्पताल, गया, को किशनगंज में असैनिक शल्य चिकित्सक-सह-मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी के रूप में नियुक्त किया गया है। अधिसूचना में सभी स्थानांतरित चिकित्सकों को निर्देश दिया गया है कि वह अपने नए पदस्थापन स्थान पर तुरंत योगदान करें। सभी संबंधित असैनिक शल्य चिकित्सक-सह-मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी/नियंत्री पदाधिकारी को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया है कि यदि चिकित्सकों का पदस्थापन अतिरेक हो जाता है, तो उन्हें तत्काल मुख्यालय (स्वास्थ्य विभाग) में योगदान करने की व्यवस्था करें।

पीएम की रैली में जिले से 50 हजार एनडीए कार्यकर्ता जाएंगे मधुबनी

मुजफ्फरपुर । 24 अप्रैल को मधुबनी में होनेवाली पीएम नरेंद्र मोदी की सभा में मुजफ्फरपुर से पचास हजार एनडीए कार्यकर्ता जाएंगे। इसके लिए जदयू व भाजपा ने कमर कस ली है। केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय के दौड़े के बाद मंगलवार को जदयू के वरिष्ठ नेता केंद्रीय मंत्री राजीव रंजन उर्फ ललन सिंह व पार्टी के कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष सांसद संजय झा ने गोबरसही स्थित एक होटल में एनडीए कार्यकताओं के साथ बैठक कर उन्हें आमंत्रित किया। अध्यक्षता भाजपा पूर्वी जिलाध्यक्ष विवेक कुमार, संचालन जदयू जिलाध्यक्ष रामबाबू सिंह कुशवाहा व धन्यवाद ज्ञापन भाजपा पश्चिमी जिलाध्यक्ष हरिमोहन चौधरी ने किया। मुख्य अतिथि ललन सिंह ने कहा कि सबका साथ-सबका विकास पीएम का मूलमंत्र है। प्रदेश के मुखिया नीतीश कुमार न्याय के साथ विकास पथ पर आगे बढ़ रहे है। संजय झा ने कहा कि आजादी के बाद पहली बार बेहतरीन समन्वय के साथ राज्य व केंद्र सरकार बिहार के विकास के लिए दृढ़ संकल्पित है। वर्ष 2029 तक बिहार में विकास की गति तेज रहेगी। डबल इंजन सरकार का भरपूर फायदा मुजफ्फरपुर से 11 विधानसभा क्षेत्र को मिल रहा है। विरोधी के हाथ में एक भी सीट नहीं लगानी चाहिए। मौके पर मंत्री केदार प्रसाद गुप्ता, राजू कुमार सिंह, संगठन संयोजक चंदन सिंह, सांसद देवेश चंद्र ठाकुर, एलएलसी दिनेश प्रसाद सिंह, विधायक अशोक सिंह, अरुण सिंह, अशोक चौधरी, अभिषेक झा, पूर्व मंत्री सुरेश शर्मा, अजीत कुमार, महेश्वर यादव, रॉबिन सिंह, शैलेश शैलू, मनोज कुशवाहा, शिशिर नीरज व अनीश कुमार आदि थे।

राणा सांगा पर दिए गए विवादित बयान पर राजपूत समाज ने जताया आक्रोश

बक्सर। राणा सांगा पर दिए गए विवादित बयान पर जिला राजपूत समाज ने मंगलवार को शहर के गोलंबर से आक्रोश मार्च निकाला। आक्रोश मार्च यमुना चौक, सत्यदेवगंज होते हुए वीर कुंवर सिंह चौक पर पहुंच संपन्न हुआ। राजपूत समाज के लोगों ने उनकी आदमकद प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। आक्रोश मार्च का नेतृत्व जोगेंद्र सिंह एवं संचालन कृष्णा सिंह ने किया। वक्ताओं ने कहा कि संसद के उच्च सदन राज्यसभा में सपा सांसद रामजी लाल सुमन ने हिंदू समाज के आदर्श वीर शिरोमणि राणा सांगा पर अमर्यादित बयान देते हुए उनको गद्दार एवं उनके वंशजों को गद्दार कहा है। आक्रोश मार्च के माध्यम से राजपूत समाज ने अपना विरोध प्रदर्शन करते हुए राष्ट्रपति को सपा सांसद रामजी लाल सुमन की राज्य सभा की सदस्यता समाप्त करने व किसी भी महापुरुष पर अमर्यादित बयान और टिप्पणी करने वाले व्यक्ति पर कठोर कार्रवाई सुनिश्चित कराने को मांग पत्र डीएम के माध्यम से सौंपा। उन्होंने कहा कि सांसद मे बैठकर महापुरुषों पर अमर्यादित ब्यान देना देश के लिए शर्म की बात है। जिसे राजपूत समाज कतई बर्दाश्त नहीं करेगी। बक्सर जिला राजपूत समाज ने बक्सर गोलंबर से बाबू वीर कुंवर सिंह चौक तक आक्रोश मार्च निकालकर ऐसे लोगों के प्रति अपना विरोध जताया।

हमारा गठबंधन सबसे बेहतर, विपक्ष डरा हुआ है : मंत्री ललन सिंह

मुजफ्फरपुर। जिले में एनडीए गठबंधन के नेताओं की बैठक में जदयू नेता व केंद्रीय मंत्री ललन सिंह शामिल हुए। बैठक में ललन सिंह के अलावा बिहार सरकार में मंत्री संजय झा, नितिन नवीन और कई दूसरे नेता मौजूद रहे। ललन सिंह ने कहा, पीएम नरेंद्र मोदी की ताकत देश ही नहीं, बल्कि दुनिया के लोग भी देखें हैं। हम दुनिया में सबसे बड़े और विश्वसनीय उभरते हुए अर्थव्यवस्था में से एक हैं। हमने कई क्षेत्रों में आर्थिक रूप से प्रगति हासिल की है। हमारे गठबंधन ने सबसे ज्यादा और बेहतर काम किया है। इस काम से विपक्षी दलों के लोगों को परेशानी हो रही है।बिहार सरकार में मंत्री और भाजपा के नेता नितिन नवीन ने कहा है कि हमारे प्रधानमंत्री मोदी की मिथिला की धरती पर रैली होनी है। बिहार को कई सौगात मिलेगी

और बिहार को जिस प्रकार से सौगात मिल रही है, इससे विपक्ष को तकलीफ हो रही है। हम 12 महीने काम करने वाले लोग हैं और काम करते रहेंगे। बिहार में भी हमारी सरकार बनने जा रही है और इसमें इसके लिए पूरी तैयार है।बिहार में हमारे गठबंधन में कोई दिक्कत नहीं है, अगर कोई नाराज होता है तो हम उन्हें मना लेते हैं और उनका मार्गदर्शन भी लेते हैं। जीतनराम मांझी वरिष्ठ और गार्जियन हैं, वो हम सबके साथ में हैं और आगे भी हम सब साथ रहेंगे। विपक्ष पर हमला करते हुए नगर विकास मंत्री नितिन नवीन ने कहा, विरोधी दल के लोग और नेता विरोधी बरसाती मेढक की तरह हैं। ये लोग चुनाव आते ही अलग-अलग दांव खेलते हैं और सभी गांव में फेल हो जाते हैं। लोकसभा चुनाव से लेकर उपचुनाव इसका प्रमाण है। हमारा गठबंधन सबसे मजबूत और बेहतर है। हम 365 दिन आम आदमी के बीच में रहने वाले लोग हैं और लोगों की समस्याओं को सुनते हैं और फिर उसका निराकरण भी करते हैं।

फिर चर्चा में आया 47-56 गैंग

शराब पार्टी में युवक की पीट-पीटकर हत्या, पुलिस पर भी हुआ हमला

बेगूसराय । अपराधियों ने एक युवक की पीट-पीटकर हत्या कर दी। घटना की जानकारी मिलने के बाद गुस्साए लोगों ने सड़क जाम कर पुलिस प्रशासन के खिलाफ जमकर हंगामा किया। हालाँकि गुस्सायी भीड़ ने इस हत्या में शामिल एक आरोपी को पकड़ लिया और उसकी जमकर पिटाई कर दी। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और आरोपी को भीड़ से छुड़ाकर ले जाने लगी। फिर क्या था, यह गुस्सा पुलिस पर भी बरसा गया और लोगों ने पुलिस टीम पर भी हमला कर दिया। पुलिस ने किसी तरह वहां से भागकर अपनी जान बचाई। घटना नगर थाना क्षेत्र के विष्णुपुर स्थित शुक्कन टोला की है। मृतक की पहचान शुक्कन टोला निवासी प्रवीण कुमार के रूप में की गई है। घटना के संबंध में परिजनों का कहना है कि आज प्रवीण कुमार को तीन चार दोस्त घर से बुलाकर ले गये। फिर शराब पार्टी पिलायी। शराब पिलाने के बाद उसे बेहरमी से लाठी डांटे से पीट-पीट कर उसकी हत्या कर दी। हत्या की जानकारी मिलते ही परिजन सड़क पर शव को रखकर पुलिस प्रशासन के खिलाफ हंगामा करने लगे। गुस्सायी भीड़ ने एक आरोपी को पकड़ लिया और उसकी जमकर पिटाई कर दी। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस भी तब तक वहां पहुँच गई। फिर पुलिस आरोपी युवक को भीड़ से छुड़ाने की कोशिश करने लगी। लेकिन आज लोगों का आक्रोश इस कदर बढ़ा हुआ था कि पुलिस भी लोगों के आक्रोश का शिकार हो गई। लोगों ने पुलिस पर भी हमला कर दिया।

हालांकि पुलिस ने किसी तरह आरोपी को भीड़ से छुड़ाकर अपने साथ ले गई। घटना के संबंध में स्थानीय लोगों का कहना है कि कुछ लड़के प्रवीण को घर से बुलाकर ले गये। फिर शराब की पार्टी हुई। शराब पीने-पिलाने के बाद प्रवीण कुमार को उन लड़कों ने बेहरमी से पीट-पीट कर उसकी हत्या कर दी। हत्या करने के बाद शव को रेलवे लाइन स्थित मनोकामना मंदिर के पास छोड़ दिया। उन्होंने बताया है कि प्रवीण को जबरन काम करने के लिए कहा जा रहा था। प्रवीण काम करने से इनकार कर दिया। इसी बात से नाराज होकर बदमाश योजना के तहत उसे घर से बुलाकर ले गये और उसकी हत्या कर दी। घटना की सूचना मिलते ही परिजन वहां पहुंचे और फिर शव को अपने साथ लेकर घर आ गये और सुकून टोला के पास सड़क जाम कर बवाल करने लगे। घटना की सूचना मिलते ही सदर डीएसपी सुबोध कुमार मौके पर पहुंचकर किसी तरह सभी लोगों को समझा बूझकर मामले को शांत कराया। इस घटना के संबंध में सदर डीएसपी सुबोध कुमार ने बताया है कि एक युवक को गांव के ही कुछ लोगों ने पीट-पीटकर कर हत्या करने का परिजनों के द्वारा आरोप लगाया गया है। फिलहाल इस हत्या के मामले में एक आरोपी को विरासत में ली गई है उससे पूछताछ की जा रही है। उन्होंने बताया है कि आपसी रंजिश के कारण पीट पीटकर हत्या की गई है। फिलहाल पुलिस मौके पर पहुंचकर शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए बेगूसराय सदर अस्पताल भेज दिया है। आगे की कार्रवाई की जा रही है। मिली जानकारी के अनुसार बताया जा रहा है कि 47-56 गैंग के लोगों के द्वारा इस घटना को अंजाम दिया गया है।

इन अजीबोगरीब इमारतों को देखकर आप भी हो जाएंगे हैरान,

किसी का जूते तो किसी का टोकरी जैसा है आकार

दुनिया भर में कई ऐसी अजीबोगरीब और विचित्र जगहें हैं जिन्हें देख कर लोग हैरान रह जाते हैं। ऐसी कई जगह है जहां की विचित्र निर्माण शैली को देखकर आप भी सोच में पड़ जाएंगे कि बनाने वाले ने खूब बनाया है। इन्हें एक बार देखने के बाद आपका भी मन करेगा कि इन्हें प्रत्यक्ष रूप से देखा जाए। आज के इस लेख में हम आपको दुनिया की सबसे विचित्र और अनोखी इमारतों के बारे में बताने जा रहे हैं –

उल्टा चर्च

कनाडा के कैलेग्री में स्थित चर्च को देखकर को देखकर आप भी हैरत में पड़ जाएंगे। यह चर्च देखने में उल्टा लगता है, जिसके कारण इसका नाम डिवाइस टू रूट आउट डेविल रखा गया है। इसका मतलब 'शैतान को जड़ से उखाड़ने का यंत्र।' इस चर्च की ऊंचाई करीब 7 मीटर और चौड़ाई 3 मीटर है। कनाडा आने वाले पर्यटकों के बीच यह चर्च आकर्षण का केंद्र है।

नाचता मकान

नीदरलैंड में स्थित एक घर को देखकर आपको ऐसा लगेगा कि मकान नाच रहा है। इस अनोखे मकान का नाम दो प्रसिद्ध डांसर फ्रेड एस्टेयर और जिंजर रॉजर्स के नाम पर रखा गया है। इस इमारत के दो हिस्से हैं। पहले भाग को शीशे से बनाया गया है, वहीं दूसरा हिस्सा सीधा है। इस मकान में कुल 9 मंजिलें हैं।

टोकरी जैसा ऑफिस

ओहियो के नेवार्क शहर में एक ऑफिस का आकार लकड़ी की टोकरी जैसा है। यह इमारत लॉन्ग बर्गर का मुख्यालय है, जो की लकड़ी की टोकरी बनाने वाली एक कंपनी थी। इस इमारत का निर्माण 1997 में हुआ था। इसके सात मंजिलों के निर्माण में लगभग 3 करोड रुपए खर्च हुए थे। इस इमारत में ऊपर स्टील के दौरान जल दिए गए हैं और नीचे की टोकरी का आकार है।

जूते के आकार का घर

पेंसिलवेनिया जाने वाले पर्यटकों को हैंस शू हाउस को जरूर देखना चाहिए। इस घर का आकर जूते की तरह है। यह विचित्र इमारत हेलन टाउनशिप में स्थित है। दुनियाभर से पर्यटक इस बिल्डिंग को देखने आते हैं।

पुस्तकालय के आकार की इमारत

यूनाइटेड स्टेट्स के मिजूरी में कंसास सिटी एक पुस्तकालय के आकार की है। इसे बाहर से देखने पर ऐसा लगता है कि कई सारी किताबें रखी गई हों। इस अनोखी इमारत का आकार 25 से 9 फीट है। इस लाइब्रेरी की दक्षिणी दीवार पर 22 किताबों के अनोखे डिजाइन को इमारत बनाया गया है।

गर्मी में घूमने के लिए यह हैं बेहतरीन जगहें

जब गर्मी का मौसम आता है तो मन करता है कि किसी ठंडी जगह पर जाकर रहा जाए। चिलचिलाती गर्मी सिर्फ तन को ही नहीं, मन को भी झिंझोड़कर रख देती हैं। ऐसे में समर वेकेशन में हम सभी किसी कूलिंग प्लेस पर जाना चाहते हैं। वैसे इस मौसम में घूमने के स्थान का चयन बेहद सोच-समझकर करना चाहिए। तो चलिए आज हम आपको कुछ ऐसी जगहों के बारे में बता रहे हैं, जहां पर आप गर्मी के दिनों में कुछ रिलैक्सिंग पल बिता सकते हैं-

मनाली

भारत में लोकप्रिय ग्रीष्मकालीन अवकाश स्थलों में से एक, हिमाचल प्रदेश में मनाली में प्राकृतिक सुंदरता, और रोमांच का बेहतरीन संगम है। सुरम्य शहर बर्फ से ढकी पर्वत चोटियों और ब्यास नदी द्वारा पोषित हरियाली से घिरा हुआ है। आपकी छुट्टी का मुख्य आकर्षण रोहतांग दर्रे पर बर्फ का आनंद लेना है।

मनाली में करने के लिए चीजें :

- हडिम्बा मंदिर, वन विहार हिमालयन निंगमापा गोम्पा मठ, क्लब हाउस आदि जगहों के दर्शनीय स्थल।
- सोलंग घाटी में साहसिक खेलों में शामिल हों।
- बर्फ का मजा लेने के लिए रोहतांग दर्रे पर जाएं।
- ब्यास नदी में रिवर राफ्टिंग करें।
- कुल्लू, मणिकरण गुरुद्वारा, जोगिनी जलप्रपात, अर्जुन गुफा, भृगु झील और वशिष्ठ हॉट-वाटर स्प्रिंग्स की यात्रा करें।
- सेब के बागों में जाएं।
- कैम्पिंग और ट्रेकिंग।

शिमला

भारत में गर्मी का मौसम बिताने के लिए शिमला एक आदर्श स्थान है। हिमाचल प्रदेश में इसे 'हिल स्टेशनों की रानी' कहा जाता है। यहां की जलवायु के कारण ही ब्रिटिश उपनिवेश यहां हर गर्मियों में बसते थे। कई आवास विकल्प हैं, और आश्चर्य है।

शिमला में करने के लिए चीजें :

- कालका से शिमला के लिए टॉय ट्रेन की सवारी करें।
- व्हाइट वाटर राफ्टिंग करें।
- खाने, खरीदारी करने और आनंद लेने के लिए माल रोड के आसपास घूमें।
- मॉल के पास खूबसूरत क्राइस्ट चर्च की सैर करें।
- जाखू हनुमान मंदिर तक ट्रेक करें।
- वाइसरीगल लॉज, क्राइस्ट चर्च आदि की ब्रिटिश वास्तुकला का अन्वेषण करें।
- कुफरी, चैल और मशोबरा की यात्रा, खूबसूरत पहाड़ी पर्यटन स्थल को एक्सप्लोर करें।

दार्जिलिंग

पश्चिम बंगाल में दार्जिलिंग उत्तर पूर्व में लोकप्रिय समर हॉलिडे गेटवे में से एक है। हरी चाय के बागानों से घिरा, पहाड़ी शहर एक आरामदायक गर्मी की छुट्टी के लिए एकदम सही है। प्रकृति और मनुष्य द्वारा बनाए गए सुंदर स्थलों को एक्सप्लोर करें। मठों में तिब्बती जड़ों के बारे में जानें। मनोरंजक व्यवहार, खरीदारी और बहुत कुछ में शामिल हों।

दार्जिलिंग में करने के लिए चीजें :

- पहाड़ी शहर में जाने के लिए टॉय ट्रेन की सवारी करें।
- बतासिया लूप और गोरखा युद्ध स्मारक में आनंद लें।
- हैप्पी वैली टी एस्टेट में चाय बागानों को एक्सप्लोर करें।
- टाइगर हिल से राजसी सूर्योदय देखें।
- पद्मजा नायडू जूलॉजिकल पार्क में वन्यजीवों को एक्सप्लोर करें।
- माल रोड पर खरीदारी करें।

मुन्नार

भारत का अपना देश कहा जाने वाला केरल भारत में लोकप्रिय हॉलिडे डेस्टिनेशन में से एक है। पश्चिमी घाट की हरी-भरी गोद में बसा मुन्नार गर्मी बढ़ने पर एक सुखद पलायन है। अपने खूबसूरत नजारों, चाय के बागानों, अनोखे वनस्पतियों और जीवों, मसालों की सुगंध और सुहावने मौसम के लिए प्रसिद्ध है।

मुन्नार में करने के लिए चीजें :

- चाय बागानों की हरी-भरी सुंदरता का आनंद लें।
- कुंडला झील, इको पॉइंट और एलिफेंट लेक पर जाएं।
- अनामुडी पीक के लिए ट्रेक करें
- टाटा टी म्यूजियम को एक्सप्लोर करें।
- ट्री हाउस में रहें।
- इको पॉइंट तक ट्रेकिंग, माउंटेन बाइकिंग, कुंडला झील में शिकारा की सवारी।
- कार्मेलागिरी हाथी पार्क में हाथी सफारी।

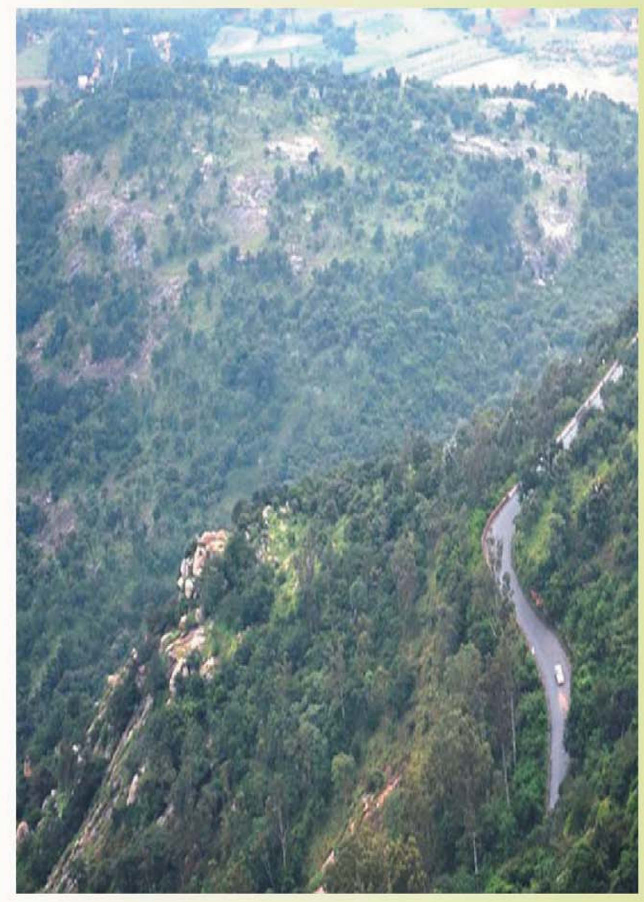

कर्नाटक के कुछ बेहतरीन हिल स्टेशन, एक बार जरूर जाएं घूमने

भारत के दक्षिण-पश्चिमी क्षेत्र में स्थित खूबसूरत राज्य कर्नाटक अपने हाई-टेक हब, नाइटलाइफ़, भव्य महलों, पुराने मंदिरों और वन्यजीव अभयारण्यों के लिए जाना जाता है। हालांकि, इस राज्य में हरे-भरे वातावरण और शांति प्रदान करते कई हिल स्टेशन भी हैं। जो लोग शहर की भीड़भाड़ से दूर प्रकृति के बीच कुछ शांत समय बिताना चाहते हैं, वह इन हिल स्टेशनों में जा सकते हैं। हरी-भरी पहाड़ियों, झरनों और सुविधाजनक स्थानों से लेकर ऐतिहासिक आकर्षणों और एड्रेनालाईन गतिविधियों तक, कर्नाटक के हिल स्टेशनों में बहुत कुछ है। तो चलिए आज हम आपको कर्नाटक के कुछ बेहतरीन हिल स्टेशनों के बारे में बता रहे हैं-

चिकमगलूर, कर्नाटक

चिकमगलूर चाय और कॉफी के बागानों, दूधिया-सफेद झरनों और खूबसूरत पार्कों से भरपूर है। यहां पर घूमने के लिए लोकप्रिय स्थान हेब्बे फॉल्स, कल्लाथिगिरी फॉल्स, हनुमना गुंडी फॉल्स, भद्रा वन्यजीव अभयारण्य, महात्मा गांधी पार्क, कॉफी संग्रहालय, हिरेकोले झील, कोडंदरामा मंदिर आदि हैं। अगर आप यहां पर हैं तो चाय और कॉफी के बागानों में टहलें, उच्चतम मुल्लायनगिरी चोटी पर जाएँ, क्यातनामक्की में सुंदर दृश्यों का आनंद लें, अमृतेश्वर और विद्याशंकर मंदिर में जाएं।

नंदी हिल्स, कर्नाटक

4849 फीट की ऊंचाई पर स्थित नंदी हिल्स कर्नाटक के सबसे प्रसिद्ध हिल स्टेशनों में से एक है। हरे भरे परिवेश, ट्रेकिंग ट्रेल्स और आश्चर्यजनक दृश्यों के अलावा, इस जगह में कई स्मारकों और मंदिरों के साथ एक लोकप्रिय ऐतिहासिक किला भी है। यहां पर घूमने के लिए लोकप्रिय स्थान टीपू की बूंद, टीपू का ग्रीष्मकालीन निवास, अमृता सरोवर, भोग नंदीश्वर मंदिर, ब्रह्माश्रम, नेहरू निलय, ग्रोवर ज़म्पा वाइनयार्ड आदि है।

सिरसी, कर्नाटक

घने जंगलों के बीच बसा कर्नाटक का यह आकर्षक हिल स्टेशन, बैंगलोर से एक आदर्श वीकेंड गेटवे है। विविध वन्यजीवों से भरे घने उष्णकटिबंधीय जंगलों से लेकर सुरम्य झरनों और हरी-भरी पहाड़ियों तक, सिरसी की प्राकृतिक सुंदरता आपको मंत्रमुग्ध कर देगी। अगर आप यहां पर हैं तो मुरेगर फॉल्स, शिवगंगा फॉल्स, बुरुड फॉल्स, उंचल्ली फॉल्स, विभूति फॉल्स, मरिकंबा मंदिर, श्री महागणपति मंदिर, गुडवी पक्षी अभयारण्य आदि जगहों को जरूर एक्सप्लोर करें।

माले महादेश्वर या एमएम हिल्स, कर्नाटक

सात पहाड़ी श्रृंखलाओं, एमएम हिल्स समुद्र तल से 3200 फीट की ऊंचाई पर स्थित है और 'स्वयंभू' या स्वयं प्रकट रूप में भगवान शिव के साथ एक प्राचीन मंदिर के लिए प्रसिद्ध है। धार्मिक स्थलों के अलावा, यह स्थान वनस्पतियों और जीवों में समृद्ध है, जो इसे वन्यजीव प्रेमियों और एड्रेनालाईन के दीवाने लोगों के बीच एक लोकप्रिय आकर्षण बनाता है। यहां पर आने वाले हर यात्री को श्री माले महादेश्वर मंदिर, थाला बेट्टा, नागमाले हिल्स आदि जगहों पर जरूर जाएं। साथ ही घने जंगलों में हाथियों और अन्य जानवरों को देखना ना भूलें।

गंगामूला, कर्नाटक

हरे-भरे और घने जंगलों से घिरा गंगामूला उन लोगों के लिए एक आदर्श स्थान है जो प्रकृति की गोद में क्वालिटी टाइम बिताना चाहते हैं। हिल स्टेशन एक धुंधली जलवायु और आश्चर्यजनक परिदृश्य और आकर्षण का आनंद लेता है। यह स्थान तीन महत्वपूर्ण नदियों- तुंगा, भद्रा और नेत्रावती का उद्गम स्थल होने के लिए भी प्रसिद्ध है। यहां पर घूमने के लिए लोकप्रिय स्थानों में हनुमना गुंडी जलप्रपात, श्री अन्नपूर्णेश्वरी मंदिर, सिरिमाने जलप्रपात, गोमतेश्वर प्रतिमा, चतुर्मुख बसदी, श्री वेंकटरमण मंदिर, अंबा तीर्थ आदि शामिल है। अगर आप यहां पर हैं तो कुरिंजल पीक और नरसिम्हा पर्वत के लिए ट्रेक, कुद्रेमुख राष्ट्रीय उद्यान की प्राकृतिक सुंदरता को देखें। भगवती प्रकृति शिविर में प्रकृति की सैर, जीप सफारी और ट्रेकिंग का आनंद लें।

गर्मियों की छुट्टियों में घूमने का प्लान बना रहे हैं तो भूलकर भी इन जगहों पर न जाएं वरना पड़ेगा पछताना

हर साल गर्मियों की छुट्टी में लोग कहीं ना कहीं घूमने जाते हैं। यह एक ऐसा समय होता है जब आप अपने परिवार के साथ अच्छा समय बिताते हैं और खूब मौज मस्ती करते हैं। ऐसे में गर्मियों की छुट्टियों में भारत की कई जगहों पर सैलानियों की भारी भीड़ देखने को मिलती है। लेकिन गर्मियों में कहीं भी घूमने का प्लान बनाने से पहले वहां का तापमान जरूर देख लें। गर्मियों में तेज धूप और लू में कहीं बाहर घूमना किसी सिरदर्द से कम नहीं है। ऐसा में अगर आप किसी ऐसी जगह घूमने का प्लान बना लेते हैं जहां भीषण गर्मी होती है तो आपका समय और पैसा दोनों बर्बाद होंगे। आज के इस लेख में हम आपको बताएंगे कि गर्मियों में कहां जाने से बचना चाहिए –

आगरा, उत्तर प्रदेश

वीकेंड ट्रिप के लिए लोग अक्सर आगरा घूमने का प्लान बनाते हैं। यहाँ पर मौजूद दुनिया के सातवें अजूबे को देखने के लिए दुनियाभर से लोग आते हैं। आगरा में घूमने के लिए और भी कई बेहतरीन जगहें हैं। लेकिन गर्मी में यहाँ घूमना आपके लिए सिरदर्द बन सकता है। दरअसल, गर्मियों के मौसम में आगरा का तापमान बहुत बढ़ जाता है। तेज धूप में संगमरमर से बना ताजमहल भी तपने लगता है और आप कहीं बाहर भी नहीं घूम सकते हैं। इसलिए यहाँ गर्मियों में जाने का प्लान ना ही बनाएं।

जैसलमेर, राजस्थान

राजस्थान का जैसलमेर न केवल भारतीय बल्कि विदेशी पर्यटकों की लिस्ट में भी शामिल है। जैसलमेर को गोल्डन सिटी के नाम से भी जाना जाता है। यहाँ हर साल दुनिया भर से लाखों पर्यटक आते हैं और सफारी का लुफ्त उठाते हैं। खाना की गर्मियों में जिप्सी गिरी शहर में घूमना काफी कठिन हो सकता है। गर्मियों में जैसलमेर का टेंपरेचर 40 डिग्री सेल्सियस के पार चला जाता है। इतनी भीषण गर्मी में जैसलमेर की यात्रा करना अच्छा आइडिया नहीं है।

गोवा

घूमने के शौकीन लोगों की लिस्ट में गोवा का नाम सबसे ऊपर आता है। यहां लोग अपने दोस्त या पार्टनर के साथ मौज मस्ती करने के लिए पहुंचते हैं। यहां के खूबसूरत बीच, नाइटलाइफ और खुला माहौल युवाओं को अपनी ओर आकर्षित करता है। लेकिन गर्मियों के मौसम में गोवा घूमने का प्लान बनाने से पहले एक बार जरूर सोच लें। गर्मियों में तेज धूप में आप ठीक तरह से घूम नहीं पाएंगे और आपके पैसे सिर्फ बर्बाद ही होंगे।

चेन्नई, दक्षिण भारत

दक्षिण भारत का चेन्नई शहर घूमने के लिहाज से बेहतरीन है। यहां कई सारे मंदिर, बीच और अन्य दार्शनिक स्थल हैं। लकी गर्मियों में यहां का पर बहुत अधिक बढ़ जाता है। ऐसे में गर्मियों के मौसम में चेन्नई में घूमना मुश्किल हो जाता है। इसलिए आप गर्मियों में चेन्नई घूमने का प्लान ना ही बनाएं।

इंडसइंड बैंक के पोर्टफोलियो में लेखा चूक से करीब 2 हजार करोड़ का नुकसान

नई दिल्ली।

इंडसइंड बैंक ने बताया कि वायदा-विकल्प पोर्टफोलियो में लेखा चूक होने से बैंक को करीब 2 हजार करोड़ रुपए का नुकसान हुआ है, जिसका खुलासा बाहरी एजेंसी की जांच के बाद पता चला है। पिछले महीने बैंक में हुई इस हलचल की खबरें बाहर आने के बाद इंडसइंड के शेयरों में भी बड़ी गिरावट देखी गई थी अब बैंक ने अपने एफएंडओ सौदों से संबंधित विसंगतियों के कारण दिसंबर, 2024 तक अपनी कुल संपत्ति पर 2.27 फीसदी के प्रतिकूल प्रभाव का आकलन किया है। निजी क्षेत्र के इस बैंक ने कहा था कि वायदा-विकल्प पोर्टफोलियो में लेखा संबंधी चूक से दिसंबर, 2024 तक बैंक की कुल संपत्ति पर करीब 2.35 फीसदी का प्रतिकूल प्रभाव पड़ने का अनुमान है।

इसके बाद बैंक ने अपने बही-खातों पर हुए प्रभाव और कई स्तर पर खामियों का पता लगाने व सुधारात्मक कार्रवाई का सुझाव देने के लिए बाहरी एजेंसी पीडब्ल्यूसी को नियुक्त किया है। इंडसइंड बैंक ने अपने बही खातों में हुई चूक की जांच के लिए बाहरी एजेंसी पीडब्ल्यूसी को नियुक्त किया है, जिसने मामले का खुलासा किया है। इंडसइंड बैंक ने शेयर बाजार को बताया कि एजेंसी ने अपनी रिपोर्ट में 30 जून, 2024 तक बही खाते में हुई चूक के नकारात्मक प्रभाव को 1,979 करोड़ रुपए आंका है। बैंक ने बताया कि उसके 2024-25 की फाइनेंशियल डिटेल में इसके प्रभाव को उचित रूप से दर्शाया जाएगा और एफएंडओ को लेकर भविष्य में ज्यादा सतर्कता बरती जाएगी। इंडसइंड बैंक के बोर्ड ने लेखा खामियों के फॉरेंसिक ऑडिट के लिए ग्लोबल एजेंसी ग्रांट थॉर्नटन को भी नियुक्त किया है। ग्रांट थॉर्नटन बैंक में आई विसंगतियों के मूल कारण की पहचान करने और प्रचलित लेखा मानकों के संबंध में वायदा-विकल्प अनुबंधों की व्यापक जांच करेगा। इसके अलावा फर्म लेखांकन में विसंगतियों के लिए जवाबदेही तय करेगी। इंडसइंड बैंक में इस चूक की खबर सामने आने के बाद मार्च में बैंक के शेयरों में लगातार गिरावट देखी गई है। इससे बैंक का स्टॉक 52 सप्ताह के निचले स्तर पर चला गया था। 12 मार्च को बैंक के शेयरों का भाव 606 रुपए तक चला गया था। बाद में इसमें तेजी से सुधार आया और 15 अप्रैल को बैंक के शेयर 735.50 रुपए के भाव पर बंद हुए थे।

एसयूवी टाटा हैरियर का पेट्रोल वर्जन जल्द होगा लॉन्च

नई दिल्ली।

टाटा मोटर्स कंपनी अपनी लोकप्रिय एसयूवी टाटा हैरियर के पेट्रोल वर्जन को जल्द ही लॉन्च करेगी। हाल ही में टाटा हैरियर पेट्रोल मॉडल को टेस्टिंग के दौरान देखा गया, जिससे इसके जल्द लॉन्च होने की अटकलें तेज हो गई हैं। अभी तक बाजार में यह एसयूवी केवल डीजल इंजन में ही उपलब्ध है, लेकिन अब कंपनी इसे पेट्रोल वेरिएंट में भी पेश करने की तैयारी कर रही है। हालांकि, कंपनी की ओर से अभी तक इसकी कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है। मिली जानकारी के अनुसार, टाटा मोटर्स अपनी हैरियर और सफारी एसयूवी में नया 1.5 लीटर टर्बोचार्ज्ड डायरेक्ट इंजेक्शन पेट्रोल इंजन देने की योजना बना रही है। यह इंजन 170 पीएस की पावर और 280 एनएम का टॉर्क जेनरेट करने में सक्षम होगा। इसके साथ ही यह इंजन बीएस6 फेज-2 उत्सर्जन मानकों के अनुरूप होगा और ई20 एथेनॉल-पेट्रोल मिक्स फ्यूल पर चलेगा। कंपनी इसे मैनुअल और ऑटोमैटिक ट्रांसमिशन दोनों विकल्पों के साथ बाजार में उतार सकती है। पेट्रोल इंजन की बदौलत यह एसयूवी न केवल अधिक किफायती विकल्प बन सकती है, बल्कि इसे उन ग्राहकों से भी अच्छा रिस्पॉन्स मिलने की उम्मीद है, जो डीजल वाहन से दूर रहना पसंद करते हैं। अनुमान है कि टाटा हैरियर का पेट्रोल वर्जन 2025 की दूसरी छमाही तक बाजार में आ सकता है।बता दें कि टाटा मोटर्स ने पहले अपने ऑटो एक्सपो में हैरियर के इलेक्ट्रिक वर्जन को भी प्रदर्शित किया था, लेकिन उसकी लॉन्चिंग अभी लंबित है। ऐसे में माना जा रहा है कि पेट्रोल वर्जन को पहले लॉन्च किया जा सकता है।

मार्च माह में सस्ती हुई खाने-पीने की चीजें, लोगों के साथ सरकार को भी मिली राहत

फरवरी में थी 2.38 फीसदी जो मार्च में घटकर 2.05 फीसदी पर आई

नई दिल्ली।

मार्च 2025 में महंगाई से राहत मिली। खासकर खाद्य वस्तुओं और सब्जियों की कीमतों में आई गिरावट ने न केवल आम लोगों को राहत दी बल्कि केंद्र सरकार को भी राहत मिली। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक मार्च में खुदरा महंगाई दर केवल 3.34 फीसदी रही जो फरवरी में 3.61 फीसदी थी। यह 67 महीने में सबसे कम वृद्धि है जो अगस्त 2019 के बाद देखी गई है। रिपोर्ट के मुताबिक मार्च में थोक महंगाई दर घटकर 2.05 फीसदी पर आ गई जबकि फरवरी में यह 2.38 फीसदी थी। इससे साफ है कि महंगाई पर काबू पाने में सरकार और भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की नीतियों का असर है। मार्च में खाद्य महंगाई की रफ्तार सुस्त हुई है। खुदरा बाजार में खाद्य उत्पादों की कीमतों में 2.69 फीसदी की बढ़ोतरी देखी गई जबकि थोक बाजार में यह 1.57 फीसदी रही। यह दर्शाता है कि कीमतों में बढ़ोतरी की गति धीमी हो गई है जिससे आम आदमी को राहत मिली है। खासकर सब्जियों और प्रोटीन उत्पादों की कीमतों में गिरावट आई है जो खाद्य महंगाई को नियंत्रित करने में मददगार साबित हुई। खाद्य महंगाई नवंबर 2021 के बाद मार्च 2025 में सबसे कम रही है। मार्च में खाद्य महंगाई दर 2.69 फीसदी रही जो नवंबर 2021 के बाद का सबसे निचले स्तर पर था। इसमें प्रमुख योगदान सब्जियों और दालों की कीमतों में आई गिरावट का है। हालांकि कुछ खाद्य वस्तुओं जैसे फल और खाद्य तेल की कीमतों में बढ़ोतरी देखने को मिली है। वहीं विनिर्मित उत्पादों की महंगाई मार्च में बढ़कर 3.07 फीसदी हो गई जबकि फरवरी में यह 2.86 फीसदी थी। इसके अलावा मार्च में ईंधन और बिजली की कीमतों में भी बढ़ोतरी देखी गई जिससे थोक मुद्रास्फीति दर 0.20 फीसदी हो गई जो फरवरी में 0.71 फीसदी थी। खुदरा खाद्य महंगाई मार्च में 2.69 फीसदी रही जबकि थोक खाद्य महंगाई केवल 1.57 फीसदी भी। यही नहीं पिछले कुछ महीनों की तुलना में मार्च में महंगाई में सुस्ती आई है जिससे केंद्र सरकार और आरबीआई की नीतियों की सफलता साफ तौर पर दिखाई दे रही है। हालांकि कुछ वस्तुओं की कीमतों में बढ़ोतरी से लोगों पर बोझ पड़ रहा है। जैसे हाउसिंग, शिक्षा, स्वास्थ्य और ट्रांसपोर्ट की कीमतों में बढ़ोतरी हुई है, लेकिन खाद्य महंगाई में आई राहत से लोगों को राहत मिली है।

सेकेंड हैंड बाजार में नेक्सॉन की कीमत में मिल रही लग्जरी कारें

नई दिल्ली।

अगर आप इस बजट में एक प्रीमियम और लग्जरी कार का अनुभव लेना चाहते हैं, तो सेकेंड हैंड बाजार में कुछ ऐसे विकल्प मौजूद हैं जो आपको नेक्सॉन की कीमत में ही मिल सकते हैं। जैसे कि 2011 मॉडल बीएमडब्ल्यू 525डी, जिसे 13.95 लाख रुपये में बेचा जा रहा है। यह कार केवल 58,000 किलोमीटर चली है और इसमें एफ 90 एम5 जैसा लुक दिया गया है। इसके साथ ही इंटीरियर में भी बदलाव कर नया इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर और स्क्रीन जोड़ी गई हैं। इसमें सनरूफ, लेदर सीट्स और 2.0-लीटर डीजल इंजन मिलता है, जो 217 बीएचपी की पावर देता है। दूसरा विकल्प है मर्सिडीज-बेंज एस-क्लास, जो मात्र 13.25 लाख रुपये में मिल रही है। इसमें 3.5-लीटर वी 6 पेट्रोल इंजन है जो 272 बीएचपी की ताकत देता है। एस-क्लास को लग्जरी का प्रतीक माना जाता है और इसमें रियर एंटरटेनमेंट स्क्रीन, इलेक्ट्रिक सीट्स और प्रीमियम इंटीरियर मिलता है। इसके अलावा 2017 की जगुआर एक्सई प्रेस्टिज 16.9 लाख रुपये में उपलब्ध है, जो कम उम्र और दमदार फीचर्स के कारण एक बेहतरीन विकल्प है। वहीं, 2016 की ऑडी ए6 भी 18.5 लाख रुपये में मिल रही है, जिसमें प्रीमियम इंटीरियर और एडवांस फीचर्स मौजूद हैं। कुल मिलाकर, यदि आप नेक्सॉन खरीदने का सोच रहे हैं, तो इन्हें भी एक बार जरूर देखें। बता दें कि टाटा नेक्सॉन भारत की सबसे लोकप्रिय सब-कॉम्पैक्ट एसयूवी में से एक है, जो अपनी दमदार परफॉर्मेंस, फीचर्स और सुरक्षा के लिए जानी जाती है। इसका टॉप वेरिएंट मुंबई में ऑन-रोड करीब 18.60 लाख रुपये का आता है।

वित्त वर्ष में रेपो दर घटकर 5.5 फीसदी रहेगी, मार्च में मुद्रास्फीति 3.3 फीसदी रही

नई दिल्ली।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने ब्याज दरों में कटौती शुरू कर दी है। एक रिपोर्ट में बुधवार को कहा गया है कि जून और अगस्त की आरबीआई की नीति बैठक में ब्याज दरों में 25-25 आधार अंकों की कटौती की उम्मीद है। रिपोर्ट में अनुमान लगाया है कि इस वित्त वर्ष में रेपो दर घटकर 5.5 फीसदी रह जाएगी।

इसके अलावा, उम्मीद की जा रही है कि आसान लिक्विडिटी की स्थिति बनी रहेगी और ब्याज दरों में कटौती का लाभ लोगों तक पहुंचाने में मदद मिलेगी।

मार्च में सीपीआई मुद्रास्फीति 3.3 फीसदी रही, जो बाजार की 3.5 फीसदी की उम्मीद से कम है। खाद्य पदार्थों की कीमतें लगातार तीसरे महीने भी अपस्फीति में रहीं, जो पिछले महीने की तुलना में 0.7 फीसदी कम है, जिसका कारण सब्जियों, दालों, अंडों और मछली-मांस की कीमतों का कम होना है। अनाज और दूध की कीमतों में क्रमिक गति सामान्य रही, जबकि चीनी और फलों की कीमतें उंची रहीं। रिपोर्ट में कहा गया है, अप्रैल में मुद्रास्फीति का आंकड़ा मार्च के स्तर के करीब है। प्याज और टमाटर की कीमतों में भारी गिरावट के कारण अप्रैल के पहले 10 दिनों में सब्जियों की कीमतों में 0 से 5 फीसदी की कमी आई है।

रिपोर्ट में वित्त वर्ष 2026 में सीपीआई हेडलाइन मुद्रास्फीति के औसतन 3.7 फीसदी रहने का अनुमान है, जो आरबीआई के लक्ष्य और पूर्वानुमान 4 फीसदी से काफी कम है। नई गेहूं की फसल बाजार में आने के साथ अप्रैल से खाद्य मुद्रास्फीति में गिरावट आने की संभावना है। इसके अलावा, आईएमडी ने भी 2025 के लिए सामान्य मानसून का पूर्वानुमान जारी किया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि हाल ही में रुपए की मजबूती, चीन से आयातित सामानों के दामों में तुलनात्मक कमी, तेल की नरम कीमतें और कमजोर घरेलू विकास के कारण कोर मुद्रास्फीति भी नरम रहने की संभावना है। रिपोर्ट में कहा गया है विकास के 100 संकेतकों के हमारे फ्रेमवर्क से पता चलता है कि मार्च तिमाही पिछली दो तिमाहियों की तुलना में बेहतर है, लेकिन जून 2024 से काफी नीचे है।

पेट्रोल-डीजल की कीमतें बढ़ीं

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय बाजार में जहां कच्चे तेल की कीमतें 65 डॉलर प्रति बैरल से नीचे ही चल रही हैं। वहीं घरेलू बाजार में पेट्रोल और डीजल की कीमतें बढ़ी हैं। तेल कंपनियों ने यूपी और बिहार सहित देश के कई राज्यों के शहरों में तेल के दाम बढ़ाये हैं हालांकि देश के चारों महानगरों में इनकी कीमतें पहले की तरह ही हैं। दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपये और डीजल 87.62 रुपये प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 103.44 रुपये और डीजल 89.97 रुपये प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 100.76 रुपये और डीजल 92.35 रुपये प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 104.95 रुपये और डीजल 91.76 रुपये प्रति लीटर पर है। यूपी के गौतम बुद्ध नगर जिले में पेट्रोल 6 पैसे महंगा होकर 94.77 रुपये लीटर पर है। वहीं डीजल भी 8 पैसे ऊपर बढ़कर 87.89 रुपये प्रति लीटर है जबकि गाजियाबाद में पेट्रोल 12 पैसे बढ़त के साथ 94.70 रुपये और डीजल 14 पैसे महंगा होकर 87.81 रुपये लीटर पहुंच गया है। बिहार की राजधानी पटना में पेट्रोल 64 पैसे बढ़त के साथ 106.11 रुपये लीटर जबकि डीजल 60 पैसे महंगा होकर 92.92 रुपये लीटर पर है। कच्चे तेल की बात करें तो ब्रेंट क्रूड का भाव नीचे आकर 64.75 डॉलर प्रति बैरल पहुंच गया है। डब्ल्यूटीआई की कीमतें भी फिसलकर 61.41 डॉलर प्रति बैरल पहुंच गयी हैं।

रुपया बढ़त के साथ खुला

मुंबई। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले बुधवार को भारतीय रुपया सात पैसे की बढ़त के साथ ही 85.64 पर खुला। वहीं गत दिवस रुपया 33 पैसे की गिरावट के साथ ही 85.77 रुपये पर बंद हुआ था। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि विदेशी पूंजी की निकासी के बावजूद कमजोर अमेरिकी मुद्रा ने स्थानीय मुद्रा को बल दिया। उन्होंने रुपये की मजबूती का श्रेय अमेरिकी प्रशासन के भारत पर अतिरिक्त 26 फीसदी शुल्क को नौ जुलाई तक टालने को भी दिया।अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 85.85 प्रति डॉलर पर मजबूती के साथ खुला और शुरुआती कारोबार में 85.71 रुपये प्रति डॉलर पर पहुंच गया, जो पिछले बंद भाव से 39 पैसे की बढ़त दिखाता है। रुपया शुक्रवार को 58 पैसे की जोरदार बढ़त के साथ ही 86.10 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। आंबेडकर जयंती के अवसर पर सोमवार को विदेशी मुद्रा बाजार बंद थे। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.06 फीसदी उछला लेकिन 100 से नीचे 99.46 पर ही रहा।

सोने और चांदी में तेजी

नई दिल्ली। घरेल बाजार में बुधवार को सोने और चांदी की कीमतों में तेजी रही। आज सुबह सोने की कीमतें 94,000 के स्तर से ऊपर पहुंच गयी। एमसीएक्स पर सोना 0.93 फीसदी बढ़कर 94,320 रुपए प्रति 10 ग्राम जबकि चांदी 0.16 फीसदी उछलकर 94,921 रुपए प्रति किग्रा पर पहुंच गयीं। दिल्ली सर्राफा बाजार में सोने की कीमतें 50 रुपए बढ़कर 96,450 रुपए प्रति 10 ग्राम के सर्वकालिक ऊंचे स्तर पर पहुंच गई है। वहीं सोमवार को सोना 50 रुपए नीचे आकर 96,400 रुपए प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। वहीं इसका पिछला बंद भाव 95,950 रुपए प्रति 10 ग्राम था। इस बीच चांदी की कीमत 2,500 रुपये बढ़कर 97,500 रुपए प्रति किलोग्राम पहुंच गयीं। वहीं सोमवार को चांदी 500 रुपए नीचे आकर 95,000 रुपए प्रति किलोग्राम पर बंद हुई थी। विश्व स्तर पर सोना 13.67 डॉलर करीब 0.43 फीसदी बढ़कर 3,224.60 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गया।

रुपया गिरावट पर बंद

मुंबई। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले मंगलवार को भारतीय रुपया 33 पैसे की गिरावट के साथ ही 85.77 रुपये पर बंद हुआ। रुपया आज शुरुआती कारोबार में ही 39 पैसे की बढ़त के साथ 85.71 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि विदेशी पूंजी की निकासी के बावजूद कमजोर अमेरिकी मुद्रा ने स्थानीय मुद्रा को बल दिया। उन्होंने रुपये की मजबूती का श्रेय अमेरिकी प्रशासन के भारत पर अतिरिक्त 26 फीसदी शुल्क को नौ जुलाई तक टालने को भी दिया।अं तरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 85.85 प्रति डॉलर पर मजबूती के साथ खुला और शुरुआती कारोबार में 85.71 रुपये प्रति डॉलर पर पहुंच गया, जो पिछले बंद भाव से 39 पैसे की बढ़त दिखाता है। रुपया शुक्रवार को 58 पैसे की जोरदार बढ़त के साथ 86.10 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। आंबेडकर जयंती के अवसर पर सोमवार को विदेशी मुद्रा बाजार बंद थे। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.06 फीसदी उछला लेकिन 100 से नीचे 99.46 पर ही रहा।

एईटीएल को पीजीवीसीएल से मिली दो बिजली आपूर्ति परियोजनाएं

नई दिल्ली। अद्वैत एनर्जी ट्रांजिशन्स लिमिटेड (एईटीएल) ने कहा कि उसे पश्चिम गुजरात विज कंपनी लिमिटेड (पीजीवीसीएल) से दो बिजली आपूर्ति परियोजनाएं हासिल हुई है। कंपनी ने बयान में कहा कि उसे दो प्रमुख बिजली आपूर्ति परियोजनाओं के लिए एल1 (सबसे कम बोली लगाने वाला) के तौर पर चुना गया। इसमें पीजीवीसीएल के नेटवर्क के भीतर दो महत्वपूर्ण क्षेत्रों के लिए 11 केवी (किलोवोल्ट) मध्यम वोल्टेज कवर कंडक्टर तथा उसके सहायक उपकरण की आपूर्ति, स्थापना, परीक्षण व उसे चालू करना शामिल है। एईटीएल बिजली पारेषण, दूरसंचार अवसंरचना व ऊर्जा परिवर्तन समाधान क्षेत्र की अग्रणी कंपनी है।

मार्च में व्यापार घाटा बढ़कर 1.84 लाख करोड़ हुआ

ये पिछले महीने से 34 प्रतिशत ज्यादा; देश में इंपोर्ट 11.4 प्रतिशत बढ़ा

नई दिल्ली।

इंपोर्ट में बढ़ोतरी के कारण भारत का मर्चेंडाइज ट्रेड डेफिसिट यानी व्यापार घाटा मार्च 2025 में बढ़कर 21.54 बिलियन डॉलर (1.84 लाख करोड़ रुपए) हो गया है। ये पिछले महीने की तुलना में 34 प्रतिशत ज्यादा है। फरवरी में व्यापार घाटा 14.05 बिलियन डॉलर (1.21 लाख करोड़ रुपए) था। वहीं मार्च में मर्चेंडाइज एक्सपोर्ट सालाना आधार पर 0.7 प्रतिशत बढ़कर 41.97 बिलियन डॉलर (3.60 लाख करोड़ रुपए) पहुंच गया है।

देश में इंपोर्ट 11.4 प्रतिशत बढ़ा

इंपोर्ट की बात करें तो मार्च में भारत का इंपोर्ट 63.51 बिलियन डॉलर 5.44 लाख करोड़ रुपए रहा। ये फरवरी के मुकाबले 1.02 लाख करोड़ ज्यादा है। पिछले महीने भारत में 4.42 लाख करोड़ रुपए का इंपोर्ट हुआ था।

फरवरी में व्यापार घाटा 3 साल में सबसे कम रहा

व्यापार घाटा फरवरी 2025 में घटकर 14.05 बिलियन डॉलर (1.21 लाख करोड़ रुपए) हो गया था। ये घाटा अगस्त 2021 बाद से सबसे कम है था। फरवरी में मर्चेंडाइस एक्सपोर्ट 3.20 लाख करोड़ रुपए रहा। जनवरी में ये 3.16 लाख करोड़ रुपए था। इसमें 1.25 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई थी। फरवरी में इंपोर्ट की बात करें तो ये जनवरी के मुकाबले 13.59 प्रतिशत कम रहा था। फरवरी में भारत का इंपोर्ट 4.42 लाख करोड़ रुपए रहा। ये जनवरी के मुकाबले 73,000 करोड़ रुपए कम था। जनवरी में भारत में 5.15 लाख करोड़ रुपए का इंपोर्ट हुआ था।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

सेंसेक्स 309, निफ्टी 108 अंक ऊपर आया

मुम्बई।

भारतीय शेयर बाजार बुधवार को हल्की बढ़त के साथ बंद हुआ। बाजार में ये तेजी खरीदारी से आई है हालांकि एशियाई बाजारों में कमजोर रुख से उसपर अंकुश लगा रहा। आज सुबह बाजार तेजी के साथ खुले पर कुछ समय बाद ही वह लाल निशान पर पहुंच गये। बैंकिंग स्टॉक्स में तेजी से कारोबार के दूसरे चरण में इंडेक्स बढ़त के साथ ही हरे निशान में पहुंच गये । दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 200 से ज्यादा अंक की बढ़त के साथ ही 76,996.78 पर खुला। बीच में आये बदलाव के बाद अंत में सेंसेक्स 309.40 अंक करीब 0.40 फीसदी ऊपर आकर 77,044.29 पर बंद हुआ।

वहीं इसी प्रकार 50 शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी हल्की बढ़त के साथ 23,344.10 अंक पर खुला। इसके कुछ समय में ही इसमें गिरावट आने लगी हालांकि बाद में इसके फिर बढ़त आने लगी। अंत में यह 108.65 अंक तकरीबन 0.47 फीसदी की ऊपर आकर 23,437.20 पर बंद हुआ। सेक्टोरल इंडेक्स में निफ्टी ऑटो, फार्मा और हेल्थकेयर के अलावा अन्य सभी क्षेत्रों में 2.37 फीसदी तक की बढ़त रही। निफ्टी पीएसयू बैंक इंडेक्स में सबसे ज्यादा तेजी रही।

आज सेंसेक्स में शामिल 30 में से 18 शेयर बढ़त पर बंद हुए। इंडसइंड बैंक, एक्सिस बैंक , अडानी पोर्ट्स, एशियन पेंट्स और भारती एयरटेल के शेयरों को सबसे ज्यादा लाभ हुआ।

अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रम्प के टैरिफ में अस्थाई रोक की घोषणा के बाद से ही बाजार में उत्साहत का माहौल है। पिछले तीन ट्रेडिंग सेशन में बेंचमार्क इंडेक्स में 4त्न से ज्यादा की वृद्धि हुई। वहीं गत दिवस बाजार भारी तेजी के साथ बंद हुआ था। सेंसेक्स 1577.63 अंक बढ़कर 76,734.89 अंक पर जबकि निफ्टी भी यह 500 अंक बढ़कर 23,328.55 पर बंद हुआ था।

वहीं अंतरराष्ट्रीय बाजारों की बात करें तो पिछले ट्रेडिंग सेशन में वॉल स्ट्रीट पर डॉव जोन्स 0.38 फीसदी की गिरावट के साथ 40,368.96 पर बंद हुआ। एसएंडपी 500 0.17 फीसदी टूटकर 5,396.63 पर बंद हुआ। जबकि नैस्डैक कंपोजिट 0.05 फीसदी की गिरावट के साथ 16,823.17 पर बंद हुआ। बेंचमार्क से जुड़े फ्यूचर्स भी कम कीमत पर कारोबार कर रहे थे। इसमें डॉव जोन्स फ्यूचर्स में 0.5 फीसदी की गिरावट, एसएंडपी 500 फ्यूचर्स में 0.9फीसदी की गिरावट और नैस्डैक 100 फ्यूचर्स में 1.5 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई। एशियाई बाजारों में आज गिरावट देखी गई। जापान का निक्केई 225 इंडेक्स 0.33 फीसदी नीचे था और दक्षिण कोरिया का कोस्पी 0.29 फीसदी नीचे था। हालांकि, ऑस्ट्रेलिया का एसएंडपी/एएसएक्स 200 आज 0.17 फीसदी ऊपर था। हांगकांग का हैंग सेंग 1.01 फीसदी नीचे था और चीन का सीएसआई 300 0.87 फीसदी नीचे था।

भारत में एआई पर खर्च में 2028 तक होगा 35 प्रतिशत का इजाफा!

नई दिल्ली।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) पर खर्च भारत में 2028 तक 35 फीसदी बढ़कर 9.2 अरब डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है। मंगलवार को जारी एक रिपोर्ट के मुताबिक बताया गया कि बढ़ता हुआ खर्च एआई की क्षमता को अधिकतम करने के लिए बेहतर डेटा गुणवत्ता, प्रशासन और क्लाउड माइग्रेशन की जरुरत को दिखाता है। रिपोर्ट में बताया गया कि 51 फीसदी भारतीय कंपनियां क्लाउड पर एआई सॉल्यूशंस होस्ट कर रही हैं। हालांकि, खराब गुणवत्ता एक चुनौती बनी हुई है। रिपोर्ट में बताया गया कि गुणवत्तापूर्ण डेटा एक बड़ी समस्या है। भारत में 54 फीसदी, ऑस्ट्रेलिया में 40 फीसदी और आसियान में 40 फीसदी, एपीएसी में 50.4 फीसदी कंपनियां इसे चुनौती मानती हैं। रिपोर्ट में कहा गया कि 62 फीसदी भारतीय संस्थाओं ने डेटा गवर्नेंस और प्राइवेसी पॉलिसी में सुधार की जरुरत को पहचाना है, जबकि 28 फीसदी एआई डेटा पूर्वाग्रह की चुनौती जूझ रही थी। इन चुनौतियों से निपटने के लिए भारतीय कंपनियां एआई-तैयार डेटा रणनीतियों को स्थापित करने के लिए डेटा एकीकरण, एमएल प्लेटफॉर्म और एनालिटिक्स में निवेश कर रही हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि भारतीय संस्थाएं क्लाउड को अपनाने को एआई की सफलता की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम मानती हैं। उन्होंने कहा कि एआई आधारित इनोवेशन को बढ़ाने के लिए, व्यवसायों को एक मजबूत, स्केलेबल डेटा इन्फ्रास्ट्रक्चर की जरुरत होगी जो हाई-परफॉर्मेंस एआई एप्लीकेशंस का सपोर्ट करता हो। एक अन्य रिपोर्ट में बताया गया कि 36 फीसदी एंटरप्राइजेज जेनएआई का इस्तेमाल कर रहे हैं और 46 फीसदी 12-24 महीनों के भीतर निवेश की योजना बना रहे हैं। भारत, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड के बराबर है और 20 फीसदी संस्थाओं के पास एडवांस एआई क्षमताएं हैं, हालांकि देश आसियान से पीछे है, जहां 27 फीसदी संस्थाएं इस स्तर तक पहुंच चुकी हैं। उन्होंने आगे कहा कि इसकी पूरी क्षमता को अनलॉक करने के लिए, संस्थाओं को विश्वसनीय डेटा, मजबूत प्रशासन और इन्फ्रास्ट्रक्चर को प्राथमिकता देनी चाहिए, जिससे एआई को प्रभावी और जिम्मेदारी से बढ़ाया जा सके।

अगर पर्सनल लोन लेने वाले की मृत्यु हो जाए तो कौन भरेगा बकाया रकम?

संपत्ति, सोने के आभूषण, बचत या निवेश से बैंक करता है वसूली

नई दिल्ली।

आज-कल लोन लेना आसान हो गया है। लोग अपनी जरूरतों के मुताबिक पर्सनल लोन लेते हैं और बैंकों इस पर ब्याज भी वसूलता है और लोन लेने वाला शख्स ईएमआई के रूप में लोन का भुगतान करता भी है। आमतौर पर बैंक लोन देने से पहले बॉरोअर की फाइनेंशियल हिस्ट्री देखी जाती है उसके बाद ही लोन दिया जाता है, अगर बकाया लोन भरने से पहले ही लोन लेने वाले शख्स की मौत हो जाए, तो यह कई अहम सवाल खड़े करता है कि उस कर्ज की अदायगी कैसे होगी। भारत में पर्सनल लोन ज्यादातर अनसिक्योर्ड होते हैं यानी कोलैटरल की जरूरत नहीं होती है। अगर पर्सनल लोन लेने वाले की मौत हो जाती है, तो बकाया लोन की अदायगी की जिम्मेदारी ऑटोमैटिक उसके परिवार के सदस्य या कानूनी उत्तराधिकारियों पर नहीं आती है, जब तक कि वे गारंटर या को-एप्लीकेंट न हों। लेंडर मृतक की संपत्ति से कर्ज की वसूली कर सकते हैं, जिसमें संपत्ति, सोने के आभूषण, बचत या पिछले निवेश शामिल होते हैं। कानूनी उत्तराधिकारी अपनी ओर से पर्सनल लोन की अदायगी के लिए केवल उतनी ही रकम के लिए बाध्य होते हैं, जितनी उन्हें विरासत में मिली है।

तेजस्वी-राहुल मुलाकात में भी नहीं बनी बात: महागठबंधन में पेंच अभी फंसा हुआ है!

संतोष कुमार पाठक

बिहार में कांग्रेस नेताओं की हालत इतनी दयनीय हो गई थी कि हाल ही में राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खरगे के साथ दिल्ली में हुई बैठक में कई नेताओं ने यह शिकायत भी की कि आरजेडी के नेता कांग्रेस नेताओं को सम्मान नहीं देते हैं।

बिहार की राजनीति में 90 के दशक में लालू यादव के ताकतवर होने के साथ ही कांग्रेस समेत अन्य कई राजनीतिक दलों के बुरे दिन शुरू हो गए थे। बीजेपी के समर्थन से सरकार चला रहे लालू यादव ने वर्ष 1990 में लालकृष्ण आडवाणी को गिरफ्तार करा कर सबको चौंका दिया था। उस समय आडवाणी को जिस अधिकारी (आरके सिंह) ने गिरफ्तार किया था, उन्हें नरेंद्र मोदी ने अपनी सरकार में केंद्रीय मंत्री भी बनाया था। वहीं सरकार को बनाए रखने के लिए लालू यादव ने अनगिनत बार कम्युनिस्ट पार्टी के विधायकों को तोड़ने का काम किया। कांग्रेस जैसे राष्ट्रीय दल को तो लालू यादव ने बिहार में अपनी बी टीम बनाकर छोड़ दिया था। लालू यादव सीधे कांग्रेस आलाकमान से डील किया करते थे और बिहार कांग्रेस के नेताओं को हमेशा लालू यादव से डर कर रहना पड़ता था।

बिहार में कांग्रेस नेताओं की हालत इतनी दयनीय हो गई थी कि हाल ही में राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खरगे के साथ दिल्ली में हुई बैठक में कई नेताओं ने यह शिकायत भी की कि आरजेडी के नेता कांग्रेस नेताओं को सम्मान नहीं देते हैं। उस समय राहुल गांधी ने कहा था कि सम्मान मांगने से नहीं मिलता, बल्कि सम्मान हासिल करना पड़ता है। लेकिन राहुल गांधी के मिशन बिहार से काफी कुछ बदलता हुआ नजर आ रहा है।

बिहार के लगातार दौरे पर जाकर राहुल गांधी ने राज्य की राजनीति को समझने का प्रयास किया। अपने करीबी नेता कृष्णा अल्लावरु को बिहार कांग्रेस का प्रभारी बनाकर भेजा। लालू यादव के करीबी माने जाने वाले अखिलेश प्रसाद सिंह को प्रदेश अध्यक्ष पद से हटाकर एक दलित नेता राजेश राम को प्रदेश अध्यक्ष बनाया। लालू यादव और तेजस्वी यादव की नाराजगी के बावजूद कन्हैया कुमार को 'पलायन रोको, नौकरी दो' यात्रा का चेहरा बनकर बिहार की सड़कों पर उतरने का मौका दिया। आने वाले दिनों में लालू यादव और तेजस्वी यादव की नाराजगी के बावजूद पप्पू यादव को भी बड़ी भूमिका देने की खबरें निकल कर सामने आ रही है।

कांग्रेस के आक्रामक तेवरों को देखते हुए लालू यादव काफी हद तक असहज हो गए। उन्होंने अपने बेटे तेजस्वी यादव (जिन्हें वे पहले ही मुख्यमंत्री पद का उम्मीदवार घोषित कर चुके हैं) को पटना में 17 अप्रैल को होने वाली महागठबंधन की बैठक से पहले ही राहुल गांधी के साथ सब कुछ तय करने के लिए आनन-फानन में दिल्ली भेजा। मंगलवार को तेजस्वी यादव ने कांग्रेस राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के आवास पर राहुल गांधी के साथ बैठक की। लेकिन राहुल गांधी ने तेजस्वी यादव को कांग्रेस की अहमियत बताने के लिए इसको एक बड़ी बैठक बना दिया। इस बैठक में कांग्रेस की तरफ से राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और राहुल गांधी के अलावा राष्ट्रीय संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल, बिहार कांग्रेस प्रभारी कृष्णा अल्लावरु, बिहार कांग्रेस अध्यक्ष राजेश राम और गुरदीप सिंह सप्पल भी मौजूद रहे। वहीं तेजस्वी यादव अपने साथ पार्टी के राज्यसभा सांसद मनोज झा और संजय यादव को लेकर गए थे।

लेकिन तेजस्वी यादव की यह दिल्ली यात्रा उनके लिए उतनी लाभदायक नहीं रही, जितनी वह उम्मीद कर रहे थे। कांग्रेस ने आरजेडी के ऑफर (यानी 50 विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़ने) को सिरे से नकार दिया और पिछली बार की तरह 70 सीटों की मांग रख दी। इतना ही नहीं कांग्रेस की तरफ से यह भी कहा गया कि पिछली बार की तरह कांग्रेस कमजोर और हारने वाली सीटों को स्वीकार नहीं करेगी। सीट को लेकर विस्तार से चर्चा पटना की बैठक में होगी। वहीं मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार को लेकर भी कांग्रेस ने फिलहाल अपने पत्ते खोलने से साफ इनकार कर दिया है।

दिल्ली की बैठक बेनतीजा रही, यह बैठक के बाद आए बयानों से भी साफ पता चलता है। बड़ी उम्मीदों के साथ दिल्ली आए तेजस्वी यादव ने बैठक के बाद मीडिया से बात करते हुए कहा कि, ₹पता नहीं आप लोग क्यों चिंतित रहते हैं चेहरे के लिए। यह हम लोगों की चीजें हैं। हम लोगों की बातचीत के बाद सारी चीजें सामने आ जाएंगी। इसमें आप लोगों को परेशान होने की कोई आवश्यकता नहीं है।₹

मुख्यमंत्री पद के चेहरे को लेकर पत्रकारों ने यही सवाल बैठक से बाहर आए कांग्रेस के नेताओं से भी पूछा। कृष्णा अल्लावरु ने भी साफ और स्पष्ट शब्दों में कह दिया कि , अगर पहली मुलाकात में ही सब कुछ तय हो गया होता तो वे इसकी जानकारी जरूर देते। मतलब साफ है कि गठबंधन में अभी काफी पेंच फंसा हुआ है। कांग्रेस इस बार झुकने को तैयार नहीं है।

बिहार में इसी साल अक्टूबर-नवंबर में विधानसभा के चुनाव होने है। आरजेडी चाहती थी कि पहले कांग्रेस के साथ सारे मुद्दे तय कर लिए जाएं, फिर गठबंधन में शामिल अन्य राजनीतिक दलों के साथ बैठक की जाए। लेकिन देश की राजधानी दिल्ली में खरगे के आवास पर हुई पहले दौर की बैठक में कई मुद्दों पर सहमति बनाने की कोशिश कामयाब नहीं हो पाई।

आपको बता दें कि, 2020 के पिछले विधानसभा चुनाव में सीटों के बंटवारे के तहत आरजेडी 144, कांग्रेस 70, सीपीआई (एमएल) 19, सीपीआई 6 और सीपीआई (एम) 4 सीटों पर चुनाव लड़ी थी। विपक्षी गठबंधन के प्रदर्शन की बात करें तो, आरजेडी को 75, कांग्रेस को 19, सीपीआई(एमएल) को 12 और सीपीआई एवं सीपीआई(एम) को 2-2 सीटों पर जीत हासिल हुई थी। आरजेडी कांग्रेस को 70 में से सिर्फ 19 सीटें जीतने की याद दिलाते हुए, इस बार सिर्फ 50 सीटों पर लड़ने की बात कह रहा है। जबकि कांग्रेस 70 से कम पर मानने को तैयार नहीं है। ऐसे में अब सबकी निगाहें, 17 अप्रैल को पटना में होने वाली महागठबंधन की बैठक पर टिक गई है। कांग्रेस सीटों की संख्या और सीटों के नाम के ऐलान के साथ ही उपमुख्यमंत्री के पद पर भी अड़ गई है। आरजेडी जब तक इन मुद्दों पर कांग्रेस की बात नहीं मान लेती है, तब तक कांग्रेस भी मुख्यमंत्री पद को लेकर अपने पत्ते खोलने को तैयार नहीं है। इसके साथ ही कांग्रेस इस बार एक साझा कार्यक्रम के आधार पर चुनाव में जाना चाहती है।

संपादकीय

सरकार को चुनौती

भगोड़े हीरा व्यापारी मेहुल चोकसी को बेल्जियम में गिरफ्तार कर लिया गया। चोकसी और उसके भतीजे नीरव मोदी पर पंजाब नैशनल बैंक से तकरीबन साढ़े तेरह हजार करोड़ रुपयों के गबन का आरोप है। मोदी अभी लंदन की जेल में है और भारत प्रत्यर्पित किए जाने के खिलाफ कानूनी जंग लड़ रहा है। इस घोटाले में उसकी पत्नी एमी और भाई निशाल भी मुख्य अभियुक्त हैं। चोकसी मुंबई की अदालत में हलफनामा दे कर भारत आने में अक्षमता जाहिर कर चुका है। वह कैंसर का मरीज है, जिसका इलाज बेल्जियम में चल रहा है। भारतीय एजेंसियां प्रवर्तन निदेशालय और सीबीआई के साथ मिल कर प्रत्यर्पण का प्रयास कर रही हैं। बैंक ने 2018 में पहली बार मोदी, चोकसी और अन्य अधिकारियों के खिलाफ 280 करोड़ रुपये के घोटाले का आरोप लगाया था। जांच के बाद यह देश का सबसे बड़ा बैंकिंग घोटाला निकला। इसमें बैंक अधिकारियों की मिलीभगत भी पाई गई। हालांकि मोदीकाल में होने वाले बैंक घोटालों में यह अकेला नहीं है। सरकारी दस्तावेज के अनुसार 2012-16 के दरम्यान सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों को बाइस हजार करोड़ रुपये से अधिक का चूना लगाया जा चुका है। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के 429, आईसीआईसीआई के करीब 455, स्टैंडर्ड बैंक के 244 और एचडीएफसी बैंक के 237 के करीब धोखाधड़ी के मामले पकड़े जाने की पुष्टि हुई है। मोदी के इस घोटाले के बाद पीएनबी ने अपने बीस कर्मचारियों को निलंबित भी किया था। बैंकों के इस गोरखधंधे में बैंककर्मियों की मिली-भगत पकड़ी गई है। इसी दरम्यान देश से भाग चुके आर्थिक अपराधी विजय मल्या पर भी बैंकों को साढ़े नौ हजार करोड़ रुपये का चूना लगाने के खिलाफ चार्जशीट फाइल की गई थी। कहने में दोष नहीं है कि प्रत्यर्पण संधि के बावजूद कानूनी प्रक्रिया बेहद जटिल होती है, और आरोपियों को स्वदेश लाने में सालों लग जाते हैं। चोकसी का मामला भी अभी फेडरल पब्लिक जस्टिस और फॉरेन अफेयर्स की निगरानी में होगा। सरकार किस हद तक दोषी को वापस लाने की कवायद करती है, यह तो वक्त ही बताएगा। धोखाधड़ी के इस धन की वसूली और सजा देने में लगने वाले समय की चर्चा अभी बेमानी है क्योंकि सार्वजनिक बैंकों में इतने बड़े आर्थिक घोटालों में सरकार की भूमिका भी संदिग्ध ही पाई जाती रही है। भ्रष्टाचार पर प्रहार करने की बातें करने वाले सत्ताधारी दल को इसे चुनौती की तरह देखना चाहिए।

सूक्ति

कष्ट ही तो वह प्रेरक शक्ति है जो मनुष्य को कसौटी पर परखती है और आगे बढ़ाती है।
- वीर सावरकर

उत्तरदायित्व में महान बल होता है, जहाँ कहीं उत्तरदायित्व होता है, वहीं विकास होता है।
- दामोदर सातवलेकर

चिंतन-मनन

प्रेम और सहयोग का नाम है परिवार

पारिवारिक सदस्यों के त्याग, सहयोग, स्वच्छता, प्रेम, संतुष्टि व व्यसनमुक्ति से ही परिवार संयुक्त और समृद्धिशाली बनता है। वे सौभाग्यशाली हैं जो संयुक्त परिवार में रह रहे हैं तथा जिन्हें माता -पिता का सान्निध्य प्राप्त हो रहा है। विश्व बंधुत्व की बात करने वालों को पहले अपने परिवार में बंधुत्व बनाए रखने के लिए प्रयत्न करना चाहिए। आज छोटी-छोटी बातों को लेकर परिवार टूट रहे हैं। हम अधिकारों की बजाए एक-दूसरे के हितों का ध्यान रखेंगे, तभी हमारे परिवार खुशहाल और सुदृढ़ होंगे।

एक माता-पिता अपने पाँच-पाँच बच्चों को पाल पोसकर बड़ा करके योग्य बना देते हैं जबकि पाँच-पाँच बच्चे बुढ़ापे में अपने एक माता-पिता को संभालने से कतराते हैं। आज हम जितने बूढ़े दादा-दादी के प्रति लापरवाह हैं यदि हमारे बचपन में वे हमारे प्रति इतने ही लापरवाह होते तो हमारी क्या दुर्गति हो गई होती। इस बात को युवा पीढ़ी को अच्छी तरह ध्यान रखना चाहिए। परिवार में ब्याह कर आई नई बहू को चाहिए कि जितने उम्र का पति उसे मिला है कम से कम उतने साल तो सास-ससुर का फर्ज मानकर उन्हें निभा देना चाहिए। इस पीढ़ी को व्यसनमुक्त होकर अपने माता-पिता की सेवा करने, उनके प्रणाम करने के तरीको को जीवन में अपनाना चाहिए। जीवन में सदाचार को अपना कर हमें अपने विचारों को बदलना होगा। विचार जीवन का प्रतिबिंब है। संतों की संगति से अच्छे विचार आते हैं। विचार अच्छे होना हमारी जागरूकता को दशार्ता है। हमारे विचार हमारे जीवन का परिचय देते हैं। रुपया-पैसे का लालच छोड़कर हमें जीवन में धार्मिक आराधना करते रहना चाहिए। जिससे हमारा जीवन और हमारे परिवार का जीवन सार्थक होगा।

बेरोजगारी एक गंभीर समस्या, समाधान है कौशल विकास, स्वरोजगार एवं काम करने का जुनून

हरे राम पंडित

किसी व्यक्ति द्वारा सक्रियता से रोजगार की तलाश किये जाने के बाबजूद जब उसे काम नहीं मिल पाता तो यह अवस्था बेरोजगारी कहलाती है। बेरोजगारी का प्रयोग प्रायः अर्थव्यवस्था के स्वास्थ्य के मापक के रूप में किया जाता है।

बेरोजगारी दर बेरोजगार श्रमशक्ति का प्रतिशत है। श्रमशक्ति को उन सभी व्यक्तियों के रूप में परिभाषित किया जाता है जो या तो कार्यरत है या सक्रिय रूप से रोजगार की तलाश कर रहे हैं।

बेरोजगारी दर= बेरोजगार/नागरिक श्रमबल

या

बेरोजगारी दर= बेरोजगार व्यक्तियों की संख्या/(नियोजित व्यक्तियों की संख्या+ बेरोजगार व्यक्तियों की संख्या)

बेरोजगारी एक गंभीर सामाजिक एवं आर्थिक समस्या है, जो देश की प्रगति में बाधक बन सकती है। जब कोई व्यक्ति अपनी योग्यता और इच्छा के बाबजूद रोजगार प्राप्त नहीं कर पाता है, तो यह न केवल उसके जीवन को प्रभावित करता है बल्कि समाज और राष्ट्र की समृद्धि, प्रगति को बाधित कर देता है। बेरोजगारी युवाओं में अधिक देखने को मिलती है जिससे सामाजिक अस्थिरता,गरीबी और अपराध दर में वृद्धि होती है। भारत देश में यह समस्या जनसंख्या वृद्धि, शिक्षा प्रणाली की खामियों, आर्थिक अस्थिरता और टेक्नोलॉजी परिवर्तन के कारण बढ़ रही है।

तेजी से बढ़ रही जनसंख्या भारत में बेरोजगारी बढ़ाने में प्रमुख भूमिका निभाती है। अधिक लोग रोजगार बाजार में प्रवेश कर रहे हैं, जिससे प्रतिस्पर्धा बढ़ रही है। शिक्षा प्रणाली में तकनीकी और व्यवसायिक प्रशिक्षण की कमी एक गंभीर समस्या है। कई छात्र डिग्री तो प्राप्त कर लेते हैं लेकिन उद्योगों की आवश्यकताओं के अनुरूप कौशल विकसित नहीं कर पाते हैं और रोजगार से बंचित रह जाते हैं। इंडिया स्किल रिपोर्ट 2022 के मुताबिक भारत के इंजीनियर्स में 55.15% ही रोजगार पाने लायक यानी एटढछड -अइछए हैं। यानी करीब 45% इंजीनियरिंग ग्रेजुएट्स के पास नौकरी पाने लायक स्किल्स ही नहीं हैं। चिंताजनक स्थिति है।

आर्थिक मंदी और औद्योगिकिकरण की धीमी गति भी बेरोजगारी को बढ़ावा देती है।जब अर्थव्यवस्था कमजोर होती है तो कंपनियां नयी नौकरी देने से परहेज करती है। वहीं ग्रामीण क्षेत्रों में कृषि पर अधिक निर्भर होना भी एक बड़ी समस्या है, क्यों कि कृषि क्षेत्र पूरे बर्ष रोजगार प्रदान नहीं कर सकता।

भारत में कई प्रकार की बेरोजगारी है।

1) संरचनात्मक बेरोजगारी: नौकरी की इच्छा रखने वाले लोगों के कौशल और नौकरी दाता द्वारा मांग की गई कौशल का न मिल पाना।

2) चक्रीय बेरोजगारी: व्यापार चक्रों में उतार चढाव के परिणामस्वरूप, आर्थिक मंदी के समय अस्थाई रूप से नौकरी छूट जाती है।

3) मौसमी बेरोजगारी: कृषि और निर्माण जैसे कार्य में लोगों को मौसम परिवर्तनों के साथ रोजगार के उतार चढ़ाव का सामना करना पड़ता है।

4) शैक्षणिक बेरोजगारी: यह तब उत्पन्न होती है जब शिक्षित व्यक्ति को अपनी योग्यता के अनुसार नौकरी नहीं मिल पाती है और उन्हें मजबूरन बेरोजगार रहना पड़ता है।

बेरोजगारी समाज और देश के विकास में बाधक बनने के साथ साथ और कयी गंभीर समस्या उत्पन्न करती है। नौकरी नहीं मिलने पर युवा गलत रास्ता अख्तियार कर लेते हैं, जिससे चोरी, डकैती और अन्य अपराधों में वृद्धि हो जाती है। लम्बे समय तक बेरोजगार रहने के कारण युवाओं में आत्मविश्वास की कमी, डिप्रेशन का असर, यहां तक कि उन्हें आत्महत्या करने को मजबूर कर देता है। बेरोजगारी का अत्यधिक बढ़ जाना तो राजनीतिक अस्थिरता पैदा कर देता है। कौशल का दुरुपयोग होने लगता है और राष्ट्र की समृद्धि और प्रगति में बाधा होने लगती है।

एक महत्वपूर्ण विषय जो बेरोजगारी से जुड़ा समझा जाता है,जो कि अर्ध सत्य है,वह है रोजगार मतलब नौकरी। बिहार, झारखंड, उत्तरप्रदेश, एवं देश के कुछ अन्य हिस्सों में नौकरी का मतलब सिर्फ और सिर्फ सरकारी नौकरी है। यह सोच भी बेरोजगारी में बढ़ोतरी ही करता है। यहां यह उल्लेख करना आवश्यक है कि रोजगार का मतलब स्व रोजगार अथवा अपना खुद का काम शुरू करना और अर्थ अर्जन करने के साथ साथ दूसरों को भी रोजगार देना।

यह कटु सत्य है कि अभी के दौर में जिस व्यक्ति के पास अपना किसी कार्य क्षेत्र में कौशल है, हूनर है उसे काम की कोई कमी नहीं है। वैसे कुशल व्यक्ति नौकरी भी करते हैं साथ साथ वे कभी भी नौकरी छोड़ देते हैं और अपना रोजगार, व्यापार शुरू कर लेते हैं। देश विकास कर रहा है। अनेकों क्षेत्र हैं जैसे भवन निर्माण, सड़क निर्माण, रेलवे में आधुनिकीकरण का काम, आटोमोबाइल क्षेत्र में तेजी से विकास होने के कारण स्किल्ड टेक्निशियन के लिए काम, हवाई सेवा से जुड़े काम, बन्दर गाह निर्माण,व विकास से जुड़े कार्यों में कौशल/ हूनर रखने वाले व्यक्तियों के लिए रोजगार की कोई कमी नहीं है। निर्माण कार्य में प्लम्बर, इलेक्ट्रिशियन,मैशन,वाटर पाइप लाइन का काम, नये नये तकनीक वाले बाथ रूम फिटिंग्स, बिजली गैजेट्स का काम सहित अनेकों कार्य हैं जिसके लिए कुशल जानकार व्यक्ति की कमी है।जो वर्ग, समुदाय, अपनी कार्य कौशलता में विकास कर रहा है वह आगे बढ़ रहा है।वह बेरोजगारी का रोना नहीं रो रहा है।

स्किल डेवलपमेंट के साथ साथ भारत सरकार युवाओं के लिए बहुत सारे योजनाओं को लागू किया है,उसका लाभ युवा उठाएं और नौकरी अथवा स्वरोजगार करें। प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना के तहत युवाओं को उद्योगों की जरूरत के अनुसार प्रशिक्षण दिया जाता है जिससे वे बेहतर नौकरियां पा सकें।

मुद्रा योजना के माध्यम से स्वरोजगार को बढ़ावा दिया जा रहा है ताकि लोग खुद का व्यवसाय शुरू कर सकें।

मेक इन इंडिया और स्टार्टअप इंडिया जैसी योजनाओं से नये उद्योगों को प्रोत्साहित किया जा रहा है, जिससे रोजगार के अवसर बढ़ रहे हैं।

महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) के तहत ग्रामीण क्षेत्रों में 100 दिनों का रोजगार सुनिश्चित किया जाता है। इसके अलावा राष्ट्रीय शिक्षुता प्रोत्साहन योजना, प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम और डिजिटल इंडिया जैसी पहलें भी बेरोजगारी कम करने में सहायक हैं।

विश्वकर्मा कौशल सम्मान योजना या विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना भारत सरकार की महत्वाकांक्षी योजनाओं में से एक है। इस योजना के लिए 13,000 करोड़ रुपए का आवंटन किया है।पी एम विश्वकर्मा योजना के तहत आने वाले कारीगरों, शिल्पकारों, आदि को पी एम विश्वकर्मा सर्टिफिकेट और आई डी कार्ड प्रदान किया जाएगा। इसके लिए रजिस्ट्रेशन फ्री है।

पी एम विश्वकर्मा योजना के तहत पारंपरिक कारीगरों व हस्तशिल्प कारों को ट्रेनिंग दी जाती है साथ में 500 रुपए प्रति दिन के हिसाब से भत्ता भी दिया जाता है।15 हजार रुपए की टूल किट दी जाती है।यही नहीं अपने काम को बढ़ाने के लिए 3 लाख रुपए तक का लोन भी दिया जाता है जिसके ब्याज का एक हिस्सा सरकार खुद भरती है।

इस तरह सरकार द्वारा चालू की गई सारी योजनाएं लाभप्रद हैं, युवाओं के हित में है, जरूरत है युवाओं को अपने अन्दर आत्म विश्वास के साथ साथ कौशल विकास करने का, अपने हाथ से काम करने का, एवं बेरोजगारी के जाल से बाहर निकल कर रोजगार, स्वरोजगार करने का।

बेरोजगारी जैसी समस्या के समाधान के लिए शिक्षा प्रणाली में सुधार, स्वरोजगार को बढ़ावा, औद्योगिकीकरण में तेजी और सरकारी योजनाओं को प्रभावी तरीके से लागू करने की जरूरत है। यदि सरकार और समाज मिलकर इस दिशा में प्रयास करे तो बेरोजगारी की समस्या को काफी हद तक कम किया जा सकता है।

ज़िंदगी मंच पर थी, मौत ने पर्दा गिरा दिया!

सोनम लववंशी

हर दिन के उजाले में हम जीवन का उत्सव मनाते हैं, पर हमें यह अहसास तक नहीं कि मृत्यु अब हमारी परछाई से भी तेज रफ्तार से हमारे करीब आ रही है। महाराष्ट्र के धाराशिव में मंच पर अचानक गिरी वर्षा खरात की मौत कोई अकेली घटना नहीं है, यह उस अदृश्य महामारी की गूंज है जो कोविड के बाद हमारे समाज में मौन पांव पसार रही है। सड़कों पर चलते, खेलते, नाचते, बोलते – हम जिन्दगी के सामान्य क्षणों को जीते हुए जैसे मौत से एक अनदेखा समझौता कर बैठे हैं। विडंबना यह है कि एक असामान्य परिस्थिति को भी हम सामान्य मानने लगे हैं। कोरोना वायरस ने केवल शरीर पर वार नहीं किया, उसने समाज की मानसिकता और सरकार की प्राथमिकताओं पर भी गहरा घाव किया है। कोरोना के बाद की यह अचानक गिरने, धड़कन थम जाने वाली घटनाएँ वास्तव में पोस्ट कोविड सिंड्रोम का विकराल चेहरा हैं। मेडिकल साइंस के अनुसार, कोविड के संक्रमण ने शरीर के अंदर सूक्ष्म रक्त वाहिनियों में थक्के बनाने की प्रवृत्ति को बढ़ा दिया। यह स्थिति कई बार बिना किसी पूर्व लक्षण के जानलेवा साबित हो रही है। हार्ट अटैक, कार्डियक अरेस्ट, माइक्रोथ्रोम्बस, ब्रेन स्ट्रोक – ये सब एकदम से हमला कर रहे हैं और अक्सर इतने तेजी से कि चिकित्सा सहायता भी समय पर नहीं पहुंच पा रही।

भारत में कोविड के बाद कार्डियक मौतों में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई है। इंडियन मेडिकल एसोसिएशन के आंकड़े बताते हैं कि 2020 से 2024 के बीच अचानक कार्डियक अरेस्ट के मामलों में 28 प्रतिशत तक इजाफा हुआ है। 30 वर्ष से कम उम्र के युवाओं में यह वृद्धि 15 प्रतिशत के करीब है। लेकिन यह आंकड़े अखबार के किसी कोने में दबे रह जाते हैं, उन पर न तो नीतिगत बहस होती है, न ही कोई राष्ट्रीय आपात चेतावनी जारी होती है। आखिर क्यों? हकीकत यह है कि सरकार और प्रशासन महामारी के बाद इस स्वास्थ्य आपातकाल को लेकर उतने सतर्क नहीं हैं, जितनी गंभीरता की आवश्यकता है। सार्वजनिक स्थलों पर इमरजेंसी मेडिकल सुविधाओं का अभाव, प्रशिक्षित मेडिकल स्टाफ की कमी, और तत्काल जीवनरक्षक उपकरणों स्वचालित बाह्य डिफिब्रिलेटर (एईडी मशीनों) की अनुपलब्धता हमारी व्यवस्था की ढुलमुल मानसिकता का प्रमाण हैं। किसी समारोह, कॉलेज फंक्शन या सार्वजनिक कार्यक्रम में सुरक्षा का मतलब केवल भगदड़ रोकने तक सीमित कर दिया गया है, स्वास्थ्य संबंधी आकस्मिकताओं के लिए तैयारियां अब भी हास्यास्पद रूप से अपर्याप्त हैं, और समस्या केवल चिकित्सा व्यवस्था तक सीमित नहीं है। हमारे समाज की सामूहिक चेतना पर भी प्रश्नचिन्ह है। महामारी के बाद लोग जैसे स्वास्थ्य को लेकर उदासीन हो गए हैं। अनियंत्रित खानपान, बढ़ता मानसिक तनाव, जीवनशैली में असंतुलन शरीर को अंदर से खोखला कर रहे हैं। अफसोस यह है कि स्वास्थ्य जांच, जो जीवन रक्षक सिद्ध हो सकती है, उसे हम आज भी या तो अनावश्यक खर्च समझते हैं या टालते रहते हैं।

मीडिया, जो समाज का चौथा स्तंभ कहलाता है, वह भी इन खबरों को मात्र सनसनी बनाकर छोड़ देता है। वीडियो वायरल होते हैं, चंद घंटों तक चर्चा होती है, फिर सबकुछ भुला दिया जाता है। सवाल यह है कि क्या हमारी संवेदना इतनी कमजोर हो गई है कि एक युवा लड़की का मंच पर गिरकर मर जाना भी केवल एक वायरल क्लिप बन कर रह जाए? ऐसे में समय आ गया है कि हम सामूहिक जागरूकता का अभियान छेड़ें। सरकार को चाहिए कि वह कोविड पश्चात स्वास्थ्य प्रभावों पर राष्ट्रीय स्तर पर शोध प्रकल्प आरंभ करे और उसकी रिपोर्ट सार्वजनिक करे। स्कूलों, कॉलेजों, दफ्तरों, और सार्वजनिक स्थलों पर इमरजेंसी मेडिकल किट और प्रशिक्षित कर्मियों की अनिवार्यता हो। हर व्यक्ति के लिए वार्षिक स्वास्थ्य जांच को प्राथमिकता दी जाए, खासकर हृदय और रक्त प्रवाह से जुड़ी बीमारियों की जांच। यह केवल एक स्वास्थ्य का मामला नहीं है, यह समाज की नैतिक जिम्मेदारी भी है। हमें यह स्वीकार करना होगा कि हम एक ऐसी साइलेंट महामारी के बीच जी रहे हैं, जिसे अगर हमने गंभीरता से नहीं लिया, तो हर दिन किसी मंच से, किसी सड़क पर, किसी दफ्तर में – जीवन का यह दीपक यूं ही बुझता रहेगा। मौत अब अप्रत्याशित नहीं रही, वह हमारे दरवाजे पर दस्तक दे रही है।

स्वामी, प्रकाशक और मुद्रक डा0 सरवर जमाल ने आर0 डी0 प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स प्रा0 लि0 प्लाट नं0 16-17 पाटलिपुत्रा इंडस्ट्रीयल एरिया, रोड नं0 झ्र 09 पटना झ्र 800013 से छपवाकर कार्यालय 203 बी, ब्लाक रंजीत रेसीडेंसीज, साकेतपुरी, मछली गली, राजा बाजार पटना- 800014 से प्रकाशित किया ।सम्पादक: श्रीमती शबाना प्रवीन पी0 आर0 बी0 एक्ट के तहत खबरों की जिम्मेवार मैनेजिंग एडिटर: डा0 राजीव कुमार, स्थानीय सम्पादक: डा0 नूतन कुमारी, उप सम्पादक: तबस्सुम नवाज PRGI NO:- BIHHIN/2023/86924 E-mail- Newsindogulf730@gmail.com,Mob-9472871824/8544031786 समस्त विवादों का निवारण पटना न्यायालय के अधीन ही होंगे।

धनुष की इन आगामी फिल्मों में दिखेगा जबरदस्त एक्शन और रोमांस

इटली कड़ाई और कुबेर में धनुष अलग-अलग किरदारों में नजर आएंगे, वहीं डी55 और डी56 उनके फैंस के लिए बड़े सरप्राइज हो सकता है। इसके अलावा, तेरे इश्क में एक रोमांटिक फिल्म होगी, जिसमें धनुष का नया अंदाज देखने को मिलेगा। फैंस इन फिल्मों का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

इटली कड़ाई

इटली कड़ाई एक इमोशनल ड्रामा फिल्म है, जिसे धनुष खुद डायरेक्ट कर रहे हैं और इसमें नित्या मेनन भी नजर आएंगी। यह फिल्म 1 अक्टूबर 2025 को रिलीज होगी। फिल्म में धनुष और अरुण विजय मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। इडली कढ़ाई का संगीत प्रसिद्ध जीवी प्रकाश कुमार ने तैयार किया है।

कुबेर

कुबेर एक अलग अंदाज की फिल्म है, जो जून 2025 में सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म का निर्देशन शेखर कम्मुला ने किया है। फिल्म में धनुष के अलावा रश्मिका मंदाना मुख्य भूमिका में नजर आएंगी। फिल्म का निर्माण पुष्कर राम मोहन राव, नारायण दास कर रहे हैं।

तेरे इश्क में

तेरे इश्क में एक रोमांटिक थ्रिलर फिल्म है, जिसकी झलक फैंस को पहले ही पसंद आ चुकी है। इस फिल्म में धनुष के साथ पहली बार कृति सेनन की जोड़ी नजर आने वाली है। फिल्म की झलक देखने के बाद फैंस इस फिल्म की रिलीज का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

डी55

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, ष55 एक ड्रामा तमिल फिल्म है, जिसका निर्देशन राजकुमार पेरियासामी कर रहे हैं। फिल्म की स्टार कास्ट में धनुष मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। डी55 फिल्म 31 अक्टूबर 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज हो सकती है।

साउथ के बारे में चाहत खन्ना का चौंकाने वाला खुलासा

एक्ट्रेस चाहत खन्ना ने हाल ही में साउथ इंडस्ट्री के बारे में एक चौंकाने वाला खुलासा किया है। एक्ट्रेस ने साउथ फिल्म इंडस्ट्री का काला चिट्ठा खोलते हुए कहा है कि वहां कॉन्ट्रैक्ट में साफ-साफ लिखा होता है कि एक्टर, डायरेक्टर, प्रोड्यूसर के साथ कॉम्प्रोमाइज करना होगा। चाहत खन्ना ने इस बात का खुलासा हाउटरफ्लाई के साथ बातचीत के दौरान किया। एक्ट्रेस ने साउथ फिल्म इंडस्ट्री में कास्टिंग काउच पर खुलासा करते हुए बताया कि वहां काम करने से पहले ही कॉम्प्रोमाइज के बारे में पूछ लिया जाता है। उन्होंने कहा कि यह सारी चीजें वहां सरेआम होती हैं। कान्ट्रैक्ट साइन करने से पहले ऐसी बातें आपस में हो ही जाती है। कान्ट्रैक्ट में साफ लिखा होता है आपको कॉम्प्रोमाइज करना होगा।

चाहत खन्ना ने बॉलीवुड में कास्टिंग काउच के बारे बात की। एक्ट्रेस ने कहा कि बॉलीवुड में भी ऐसा होता है, लेकिन यहां के तरीके कुछ अलग है। यहां अलग तरीके से एक्ट्रेस से पूछा जाता है। जब भी कोई नया एक्टर आता है तो उन्हें इन सभी चीजों का सामना करना पड़ता है। हालांकि चाहत खन्ना कहती है कि उनके साथ कभी ऐसा कुछ नहीं हुआ। चाहत खन्ना अक्सर अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर चर्चा में बनी रहती हैं। हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान एक्ट्रेस ने बताया कि उन्हें बचपन में मोलेस्ट किया जा चुका है। एक्ट्रेस ने कहा था- जब मैं बहुत छोटी थी, तब एक अंकल अपनी गोद में बिठाकर चॉकलेट देते हैं। तब इतनी समझ नहीं थी, दो साल साल के बाद मुझे रियलाइज हुआ मेरे साथ क्या हुआ था। चाहत खन्ना अब कम ही छोटे पर्दे पर नजर आती हैं। एक्ट्रेस ने बताया कि कोई उनके साथ काम नहीं करना चाहता है। उन्होंने इंडस्ट्री में तलाक को लेकर बन चुकी सोच को लेकर बात की। उन्होंने कहा कि बहुत से लोग उनके साथ काम नहीं करना चाहते हैं।

बता दें कि एक्ट्रेस का दो बार तलाक हो चुका है। उनकी पहली शादी ज्यादा लंबी नहीं चली थी। महज 4 महीने के अंदर ही उन्होंने तलाक ले लिया था। फिर उन्होंने अपनी जिंदगी की नई शुरुआत की और दोबारा शादी की, लेकिन वह शादी भी लंबे समय तक नहीं चली और तलाक हो गया। चाहत कहती हैं कि तलाक और सेपरेशन कभी भी आसान नहीं होते, खासकर तब जब बच्चे हों। उन्होंने आगे कहा- मेरा दूसरा तलाक बहुत मुश्किल था। मेरी एक बेटी फरहान के साथ रहती है और एक मेरे साथ रहती है।

रिद्धिमा कपूर के साथ पर्दे पर नजर आएंगे कपिल शर्मा

कपिल शर्मा इन दिनों अपने ट्रांसफॉर्मेशन की वजह से लगातार चर्चा में बने हुए हैं। अब उनके वजट घटाने के पीछे की कहानी भी पता चल गई है। रिपोर्ट के मुताबिक कपिल ने अपनी आगामी फिल्म के लिए अपना वजन घटाया है। खास बात यह है कि इस फिल्म रिद्धिमा कपूर साहनी भी नजर आने वाली हैं। फिल्म का निर्देशन आशीष आर मोहन करेंगे। फिलहाल फिल्म का नाम अभी तय नहीं हो सका है। आने वाले समय में इस फिल्म की आधिकारिक घोषणा की उम्मीद की जा रही है।

क्या बिपाशा बसु फिल्म 'रेस 4 का हिस्सा बनेंगी?

बिपाशा बसु फिल्म 'रेस (2008)' में सैफ अली खान के अपोजिट नजर आईं। हाल ही में 'रेस 4' को लेकर काफी चर्चा रही। इसी बीच बिपाशा ने भी एक सोशल मीडिया पोस्ट की। इस पोस्ट के जरिए आखिर बिपाशा क्या बताना चाहती हैं? क्या वह भी फिल्म 'रेस 4' का हिस्सा हैं?
बिपाशा बसु ने हाल ही में इंस्टाग्राम पेज के स्टोरी सेक्शन में फिल्म 'रेस' का गाना 'रेस सांसों कीज' को साझा किया। इस गाने में वह डांस कर रही हैं, साथ ही कैटरीना कैफ भी इसमें नजर आ रही हैं। इस गाने को बिपाशा एक बार फिर से क्यों याद कर रही हैं? इसको लेकर बिपाशा ने कोई भी कैप्शन या मैसेज नहीं लिखा है। ऐसा लगता है कि वह फिल्म 'रेस 4' के मेकर्स को हिंट देना चाहती हैं। क्या एक्ट्रेस दोबारा से इस फिल्म का हिस्सा बनना चाहती हैं?

सोनिया का किरदार निभाया था

फिल्म 'रेस (2008)' में बिपाशा बसु ने सोनिया का किरदार निभाया था। फिल्म में सैफ अली खान, अक्षय खन्ना, कैटरीना कैफ, अनिल कपूर नजर आए थे। हाल ही में खबर थी 'रेस 4' में एक नई एंट्री होने वाली है। मेकर्स ने भी कंफर्म किया कि फिल्म में सैफ अली खान के अलावा सिद्धार्थ मल्होत्रा भी नजर आएंगे। बाकी किसी दूसरे एक्टर के नाम पर फिल्म मेकर्स ने मुहर नहीं लगाई है।

बिपाशा लंबे वक्त से ब्रेक पर हैं

बिपाशा बसु की बात की जाए तो वह करण ग्रोवर के साथ शादी करने के बाद से ही फिल्मों में कम नजर आने लगी हैं। बेटी देवी के जन्म के बाद तो वह फिल्मों में दिखीं ही नहीं। हो सकता है कि फिल्म 'रेस' का गाना शेयर कर, बिपाशा फिर से फिल्मों में वापसी की चाहत रख रही हों।

ग्लैमरस किरदारों के लिए जानी गईं बिपाशा

बिपाशा बसु ने अपने करियर में 'अजनबी', 'राज', 'जिस्म' अलोन, नो एंट्री, फुटपाथ, अपहरण, बचना ए हसीनों जैसे कई अलग-अलग जॉनर की फिल्मा में अभिनय किया है। अधिकतर फिल्मों में उनका ग्लैमरस अंदाज ही नजर आया, जिसे दर्शकों ने पसंद भी किया।

फिर हेरा फेरी से लेकर हाउसफुल 2 तक, इन फिल्म दूसरे भाग में छाए अक्षय कुमार

बॉलीवुड के खिलाड़ी अक्षय कुमार की फिल्में हर बार उनके फैंस के दिलों पर छा जाती हैं। वह ऐसी कई सीक्वल फिल्मों में नजर आ चुके हैं, जिन्होंने दर्शकों का खूब मनोरंजन किया। उनकी ब्लॉकबस्टर फिल्म केसरी का दूसरा चैप्टर जल्द ही दर्शकों के लिए रिलीज होने जा रहा है।

हाउसफुल 2

जब बात कॉमेडी की आती है तो हाउसफुल 2 का जिक्र जरूरी है। इस फिल्म में अक्षय कुमार ने जबरदस्त अभिनय किया था, जो गलतफहमियों और मजेदार सिचुएशन्स में फंसता चला जाता है। अक्षय के साथ रितेश देशमुख, जॉन अब्राहम भी फिल्म में नजर आए थे।

फिर हेरा फेरी

फिर हेरा फेरी तो हर कॉमेडी प्रेमी की फेवरेट लिस्ट में शुमार है। इस फिल्म में अक्षय कुमार ने राजू का किरदार निभाया था जो अपने दोस्तों श्याम (सुनील शेट्टी) और बाबूराव (परेश रावल) के साथ पैसा कमाने के चक्कर में उलझ जाता है। इन तीनों की तिकड़ी ने ऐसा धमाल मचाया कि फिल्म के डायलॉग्स आज भी लोगों की जुबान पर हैं।

ओएमजी 2

ओएमजी 2 में अक्षय कुमार ने एक अलग ही अंदाज में दर्शकों का दिल जीता था। इस फिल्म में उन्होंने भगवान शिव के दूत का किरदार निभाया था, जो एक आम आदमी की जिंदगी में बदलाव लाता है। फिल्म ने शिक्षा और धर्म जैसे गंभीर मुद्दों पर बात की गई है, लेकिन इसे इतने सहज और मनोरंजक तरीके से पेश किया गया कि हर कोई इससे जुड़ गया।

जॉली एलएलबी 2

जॉली एलएलबी 2 में अक्षय ने वकील जगदीश्वर मिश्रा उर्फ जॉली का किरदार निभाया था। फिल्म में उसकी जिंदगी में आने वाला एक केस उसे कानूनी व्यवस्था की खामियों से रूबरू कराता है। अक्षय ने इस किरदार को इतने हल्के-फुल्के अंदाज में निभाया कि दर्शक हंसते-हंसते गंभीर मुद्दों को भी समझ गए।

हमारे परिवार के साथ और भी बुरा हो सकता था, पर अब हम अलर्ट हैं

रंग दे बसंती, आहिस्ता आहिस्ता, खोया खोया चांद और साहब बीवी और गैंगस्टर जैसी फिल्मों और कौन बनेगी शिखरवती और हश हश जैसी वेब सीरीज में नजर आने वाली सोहा अली खान को अपने फिल्मी खानदान से परे अपनी पहचान बनाने के लिए काफी मशक्कत करनी पड़ी, मगर आखिरकार उन्होंने अपनी जमीन पुख्ता की। इन दिनों वह चर्चा में हैं हॉरर फिल्म छोरी 2 को लेकर, जिसमें वह हॉरर रोल में हैं। इस मुलकात में उन्होंने अपनी फिल्म, भाई सैफ अली खान पर हुए अटैक, मदरहुड, सोशल मीडिया और हॉरर जॉनर जैसे कई मुद्दों पर बेबाक राय रखी।

सोहा पिछले दिनों आपके परिवार के साथ जो हादसा हुआ, उसने आप लोग को और ज्यादा अलर्ट हुए? क्या प्रभाव पड़ा?

सोहा अली खान बोलीं-अलर्ट तो हम हैं ही। मेरा मानना है कि कभी -कभी दुर्भाग्य से ऐसी चीजें हो जाती हैं। बस यही कामना करती हूं कि और ज्यादा बुरा नहीं हुआ। इससे बुरा भी हो सकता था। जो कुछ हुआ एक हद तक हुआ, तो इसके लिए हम खुशकिस्मत महसूस करते हैं। सब ठीक है। शुक्रगुजार हैं कि वो काम पर लौट आए हैं।

आप सात साल की बेटी इनाया की मां हैं। आप मदरहुड और काम के बीच संतुलन कैसे बनाए रखती हैं?

आप देख ही रही हैं कि इस जूम इंटरव्यू में मुझे अपने डॉग को भी संभालना पड़ रहा है। आपने जूम इंटरव्यू के दौरान देखा कि कैसे बेल बजने पर वो भौंक रहा है। घर पर कोई नहीं है। देखिए हम सभी महिलाएं बहुत कुछ करती हैं, मगर साथ ही ये स्वीकार करना होगा कि हम सब महिलाएं एक समय में सबको सब कुछ नहीं दे सकतीं। कई बार हम उतनी परफेक्ट नहीं हो पातीं। मुझे याद है, एक सीन की शूटिंग के दौरान मेरी बेटी इनाया को काफी तेज बुखार हो गया था। मैं सफेद लेंसेज पहन रही थी और डॉक्टर के मेसेजेस आ रहे थे, मगर उन्हें पढ़ नहीं पा रही थी, क्योंकि सफेद लेंस पहनने के बाद आपको दिखता नहीं है। मैं उसे वक्त डॉक्टर से बात करने की कोशिश कर रही थी। वो मेरे लिए बहुत ही तनावपूर्ण था।

क्या ये सच है कि अपनी फिल्म के भयानक हॉरर गेटअप के कारण आप अपनी बेटी इनाया से दूर रहीं और आपके पति कुणाल खेमू (अभिनेता - निर्देशक) भी आपसे दूर-दूर रहे?

मैंने अपने ऐसे बहुत सारे विडियोज लिए हैं, जिसमें साफ दिख रहा है कि कुणाल खेमू मेरा कॉल नहीं ले रहे हैं (हंसती हैं) मेरा जब मेकअप उतर जाता, उसी के बाद कुणाल मुझसे बात करते थे। इनाया का जब सोने का समय होता था, तो मैं फिल्म छोरी 2 की शूटिंग से उसे हमेशा विडियो कॉल करती हूं। यह मेरा रूटीन है। मगर इस फिल्म की शूटिंग के दौरान मैं उसे विडियो कॉल नहीं कर पाती थी, फेस टाइम नहीं कर पाती थी। वो मासूम मुझसे पूछती मम्मा, आप अपना फेस क्यों नहीं दिखा रही हो, तब मुझे उसे बताना पड़ा कि इस फिल्म में मेरा मेकअप अलग है और मैं एक इविल किरदार निभा रही हूं। वो किताबें पढ़ती हैं और उन्हें गुड और इविल के बारे में जानकारी है, मगर वो बहुत ही जिज्ञासु हो गई, तब एक दिन मुझे उसे अपना गेटअप दिखाना पड़ा। अब तो मेरी इस फिल्म की एक होर्डिंग इनाया के बैडरूम की खिड़की के बाहर ही लगा हुआ है।

आज सोशल मीडिया हमारे लिए जरूरी भी है, मगर साथ ही ये कई बार हमारे साथ -साथ हमारे बच्चों के लिए नुकसानदायक भी होता जा रहा है, आप अपने सोशल मीडिया को कैसे हैंडल करती हैं?

मैं अपने सोशल मीडिया को बहुत ही आसानी से हैंडल कर लेती हूं, क्योंकि मैं इसमें बहुत ज्यादा गहराई में नहीं जाती। बहुत सारे लोग इंस्टाग्राम पर 24 घंटे रहते हैं, मेरी पास वो समय नहीं होता। मैं एक व्यक्ति के रूप में भी काफी अनुशासित हूं, तो मैं इस माध्यम एक इस्तेमाल कभी अपने काम को प्रमोट, अपना एंडोर्समेंट साझा या फिर अपनी निजी बात को शेयर करने के लिए करती हूं। मैं ये भी समझती हूं कि इंस्टाग्राम पर सब कुछ रियल नहीं होता। लोग अच्छी-अच्छी चीजें ही पोस्ट करते हैं, बुरी चीजें शेयर नहीं करते, मगर मैं लोगों को जज नहीं करती। हां, लोग मुझे जज करते हैं। कई बार बुरे-बुरे कमेंट्स करते हैं, अजीब किस्म की बातें लिखते हैं, मगर मुझे इससे फर्क नहीं पड़ता।

क्या आप मानती हैं कि बीते सालों में फिल्मों में जो हॉरर का जो स्पेस है, वो री डिफाइन हुआ है? पहले हॉरर छुपकर देखना पड़ता था, अब परिवार के साथ देख सकते हैं?

मैंने आज तक इतना हॉरर कन्ज्यूम नहीं किया है। मैं हॉरर काम देखती हूं, क्योंकि मुझे लगता था कि हॉरर शायद परिवार के साथ नहीं देखा जा सकता। मैं हॉरर को हॉरेक्स (हॉरर और सेक्स का मिश्रण) जॉनर में सोचा करती थी। मैंने कभी सोचा नहीं था कि मैं किसी हॉरर फिल्म का हिस्सा बनूंगी और डरावनी फिल्म में भूतिया रोल प्ले करूंगी। हमारी फिल्म को बनाने वाली पूरी टीम का इंटेंशन यही था कि हम इसे इंटरनेशनल स्तर पर ले जाएं।

मुम्बई और सनराइजर्स के बीच मुकाबला आज

नई दिल्ली (एजेंसी)। मुंबई (ईएमएस)। मुंबई इंडियंस की टीम गुरुवार को अपने घरेलू मैदान पर सनराइजर्स हैदराबाद का मुकाबला करेगी। इस मैच में दोनो ही टीमें जीत के लिए पूरी ताकत लगा देंगी। मुम्बई को अपने घरेलू मैदान का लाभ मिलेगा जिससे उसका पलड़ा भारी नजर आता है। वानखेड़े स्टेडियम की पिच बल्लेबाजों के अनुकूल रही है, लेकिन गेंदबाज भी इससे मिलने वाली उछाल का फायदा उठाने की कोशिश करेंगे। मुम्बई को जीत के लिए सनराइजर्स के बल्लेबाजों को बड़े स्कोर बनाने से रोकना होगा। टीम इस मैच में अपने मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद करेगी पिछले मैच में बुमराह अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाये थे। बुमराह की गेंदों पर दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ मैच में काफी रन बने। ऐसे में सनराइजर्स के आक्रामक बल्लेबाज ट्रेविस हेड, अभिषेक शर्मा, ईशान किशन और हेनरिक क्लासेन उनपर बड़े शॉट लगाने का पूरा प्रयास करेंगे।

मुंबई की परेशानी अपने स्टार बल्लेबाज रोहित शर्मा का फार्म में नहीं होना भी है। रोहित अभी तक पांच मैचों में एक बार भी बड़ा स्कोर नहीं बना पाये। वह अब तक केवल 56 रन बना पाए हैं। इससे मुंबई की टीम का प्रदर्शन भी खराब रहा है और वह अभी तक केवल दो मैच जीत जीत कर अंक तालिका में सातवें स्थान पर है।

मुंबई इंडियंस की की बल्लेबाजी अभी तक इस सत्र में सूर्यकुमार यादव और तिलक वर्मा पर ही आधारित रही है पर अगर टीम को जीत दर्ज करनी है तो अन्य बल्लेबाजों को भी रन बनाने होंगे। वहीं दूसरी ओर सनराइजर्स की टीम भी अच्छी स्थिति में नहीं है। इस बार उसके बल्लेबाज रनों के लिए संघर्ष करते दिखे हैं। पहले मैच में टीम ने 286 रन बनाये थे पर उसके बाद से ही उसके लिए 200 रनों तक पहुंचा भी संभव नहीं हुआ है हालांकि पंजाब किंग्स के खिलाफ वह 246 रन के लक्ष्य तक पहुंचने में सफल रही जिससे टीम प्रेरित होना चाहेगी। पंजाब किंग्स के खिलाफ मैच में अभिषेक ने 141 रन बनाए थे। अंक तालिका में सनराइजर्स की टीम अभी नौवें स्थान पर है।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं

मुंबई इंडियंस: हार्दिक पांड्या (कप्तान), रोहित शर्मा, रियान रिकेल्टन (विकेटकीपर), सूर्यकुमार यादव, विल जैक, तिलक वर्मा, , नमन धीर, जसप्रीत बुमराह, ट्रेंट बोल्ट, मिचेल सेंटनर, कर्ण शर्मा।

सनराइजर्स हैदराबाद: पैट कमिंस (कप्तान), अभिषेक शर्मा, ट्रैविस हेड, ईशान किशन, नीतीश कुमार रेड्डी, हेनरिक क्लासेन (विकेटकीपर), अनिकेत वर्मा, अभिनव मनोहर, मोहम्मद शमी, हर्षल पटेल, जीशान अंसारी, एहसान मलिंगा।

सुनील नारायण और एनरिक नॉर्टजे का बल्ला जांच में नहीं हुआ पास

मुल्लांपुर (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 में पंजाब किंग्स और कोलकाता नाइट राइडर्स के बीच खेले गए मुकाबले में सुनील नारायण और एनरिक नाटर्जे का बल्ला जांच में फेल रहा। आईपीएल के 31वें मुकाबले में मंगलवार को रिजर्व अंपायर सैय्यद खालिद ने कोलकाता नाइट राइडर्स की पारी शुरु होने पर सलामी बल्लेबाज नारायण का बल्ला जांचा गया।

जांच के दौरान बल्ले की चौड़ाई को एक गेज के बीच से गुजारा गया। उनका बल्ला सबसे मोटा हिस्सा गेज को पार करने में विफल रहा। इस दौरान खालिद ने नारायण के साथ खड़े रघुवंशी का बल्ला भी गौर से देखा। रघुवंशी का बल्ला इस जांच में पास रहा। पहली पारी के दौरान तीन ओवर में 14 रन देकर दो विकेट लेने वाले नारायण ने अपनी पारी में चार गेंदों में पांच रन बनाए। वहीं रघुवंशी केकेआर की ओर से 28 गेंदों में 37 रन बनाकर शीर्ष स्कोरर रहे।

केकेआर की ओर से नॉटर्जे अंतिम बल्लेबाज के रूप में मैदान में उतरे लेकिन वह जिस बल्ले के साथ मैदान में उतरे थे उसे वापिस भेज दिया गया क्योंकि टीवी कॉमेंटेटर्स के अनुसार अंपायर्स मोहित कृष्णदास और साईदर्शन कुमार की जांच में उनका बल्ला फेल हो गया।

यह घटना 16वें ओवर में हुई, इसके बाद सब्सिट्यूट रहमानउल्लाह गुरबाज नॉटर्जे के लिए अतिरिक्त बल्ले लेकर आएं। हालांकि वह इस बल्ले से एक भी गेंद नहीं खेल पाये स्ट्राइक पर खड़े आंद्रे रसल अगली ही गेंद पर बोल्ड आउट हो गए। उल्लेखनीय है कि नियमों के अनुसार किसी भी बल्ले की चौड़ाई 10.79 सेमी, मोटाई 6.7 सेमी, किनारे की चौड़ाई चार सेमी तथा लंबाई 96.4 सेमी से अधिक नहीं होनी चाहिए।

टेस्ट क्रिकेट छोड़ने की तैयारी में नहीं है रोहित शर्मा , इंग्लैंड दौरे पर कही यह बात

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा ने हाल ही में बड़ा बयान दिया है जिसमें उन्होंने सभी क्रिकेट प्रारूपों टेस्ट, वनडे और टी20 को भारत का प्रतिनिधित्व करने के लिए समान रूप से महत्वपूर्ण बताया। रोहित ने कहा कि मेरे लिए व्यक्तिगत रूप से देश का प्रतिनिधित्व करना सर्वोच्च और किसी भी प्रारूप में सबसे महत्वपूर्ण था। मैं टेस्ट क्रिकेट को टी20 क्रिकेट से ऊपर या टी20 क्रिकेट को टेस्ट क्रिकेट से ऊपर नहीं रखूंगा। मेरे लिए, तीनों प्रारूप समान रूप से महत्वपूर्ण हैं। यह बयान इंग्लैंड के खिलाफ आगामी टेस्ट सीरीज से पहले आया है, जो टी20 युग में टेस्ट क्रिकेट की प्रासंगिकता पर चल रही बहस के बीच उनके संतुलित दृष्टिकोण को दर्शाता है।

रोहित ने यह भी संकेत दिया कि भारत की तेज गेंदबाज जोड़ी जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद शमी इंग्लैंड के खिलाफ आगामी टेस्ट सीरीज में टीम का हिस्सा होंगे। रोहित ने कहा कि हम चाहते थे कि बुमराह, शमी और अन्य गेंदबाज इंग्लैंड दौरे के लिए 100 फीसदी फिट रहें। अगर हमारी टीम पूरी तरह से फिट है, तो जाहिर है कि इंग्लैंड में हमारी सीरीज शानदार होगी। इसलिए इंग्लैंड में हमारे लिए यह एक अच्छी चुनौती होगी।

बुमराह ने आखिरी बार भारत के लिए ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 5 टेस्ट मैचों की सीरीज में खेला था, जहां बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी 2024-25 के पांचवें टेस्ट में टीम की अगुआई करते हुए वह चोटिल हो गए थे। दूसरी ओर, शमी ने अपना आखिरी टेस्ट मैच 2023 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 07 जून को खेला था। तेज गेंदबाज भारत के पिछले ऑस्ट्रेलिया दौरे से चूक गए थे, क्योंकि वह वनडे विश्व कप 2023 के फाइनल के दौरान लगी चोट से उबरने की कोशिश कर रहे थे। आईपीएल 2025 के बाद टीम इंडिया को पांच टेस्ट मैचों की सीरीज के लिए इंग्लैंड का दौरा करना है, जिसकी शुरुआत 20 जून से होगी। आगामी टेस्ट सीरीज आगामी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप चक्र के लिए भारत का पहला असाइनमेंट होगा।

112 रनों के लक्ष्य का बचाव करना मेरे आईपीएल कोचिंग करियर की सर्वश्रेष्ठ जीत: पोंटिंग

मुल्लांपुर (एजेंसी)। पंजाब किंग्स के मुख्य कोच रिकी पोंटिंग ने कहा कि उनकी टीम ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) इतिहास के सबसे छोटे 112 रनों लक्ष्य का बचाव एक रिकॉर्ड है और यह उनके कोचिंग करियर की सर्वश्रेष्ठ जीत है। उल्लेखनीय है कि कोलकाता नाइट राइडर्स मंगलवार को पंजाब किंग्स के 112 रन के छोटे से लक्ष्य को भेदने में असफल रही और 95 रन के स्कोर पर पूरी टीम पवेलियन लौट गयी। पंजाब किंग्स ने 16 रनों से जीत हासिल की थी।

पोंटिंग ने इस जीत को 'सीजन का सबसे महत्वपूर्ण क्षण' बताते हुए कहा, 'अभी भी मेरे हृदय की गति बढ़ी हुई है। शायद यह 200 से ऊपर का होगी। 50 की उम्र में मैं ऐसे मैच और नहीं चाहता। यह दिखाता है कि क्रिकेट कितना मजेदार खेल है। तीन दिन पहले ही हम 246 के लक्ष्य को नहीं भेद पाये थे और तीन दिन बाद ही हमने 112 रन के स्कोर को बचा लिया। दूसरी पारी शुरू होने से पहले मैंने लड़कों से कहा था कि कई बार छोटे लक्ष्य बहुत मुश्किल होते हैं। विकेट उतना आसान नहीं था और मुझे लग रहा था कि मैच फंसेगा।'

उन्होंने आगे कहा, 'आज रात युज़वेंद्र चहल की बेहतरीन रात थी। उन्होंने शानदार स्पेल किया। आज के मैच से पहले उनका फटिनेस टेस्ट हुआ था क्योंकि पिछले मैच में उनके कंधे में चोट लग गई थी। इस मैच के अभ्यास सत्र से पहले मैंने उनकी आंखों में आंख डाला और उनसे पूछा कि 'क्या तुम ठीक हो?, उन्होंने कहा, 'हां, मैं शत-प्रतिशत ठीक हूं और मुझे खेलने का मौका।'इसके बाद उन्होंने क्या शानदार गेंदबाज़ी की।'

उन्होंने कहा, 'इस मैच में मैच-अप के कारण अर्शदीप (सिंह) की जगह माकर (यानसन) और (जेवियर) बार्टलेट ने नई गेंद संभाली। हमने बात की अगर ऐसे मैचों में जीत मिलती है तो यादगार होती है। अगर हम जीत दर्ज कर लेते हैं तो ऐसी जीत में लगभग सभी का योगदान होगा। मैंने कई आईपीएल मैचों में कोचिंग की है, लेकिन यह मेरे लिए अब तक की सर्वश्रेष्ठ जीत है।'

जहीर खान बने पापा

मुम्बई । पूर्व क्रिकेटर जहीर खान पापा बन गये हैं। उनकी पत्नी अभिनेत्री सागरिका घाटगे ने बेटे को जन्म दिया है। इस जोड़े ने सोशल मीडिया पर एक तस्वीरें साझा करते हुए ये जानकारी दी। इस तस्वीर में जहीर अपने बच्चे को गोद में लिए हुए हैं और सागरिका उनके कंधे पर हाथ रखे हुए हैं। इस खबर के बाद उन्हें प्रशंसकों से बधाई संदेश मिल रहे हैं। इ दोनों की शादी 2017 में हुई थी। इस कपल ने बेटे का नाम रखते हुए पूरे हिंदुस्तान को समाहित कर दिया। उनके बेटे का नाम फतेहसिंह खान है। उन्होंने बेटे को यह नाम क्यों दिया यह तो पता नहीं, लेकिन इस नाम के पीछे भारत में लंबा इतिहास दर्ज है। जहीर और सागरिका ने तस्वीर के साथ लिखा- प्यार, कृतज्ञता और भगवान के आशीर्वाद के साथ हम अपने अनमोल बेटे फतेहसिंह खान का स्वागत करते हैं। इस खबर के बाद कई लोगों ने उन्हें बधाई दी। अंगद बेदी ने लिखा, वाहेगुरु। हरभजन सिंह ने लिखा, आपको दोनों को बधाई। वाहेगुरु मेहर करे। हाल ही में, सागरिका घाटगे ने बताया कि उनकी प्रेम कहानी कैसे शुरू हुई। उन्होंने कहा कि जहीर उनसे बात करने में भी हिचकिचाते थे। अभिनेता अंगद बेदी ने उनकी मदद की। इसके बाद ही उनकी बातचीत शुरू हुई और 2017 में उन्होंने शादी कर ली।

महिला टीम के लिए नए फिजियो और ट्रेनर की तलाश में बीसीसीआई

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय महिला क्रिकेट टीम को जल्दी ही एक नया फिजियोथेरेपिस्ट और स्ट्रेंथ और कंडीशनिंग कोच मिलने वाले हैं जो अगले दो साल तक बेंगलुरू के उत्कृष्टता केंद्र (सेंटर आफ एक्सीलैंस) में नियुक्त होंगे। बीसीसीआई ने दोनों पदों के लिए आवेदन मंगवाए हैं।

नितिन पटेल के जाने के बाद खेल विज्ञान और मेडिसिन विभाग को भी नया प्रमुख मिलने वाला है। फिजियो और ट्रेनर उत्कृष्टता केंद्र में काम करेंगे और घरेलू तथा अंतरराष्ट्रीय प्रतिस्पर्धाओं में टीम के साथ दौरा करेंगे। फिजियो का पद आकांक्षा सत्यवंशी के जाने के बाद और स्ट्रेंथ और कंडीशनिंग कोच का पद आनंद दाते के जाने से खाली हुआ है। दोनों पदों के लिए पात्रता उन्नत जीवन सहायता (फिजियो के लिए) में, मूलभूत जीवन सहायता (ट्रेनर के लिए) में सर्टिफिकेशन कोर्स और ट्रॉमा मैनेजमेंट में डिग्री शामिल है। सर्टिफिकेशन कोर्स पिछले दो साल में ही पूरा हुआ होना चाहिए। 10 साल के अनुभव वाले फिजियो को प्राथमिकता दी जाएगी।

बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने एक विज्ञप्ति में कहा, 'खेल विज्ञान और मेडिसिन टीम के लिए ये पद अहम हैं, जो खिलाड़ियों के प्रदर्शन को बढ़ाने और प्रभावी चोट प्रबंधन और रोकथाम प्रोटोकॉल को लागू करने के लिए उच्च प्रदर्शन सहायता सेवाएं प्रदान करते हैं।'

अब हर कोई फिनिशर ही है, लेकिन छठे-सातवें नंबर पर बल्लेबाजी करना आसान नहीं : जितेश

नई दिल्ली (एजेंसी)। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू के फिनिशर जितेश शर्मा ने कहा कि निचले क्रम पर बल्लेबाजी से उनके लिए अपनी पारियों की अहमियत बढ़ गई है और अब वह 30 या 40 के स्कोर को भी अर्धशतक मानते हैं। जितेश आईपीएल 2025 में अक्सर छठे नंबर पर उतर रहे हैं। उन्होंने मुंबई इंडियंस के खिलाफ कुछ दिन पहले मिली जीत में 19 गेंद में 40 रन बनाए थे।

उन्होंने आरसीबी बोल्ड डायरीज के ताजा एपिसोड में कहा, 'अब हर कोई फिनिशर ही है। लेकिन छठे सातवें नंबर पर बल्लेबाजी करना आसान नहीं है क्योंकि जब से फिनिशर की भूमिका निभा रहा हूं, मैने अर्धशतक नहीं लगाया है। पहले मैं अर्धशतक और शतक लगाता था।'

उन्होंने कहा, 'कोई भी उपलब्धि हासिल करने पर बल्ला उठाना अच्छा लगता था। लेकिन जब से फिनिशर बना हूं, अर्धशतक भी नहीं लगाया। 30 रन, 20 गेंद, 40 रन।' उन्होंने कहा, 'अब ये स्कोर ही पचास के जैसे हैं। अगर आप 30 गेंद में 60 या 70 रन बना रहे हैं तो यह शतक जैसा है। मैं खुश हूं अगर टीम जीत रही है तो।' जितेश ने कहा कि विकेटकीपर होने से उन्हें पिच और विरोधी बल्लेबाज को बेहतर समझने में मदद मिलती है। उन्होंने कहा, 'आपका दिमाग थक जाता है। फायदा यह है कि आप वहां से खेल पर नियंत्रण कर सकते हैं। आपको पता चल जाता है कि आपकी टीम के गेंदबाज इस विकेट पर क्या कर सकते हैं। आप दूसरी टीम के बल्लेबाजों को भांप सकते हैं।'

विराट ने कई पोस्ट हटाने पर दिया ये जवाब

मुम्बई । आजकल आईपीएल खेल रहे भारतीय टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली ने अचानक ही अपने अकाउंट से प्रमोशन, पेड पार्टनरशिप और विज्ञापनों से जुड़े सभी पोस्ट हटा लिए हैं। उन्होंने इन पोस्ट्स को रील सेक्शन में डाल दिए दिया। कोहली के ऐसा करते ही सोशल मीडिया पर कई तरह ही अटकलें लगायी जाने लगीं। वहीं इसी को लेकर अब विराट ने अपनी ओर से सफाई दी है। कोहली के इंस्टाग्राम पर पोस्ट सेक्शन में अब उनकी फैमिली, वर्कआउट सेशन के साथ-साथ आईपीएल 2025 से जुड़ी कुछ फोटो और वीडियो ही हैं। इसी को लेकर विराट ने कहा कि मैं सोशल मीडिया को लेकर एक ऐसी जगह पर पहुंच गया हूं जहां मैं बहुत ज्यादा इसपर ध्यान नहीं दे पाउंगा। भविष्य के बारे में कुछ भी कहना अभी से संभव नहीं है। इसी कारण मुझे काफी कुछ हटाना पड़ा है । चैंपियंस ट्रॉफी जीतने के बाद विराट कोहली की ब्रांड वैल्यू बढ़ गई है। इस बात को खुद विराट ने भी स्वीकार किया है। विराट कोहली के सोशल मीडिया पर काफी ज्यादा फॉलोवर्स हैं। इंस्टाग्राम पर उन्हें 271 मिलियन और एक्स पर 67.7 मिलियन लोग फॉलो करते हैं। ब्रांड एंडोर्समेंट के मामले में कोहली दुनिया के शीर्ष एथलीटों में शामिल हैं। पिछले साल टी20 वर्ल्ड कप जीतने के बाद कोहली ने टी-20 से संन्यास ले लिया था। इस फॉर्मेट में उन्होंने 125 मैच खेले हैं। उन्होंने एक शतक और 38 अर्धशतक के साथ 4188 रन बनाए हैं।

उन्होंने मैच जीतने वाले प्रदर्शन नहीं किए हैं : आंद्रे रसेल पर बोले सबा करीम

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्व भारतीय क्रिकेटर सबा करीम ने आंद्रे रसेल के मौजूदा फॉर्म और कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) टीम में उनकी भूमिका पर अपने विचार साझा किए। उनका मानना है कि आंद्रे रसेल अपने हालिया प्रदर्शन की तुलना में अपनी पिछली प्रतिष्ठा के कारण टीम में हैं। जियोहॉटस्टार पर बोलते हुए उन्होंने महसूस किया कि रसेल पिछले कुछ सत्रों में रन बनाने के लिए संघर्ष कर रहे हैं और वह अच्छी गेंदबाजी करके इसकी भरपाई करते हैं।

सबा करीम ने, 'यह पहला सीजन नहीं है जब उन्होंने अपनी टीम को निराश किया है और खुद को भी। मैंने आंद्रे रसेल को न केवल टाटा आईपीएल में, बल्कि अन्य वैश्विक फ्रैंचाइजी लीगों में भी रन बनाने के लिए संघर्ष करते देखा है, उन्हें रन बनाने के लिए संघर्ष करना पड़ा है। और मुझे लगता है कि वह उन दो-तीन ओवरों में गेंदबाजी करके और विकेट चटकाकर इसकी भरपाई करने का प्रयास करते हैं। लेकिन अगर कोई पूरी ईमानदारी से कहे, तो वह अपनी प्रतिष्ठा के कारण इस सेटअप का हिस्सा हैं। मुझे पिछले कुछ सत्रों के आंकड़े नहीं दिख रहे हैं।'

उन्होंने रसेल के हालिया प्रदर्शन के बारे में भी चर्चा करते हुए कहा कि उन्होंने मैच जीतने वाले प्रदर्शन नहीं किए हैं और इस सीजन में कुछ भी उल्लेखनीय नहीं किया है। उनका मानना है कि KKR ने रसेल को इसलिए रिटेन किया था क्योंकि उन्हें उम्मीद थी कि वह करीबी मैच जीतेंगे, लेकिन उन्होंने ऐसा नहीं किया। करीम ने यह भी सुझाव दिया कि रसेल के खराब प्रदर्शन ने KKR के निचले मध्य क्रम के संघर्ष में योगदान दिया है।

उन्होंने कहा, 'आखिरी बार कब उन्होंने मैच जीतने वाला प्रदर्शन किया था? यही आपकी जरूरत है। यही कारण है कि कोलकाता नाइट राइडर्स ने उन्हें रिटेन किया है, वे चाहते हैं कि रसेल उनके लिए ऐसे मुकाबले जीते। इस सीजन में लक्ष्य निर्धारित करने के बावजूद भी उन्होंने मुश्किल से ही प्रदर्शन किया है। उन्होंने शायद ही कुछ उल्लेखनीय किया हो। और मुझे लगता है कि यही एक कारण है कि च्यक्रका निचला मध्य क्रम कुछ हद तक संघर्ष कर रहा है।'

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के इतिहास में सबसे आश्चर्यजनक उपलब्धियों में से एक में पंजाब किंग्स (पीबीकेएस) ने आईपीएल 2025 सीजन में मुल्लांपुर में एक कम स्कोर वाले रोमांचक मैच में गत चैंपियन कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) पर 16 रनों की उल्लेखनीय जीत हासिल की। यह मैच पंजाब द्वारा लीग के इतिहास में अब तक के सबसे कम स्कोर 111 का सफलतापूर्वक बचाव करने के लिए याद किया जाएगा।

रसेल इस IPL सीजन में रन बनाने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। सात पारियों में उन्होंने 6.80 की औसत से सिर्फ 22 रन बनाए हैं। गेंदबाजी करते हुए उन्होंने केवल 5 विकेट लिए हैं, लेकिन उनकी इकॉनमी 13 से अधिक की है। पंजाब के खिलाफ रसेल ने 16वें ओवर में मार्को जेनसन की गेंद पर क्लीन बोल्ड होने से पहले दो छक्कों और एक चौके सहित 17 (11) रन बनाए।

चैंपियंस लीग फुटबॉल के सेमीफाइनल में पहुंची पीएसजी

बर्मिंघम । पेरिस सेंट-जर्मेन (पीएसजी) ने एस्टन विला के को 5-4 हराकर चैंपियंस लीग फुटबॉल के सेमीफाइनल में प्रवेश किया है। पीएसजी की ओर से अचरफ हकीमी और नूनो मेंडेस ने गोल दागो। दूसरे चरण में हालांकि पीएसजी को एस्टन विला से 3-2 से हार झेलनी पड़ी। पहले चरण में 3-1 से मिली हार के बाद एस्टन विला ने भी वापसी के प्रयास किये। वहीं एक रिपोर्ट के अनुसार, नूनो मेंडेस ने शानदार पास पर हकीमी ने गोल किया। इसके बाद जियानलुइगी डोनारुम्मा ने पाउ टोरेस के स्ट्राइक को शानदार तरीके से रोका, फिर नूनो मेंडेस ने इसपर गोल दागा। अंत के दस मिनटों में मार्को असेंसियो का शॉट भी डोनारूम्मा ने रोक लिया। आखिरी क्षणों में पाचो ने इयान मास्टन के गोल की तरफ जा रहे शॉट को रोककर गोल बचा लिया। मैच के बाद पीएसजी के कोच लुईस एनरिक ने कहा, मैं इस मैच को लंबे समय तक नहीं भूल पाऊंगा। इस प्रतियोगिता में बहुत कुछ संभालना होता है और बाहर जाकर खेलना हमेशा मुश्किल होता है। हमने शुरुआत में ही दो गोल कर दिए, लेकिन फिर कुछ गलतियां की हालांकि जीत से हमें खुशी हुई है।

चेन्नई को प्लेऑफ की संभावनएं बनाये रखने जीतने होंगे छह मैच

मुम्बई । आईपीएल में चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएकसके) ने अपने सात मैच में से केवल दो ही मैच जीते हैं और ऐसे में उसके प्लेऑफ तक पहुंचने की संभावनाएं बेहद कम हैं हालंकि इसे असंभव नहीं कहा जा सकता । सीएसके के 7 मैचों में 4 अंक है और वह अंक तालिका में सबसे नीचे है। उसके अभी इस सत्र में 7 लीग मैच खेलने हैं। इसमें अगर मान लें कि वह सभी मैच जीत जाती है तो 18 अंक तक पहुंच सकती है। वहीं अगर वह पांच मैच जीतती है तो 14 अंक तक पहुंच जाएंगी। पिछले आंकड़ों पर गौर करें तो प्लेऑफ में पहुंचने के लिए 14 अंकों की जरूरत होती है। आईपीएल के पिछले सत्र में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू (आरसीबी) ने 14 अंको के साथ ही प्लेऑफ के लिए क्वालीफाई किया था पर तब उसका रन रेट काफी अच्छा था पर इस बार सीएसके का रन रेट खराब है। ऐसे में अगर इस बार सीएसके को प्लेऑफ के लिए अपनी दावेदारी पक्की करनी है तो उसे कम से कम छह मैच जीतकर कुल 16 अंक हासिल करने होंगे। सीएसके को अब अब 20 अप्रैल को मुंबई इंडियंस से खेलना है। इसके बाद टीम 25 अप्रैल को सनराइजर्स हैदराबाद का मुकाबला करेगी। सीएसके अप्रैल में अपना अंतिम मैच 30 तारीख को पंजाब किंग्स से खेलेगी। अपने बचे हुए 7 मैचों में से तीन अपने घरेलू मैदान पर और बाकी चार दूसरी टीमों से खेलने हैं। ऐसे में उसके लिए अभी भी एक अवसर बचा है।

सुरुचि सिंह ने लगातार दूसरे आईएसएसएफ विश्व कप में जीता गोल्ड, मनु भाकर को रजत पदक

लीमा (पेरू) (एजेंसी)। युवा निशानेबाज सुरुचि इंदर सिंह ने यहां 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए आईएसएसएफ विश्व कप में लगातार दूसरा स्वर्ण पदक जीता, जबकि पेरिस ओलंपिक की पदक विजेता मनु भाकर ने रजत पदक जीतकर प्रतियोगिता में भारत का दबदबा सुनिश्चित किया।

ब्यूनस आयर्स में हाल में साल के पहले विश्व कप में स्वर्ण पदक जीतने वाली हरियाणा के झज्जर की निवासी 18 वर्षीय सुरुचि ने 24 शॉट के फाइनल में 243.6 का स्कोर बनाकर मनु को 1.3 अंक से पीछे छोड़ा। चीन की याओ कियानक्सुन ने कांस्य पदक जीता।

सुरुचि और मनु के पोडियम पर पहुंचने का मतलब था कि भारत ने इस दिन प्रत्येक रंग का एक पदक जीता, जिसमें पुरुषों की 10 मीटर एयर पिस्टल के निशानेबाज सौरभ चौधरी का कांस्य पदक भी शामिल है। पेरू की राजधानी में महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल में शानदार प्रदर्शन के कारण भारत तीन पदकों के साथ शीर्ष पर पहुंच गया। उसके बाद चीन का नंबर आता है जिसने पुरुषों की एयर पिस्टल में स्वर्ण पदक जीता।

महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल में 60 शॉट के क्वालीफिकेशन राउंड में सुरुचि ने 582 अंक बनाकर दूसरा स्थान हासिल किया था जबकि मनु ने 578 अंक बनाकर चौथे स्थान पर रहते हुए फाइनल में जगह बनाई थी। भारत की एक अन्य निशानेबाज सैन्यम 571 अंक के साथ 11वें स्थान पर रही।

पेरिस ओलंपिक में महिला एयर पिस्टल और मिश्रित टीम स्पर्धा में कांस्य पदक जीतने वाली मनु ने कहा कि वह भारतीय निशानेबाजों की प्रगति से खुश हैं और उन्होंने सुरुचि को उनके दूसरे विश्व कप स्वर्ण पदक के लिए बधाई भी दी। उन्होंने कहा, 'मैं यह देखकर खुश हूं कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अधिक भारतीय निशानेबाज आगे आ रहे हैं और बहुत अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। इससे मुझे लगता है कि भारत सही दिशा में आगे बढ़ रहा है।'

उन्होंने कहा, 'हम सभी सुरुचि के नाम से परिचित हैं। उसने ब्यूनस आयर्स (विश्व कप) के साथ-साथ यहां भी असाधारण प्रदर्शन किया। इसलिए मैं उसके लिए वास्तव में खुश हूं और मुझे उम्मीद है कि यह लंबे समय इस तरह के प्रदर्शन को जारी रखेगी। मुझे उम्मीद है कि युवा खिलाड़ियों के साथ मैं भी गति बनाए रखूंगी।' सुरुचि ने ब्यूनस आयर्स में सौरभ के साथ 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम कांस्य भी जीता था।

संक्षिप्त समाचार

रूस ने लगातार दूसरे दिन गिराई मिसाइल ; साल का सबसे बड़ा हमला

मास्को एजेंसी। युद्धविराम की सुस्त रफ्तार के बीच रूस की सेना का यूक्रेन पर बेरहम हमला जारी है। रूस ने लगातार दूसरे दिन यूक्रेन के बड़े शहर सूमी को निशाना बनाया। यह घटना तब हुई जब एक दिन पहले हमले में मारे गए लोगों को स्थानीय निवासियों द्वारा श्रद्धांजलि दी जा रही थी। बताया जा रहा है कि यह यूक्रेन पर साल का सबसे बड़ा हमला है। शहरवासी तबाही से उबरने की कोशिश कर रहा है। पिछले हमले में कम से कम 30 लोगों की जान चली गई थी और कई लोग घायल हो गए थे। रविवार पाम संडे के मौके पर जब यूक्रेनी चर्च पर इकट्ठा हुए थे, दो रूसी मिसाइलों ने सूमी को निशाना बनाया। इस भीषण हमले में 30 से अधिक लोगों की मौत हो गई थी और दर्जनों घायल हुए थे। यह इस साल का सूमी पर सबसे घातक हमला बताया जा रहा है। सोमवार को जब लोग हमले के शिकार हुए नागरिकों को श्रद्धांजलि देने के लिए एकत्र हुए, रूसी सेना ने एक और मिसाइल हमला कर दिया। फिलहाल इस हमले में हताहतों की संख्या की पुष्टि नहीं हो सकी है, लेकिन घटनास्थल पर अफरा-तफरी मच गई और कई लोगों को सुरक्षित स्थानों की ओर भागते देखा गया। सूमी प्रशासन के अधिकारियों ने बताया कि राहत और बचाव कार्य जारी हैं और घायलों को अस्पताल पहुंचाया जा रहा है। यूक्रेनी सरकार ने इसे जानबूझकर किया गया क्रूर और अमानवीय हमला करार दिया है। जेलेंस्की ने इस हमले की कड़ी निंदा करते हुए रूस पर हैवानियत करने का आरोप लगाया है। इस ताज़ा हमले पर अब तक रूस की ओर से कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है, लेकिन यूक्रेन के रक्षा मंत्रालय ने रूस पर नागरिक ठिकानों को निशाना बनाने का आरोप लगाया है।

सूडान में विद्रोहियों का शरणार्थी कैंप पर हमला, 400 से अधिक लोगों की मौत : संयुक्त राष्ट्र

खार्तूम, एजेंसी। सूडान में चल रहे संघर्ष के बीच एक और दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। संयुक्त राष्ट्र ने 'भरोसेमंद सूत्रों' के हवाले से जानकारी दी है कि देश के एक शरणार्थी शिविर पर हुए हमले में 400 से ज्यादा लोगों की जान चली गई है। यूएन के अनुसार, यह हमला सूडान में सक्रिय विद्रोही गुट रैपिड सपोर्ट फ़ोर्स ने किया है। पिछले सप्ताह भी इस गुट ने अल-फ़शर शहर के आसपास बसे शरणार्थी शिविरों पर जमीनी और हवाई हमले किए थे। सूडान में अप्रैल 2023 से आरएसएफ और सरकारी सेना के बीच सत्ता को लेकर संघर्ष जारी है। खासकर दारफूर क्षेत्र में दोनों पक्षों के बीच नियंत्रण को लेकर हिंसक झड़पें हो रही हैं। इस संघर्ष के चलते लाखों लोग बेघर हो चुके हैं। संयुक्त राष्ट्र ने पुष्टि की है कि गुरुवार से शनिवार के बीच कम से कम 148 लोगों की मौत हुई है, हालांकि यह भी कहा गया है कि मृतकों की संख्या और बढ़ सकती है। यूएन और अन्य अंतरराष्ट्रीय संस्थाएं हालात पर नज़र बनाए हुए हैं और वहां फंसे नागरिकों की मदद के लिए अपील कर रही हैं।

अल्जीरिया ने फ्रांस के 12 अधिकारियों को 48 घंटे में देश छोड़ने का आदेश दिया

अल्जीयर्स, एजेंसी। अल्जीरिया ने फ्रांस के 12 अधिकारियों को 48 घंटे में देश छोड़ने का आदेश दिया है, जिससे दोनों देशों के बीच तनाव बढ़ गया है। अल्जीरिया के विदेश मंत्रालय ने कहा कि फ्रांस में एक अल्जीरियाई काउंसलर की गिरफ्तारी के बाद यह फैसला लिया गया है। इसके लिए फ्रांस के गृह मंत्री ब्रूनो रिटेलो जिम्मेदार हैं। दोनों देशों के बीच हालिया विवाद 11 अप्रैल को शुरू हुआ था जब फ्रांस ने तीन अल्जीरियाई नागरिकों को गिरफ्तार कर लिया था। इनमें अल्जीरियाई काउंसलर भी शामिल थे। इन पर अप्रैल 2024 में एक अल्जीरियाई सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर अमीर बौखोर्स का किडनैप करने का आरोप है। अमीर 2016 से फ्रांस में रह रहे हैं। साल 2023 में उन्हें वहां राजनीतिक शरण मिल गई थी। वह अल्जीरियाई सरकार की आलोचना के लिए जाने जाते हैं। अमीर का पेरिस से अपहरण हुआ था। उन्हें 27 घंटे तक बंधक रखा गया और फिर छोड़ दिया गया। फ्रांस की जांच में पता चला कि इस अपहरण में एक अल्जीरियाई काउंसलर का भी हाथ हो सकता है। रिपोर्ट के मुताबिक काउंसलर का फोन अमीर के घर के आसपास देखा गया था। इसके बाद फ्रांस ने तीन अल्जीरियाई लोगों को किडनैपिंग, अवैध हिरासत और आतंकी संगठन से जुड़े होने के आरोप में गिरफ्तार कर लिया। अल्जीरिया ने इस कार्रवाई को गलत बताया और कहा कि उनके काउंसलर को बिना किसी डिप्लोमैटिक सूचना के सार्वजनिक जगह से गिरफ्तार किया गया, जो उनके अधिकारों का उल्लंघन है। अल्जीरिया ने फ्रांस के राजदूत स्टीफन रोमाटे को बुलाकर कड़ा विरोध जताया और अपने नागरिकों को तुरंत रिहा करने की मांग की।

ईरान में 8 पाकिस्तानी मजदूरों की गोली मारकर हत्या ; बलूच नेशनलिस्ट आर्मी ने जिम्मेदारी ली

तेहरान, एजेंसी। ईरान के सिस्तान-बलूचिस्तान प्रांत में आठ पाकिस्तानी प्रवासी मजदूरों की हत्या के मामले में पाकिस्तान ने ईरान से जांच की मांग की है। यह घटना शनिवार को पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत की सीमा के हुई। ईरानी मीडिया के मुताबिक, सभी आठ मजदूर पाकिस्तान के पंजाब से थे और वहां मैकेनिक का काम करते थे। हमलावरों ने उन्हें बांधकर गोली मार दी। इस हमले की जिम्मेदारी बलूच नेशनलिस्ट आर्मी नाम के एक छोटे संगठन ने ली है। इस हमले की पाकिस्तान और ईरान दोनों ने निंदा की है। पाकिस्तान में ईरानी राजदूत रेजा अमीरी मोघादम ने कहा कि आतंकवाद पूरे इलाके के लिए एक साझा खतरा है।

बांग्लादेश में मॉडल मेघना आलम गिरफ्तार सऊदी के राजदूत को ब्लैकमेल करने का आरोप

ढाकाख, एजेंसी। बांग्लादेशी मॉडल और एक्ट्रेस मेघना आलम को गिरफ्तार किया गया है. स्थानीय रिपोर्टों के अनुसार, आलम को देश के कड़े विशेष अधिकार अधिनियम के तहत गिरफ्तार किया गया है. सऊदी अरब के साथ बांग्लादेश के संबंधों को खराब करने की कथित कोशिश के लिए उनको जेल में डाल दिया गया है. उनकी गिरफ्तारी के बाद फैंस में नाराजगी है. बताया जा रहा है कि बांग्लादेश पुलिस की एक स्पेशल यूनिट, डिटेक्टिव ब्रांच (डीबी) ने पिछले बुधवार की देर रात उनके घर पर छापा मारा. इसके बाद उन्हें हिरासत में ले लिया. वह फेसबुक पर लाइवस्ट्रीमिंग कर रही थीं और अपनी बेगुनाही का दावा कर रही थीं.

ढाका पुलिस ने 9 अप्रैल की रात को उनके घर पर छापेमारी के बाद गिरफ्तार किया है। उन पर सऊदी अरब के साथ बांग्लादेश के कूटनीतिक संबंधों को खतरे में डालने का आरोप लगाया गया है। मेघना 2020 में मिस अर्थ बांग्लादेश का खिताब जीत चुकी हैं। उनको विशेष अधिकार अधिनियम (स्पेशल पावर्स एक्ट), 1974 के तहत हिरासत में लिया गया है। पुलिस के अनुसार, मेघना ने एक सऊदी राजनयिक के खिलाफ सोशल मीडिया पर झूठी जानकारी फैलाई, जिसका उद्देश्य दोनों देशों के बीच संबंधों को नुकसान पहुंचाना था। गिरफ्तारी से पहले मेघना ने फेसबुक लाइव के जरिए दावा किया था कि कुछ लोग, जो खुद को पुलिसकर्मी बता रहे थे, उनके घर में जबरदस्ती घुसने की कोशिश कर रहे थे। इस 12 मिनट के वीडियो में वह अधिकारियों से सहयोग करने की बात कहती दिखीं, लेकिन बाद में यह वीडियो हटा लिया गया। मेघना के पिता, बदरूल आलम ने दावा किया कि उनकी बेटी का एक सऊदी राजनयिक के साथ संबंध था, जिसने शादी का प्रस्ताव रखा था। बदरूल के अनुसार, मेघना ने यह प्रस्ताव ठुकरा दिया क्योंकि राजनयिक पहले से शादीशुदा है और उसके बच्चे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि इसके बाद राजनयिक ने बांग्लादेशी अधिकारियों की मदद से मेघना को चुप कराने की कोशिश की। इस गिरफ्तारी ने बांग्लादेश में विवाद खड़ा कर दिया है। मानवाधिकार संगठन एमनेस्टी इंटरनेशनल ने इसे निंदनीय बताते हुए मेघना को या तो अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्य अपराध में आरोपित करने या रिहा करने की मांग की है। बांग्लादेश के अंतरिम सरकार के कानून सलाहकार असिफ नजरूल ने भी स्वीकार किया कि विशेष अधिकार अधिनियम के तहत मेघना की गिरफ्तारी उचित नहीं थी। उच्च न्यायालय ने सरकार से दो सप्ताह में जवाब मांगा है कि मेघना की गिरफ्तारी को अवैध क्यों न घोषित किया जाए। मेघना को ढाका की काशीमपुर जेल में 30 दिनों की हिरासत में भेजा गया है। इस मामले ने बांग्लादेश में कानून के दुरुपयोग और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर सवाल उठाए हैं। सऊदी अरब बांग्लादेश का एक महत्वपूर्ण सहयोगी है, जो वित्तीय और मानवीय सहायता प्रदान करता है। 2022 की सऊदी जनगणना के अनुसार, वहां 21.6 लाख बांग्लादेशी कामगार हैं, जो वहां की सबसे बड़ी विदेशी राष्ट्रीयता है। ऐसे में इस घटना ने दोनों देशों के बीच तनाव की आशंका पैदा की है। पुलिस ने ब्लैकमेल करने का आरोप लगाया बदरूल आलम ने कहा कि, राजदूत और मेघना के बीच संबंध थे और मेरी बेटी ने उनके साथ शादी करने से मना कर दिया, क्योंकि वे पहले से ही शादी-शुदा हैं और उनके बच्चे भी हैं। वहीं, पुलिस का आरोप है कि मेघना आलम ने राजदूत इस्सा आलम को ब्लैकमेल कर 5 मिलियन डॉलर (करीब 43 करोड़) रुपए लूटने की कोशिश की थी। हाल ही में मेघना ने फेसबुक पर दावा किया था कि राजदूत इस्सा गैर इस्लामिक कामों में लिप्त हैं।

हालांकि, वे क्या काम कर रहे थे, इस बारे में मेघना ने नहीं बताया। मेघना आलम ने यह भी दावा किया था कि इस्सा यूसुफ पुलिस के जरिए डरा रहे हैं, ताकि वे सोशल मीडिया पर सच्चाई पोस्ट न करें। फेसबुक लाइव के दौरान हुई गिरफ्तारी अपनी गिरफ्तारी से पहले आलम ने फेसबुक पर लाइव स्ट्रीम कर रही थी। तभी बांग्लादेश पुलिस की विशेष जासूसी शाखा, डीबी पुलिस ने उनके घर में घुस कर गिरफ्तार कर लिया। आलम की गिरफ्तारी बांग्लादेश के स्पेशल पावर एक्ट के तहत की गई है। यह एक्ट आरोपी को अनिश्चित काल तक हिरासत में रखने की अनुमति देता है। बांग्लादेश में इस कानून को तानाशाही कानून कहा जाता है। इस घटना ने बांग्लादेश में मानवाधिकारों की स्थिति पर भी सवाल खड़े किए हैं। हालांकि बांग्लादेश सरकार के कानूनी सलाहकार आसिफ नरुल ने भी कहा कि गिरफ्तारी सही नहीं है।

नागरिकता के लिए साक्षात्कार देने पहुंचा फलस्तीनी छात्र गिरफ्तार, गाजा के समर्थन में आवाज उठाना पड़ा भारी

बोगोटा, एजेंसी। गाजा के समर्थन में आवाज उठाना एक फलस्तीनी छात्र को भारी पड़ गया। कोलंबिया विवि का फलस्तीनी छात्र जब अमेरिकी नागरिकता के लिए साक्षात्कार देने वर्मोंट के आव्रजन कार्यालय में पहुंचा, तो उसे गिरफ्तार कर लिया गया। छात्र के वकीलों ने बताया कि मोहसेन महदावी अमेरिका का एक कानूनी स्थायी निवासी है। उसके पास 2015 से ग्रीन कार्ड है। उसे आव्रजन और सीमा शुल्क प्रवर्तन एजेंटों ने कोलचेस्टर में अमेरिकी नागरिकता और आव्रजन सेवा कार्यालय से गिरफ्तार कर लिया। वकीलों ने कहा कि उन्हें नहीं पता कि वह कहां है? हमने संघीय अदालत में एक याचिका दायर की जिसमें सरकार को उसे राज्य या देश से निकालने से रोकने का आदेश मांगा गया है। वकील लूना ड्रोबी ने कहा कि ट्रंप प्रशासन ने मोहसेन महदावी को फलस्तीनियों की ओर से उनकी वकालत और एक फलस्तीनी के रूप में उनकी पहचान के कारण हिरासत में लिया। यह गाजा में अत्याचारों के खिलाफ बोलने वालों को चुप कराने का एक प्रयास है। यह असांविधानिक भी है। अदालत में दायर याचिका में बताया गया है कि महदावी का जन्म वेस्ट बैंक के एक शरणार्थी शिविर में हुआ था और वह 2014 में संयुक्त राज्य अमेरिका आ गए थे। उन्होंने हाल ही में कोलंबिया में कोर्सवर्क पूरा किया। वह मई में स्नातक की उपाधि और फिर सर्दियों में मास्टर डिग्री कार्यक्रम शुरू करेंगे। वह प्रतिबद्ध बौद्ध है, जो अहिंसा और सहानुभूति को अपने धर्म के केंद्रीय सिद्धांत के रूप में मानते हैं। याचिका में बताया गया कि महदावी गाजा में इजरायल के सैन्य अभियान के मुखर आलोचक हैं और मार्च 2024 तक कोलंबिया विवि में कैंपस विरोध प्रदर्शन आयोजित करते रहे। उन्होंने कोलंबिया में फलस्तीनी छात्र संघ की सह-स्थापना महमूद खलील के साथ की।

पहले कार्यकारी आदेश पर अमल-दक्षिणी सीमा पर आपातकाल लगा सकते हैं ट्रंप, 20 अप्रैल को हो सकती है सेना की तैनाती

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के शपथ ग्रहण को 20 अप्रैल को 90 दिन पूरे होने वाले हैं। इसके साथ ही ट्रंप के पहले कार्यकारी आदेश पर अमल करने की तैयारी शुरू हो गई है। दक्षिणी सीमा पर आपातकाल लागू करने के कार्यकारी आदेश को भी 20 अप्रैल को लागू किया जा सकता है। बताया जा रहा है कि ट्रंप आदेश के तहत सेना की तैनाती कर सकते हैं। राष्ट्रपति पद की शपथ लेने के बाद ट्रंप ने अमेरिका की दक्षिणी सीमा पर आपातकाल लगाने के कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर किए थे। इस आदेश में प्रावधान था कि घोषणा की तिथि से 90 दिनों के भीतर, रक्षा सचिव और गृह सुरक्षा सचिव संयुक्त राज्य अमेरिका की दक्षिणी सीमा की स्थितियों के बारे में राष्ट्रपति को रिपोर्ट सौंपेंगे। साथ ही अतिरिक्त कार्रवाई की सिफारिशें करेंगे। इसके तहत 1807 के विद्रोह अधिनियम को भी लागू किया जा सकता है। कार्यकारी आदेश के 90 दिन पूरे होने में एक सप्ताह से कम समय बचा है। इसलिए माना जाने लगा है कि ट्रंप वास्तव में विद्रोह अधिनियम लागू करेंगे और 20 अप्रैल को दक्षिणी सीमा पर सेना तैनात करेंगे। हालांकि अब तक रक्षा सचिव और होमलैंड सुरक्षा सचिव ने अमेरिकी राष्ट्रपति को अपनी अंतिम रिपोर्ट प्रस्तुत नहीं की है। उन्हें मिशन की अब तक की उपलब्धियों के बारे में जानकारी नहीं दी है। इसके चलते लोगों को लग रहा है।

दुनिया के मुसलमान एकजुट हों, पाक संसद में फिलिस्तीन पर प्रस्ताव

इस्लामाबादख, एजेंसी। फिलिस्तीन के गाजा पट्टी में इजरायल के हमलों को लेकर पाकिस्तान की संसद में प्रस्ताव पारित हुआ। सोमवार को नेशनल असेंबली में सर्वसम्मति से एक प्रस्ताव पारित हुई, जिसमें इजरायल के हमलों की निंदा की गई। इसके अलावा कश्मीर का जिक्र भी डिबेट के दौरान हुआ। सांसद साहिबजादा मोहम्मद हामिद रजा ने कहा कि मुसलमान कौम के लिए दो मसले हैं, जो चिंताजनक हैं- फिलिस्तीन और कश्मीर। यही नहीं पाकिस्तानी संसद में हामिद रजा ने कहा कि जितना इजरायल इस हमले का दोषी है, उतने ही गुनहगार वे मुसलमान देश भी हैं, जो इस पर चुप हैं। उन्होंने कहा कि अक्टूबर 2023 से शुरू होने वाला इजरायल का नरसंहार तो होलोकास्ट से भी 10 गुना बड़ा अत्याचार हैं।

इस दौरान मुफ्ती तकी उस्मानी ने मुस्लिम देशों से इजराइल का पूर्ण बहिष्कार करने का आह्वान किया। इजराइल विरोधी प्रदर्शनकारियों ने पाकिस्तान के कई शहरों में कई अमेरिकी 'फास्ट-फूड' रेस्तरां पर हमले किए थे, जिसके बाद मौलवी ने इस बात पर जोर दिया कि विरोध प्रदर्शन शांतिपूर्ण होना चाहिए। कानून मंत्री आजम नजीर तरार द्वारा संसद के निचले सदन नेशनल असेंबली में पेश किए गए प्रस्ताव को सभी राजनीतिक दलों का समर्थन मिला। प्रस्ताव में घरों, अस्पतालों, विद्यालयों और इबादत स्थलों सहित नागरिक बुनियादी ढांचे को भारी नुकसान पहुंचाने की कड़ी निंदा की गई। प्रस्ताव में इजराइली बमबारी को बर्बर करार दिया गया। इस मौके पर पाकिस्तानी संसद के सदस्यों ने कहा कि जिस तरह से फिलिस्तीन पर अटैक हो रहे हैं, वह हमारे लिए डूब मरने वाली बात है। प्रस्ताव में आरोप लगाया

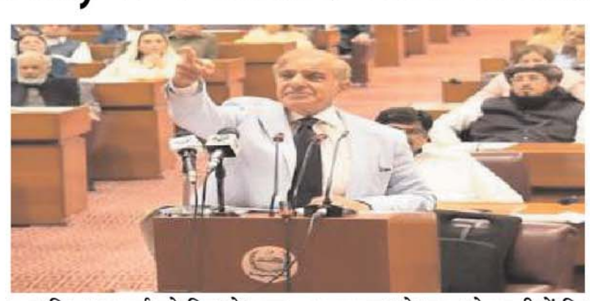

गया कि 18 मार्च को फिर से शुरू हुए इजराइली हमले में 1,600 निर्दोष फलस्तीनी मारे गए, जिससे गाजा में मरने वालों की कुल संख्या बढ़कर 65,000 से अधिक हो गई है। सांसद हामिद रजा ने कहा कि सारे मुस्लिम देशों को एकजुट होना चाहिए। तभी यह मसला हल हो सकेगा। उन्होंने कहा कि इस्लाम में उम्मा की एक अवधारणा है। लेकिन हम तो उस पर अमल ही नहीं कर रहे। उन्होंने मांग की कि पाकिस्तान में इस्लामिक सहयोग संगठन की मीटिंग बुलाई जाए। मुस्लिम देश इजरायल को साफ चेतावनी दें कि गाजा में अत्याचार रुके और यदि ऐसा नहीं हुआ तो फिर पूरी दुनिया में जिहाद की घोषणा की जाए। उन्होंने कहा कि पूरी दुनिया के मुसलमान देश मिलकर जिहाद का ऐलान करें।

फिलिस्तीन और कश्मीर दो एजेंडे, जिन पर हम पीछे ही हटे

सांसद अब्दुल कादिर पटेल ने कहा कि कश्मीर और फिलिस्तीन दो एजेंडे हैं, जिस पर हमारे बुजुर्गों ने भी साफ स्टैंड लिया था। आज बदकिस्मती से ऐसी स्थिति है कि हम कश्मीर और फिलिस्तीन दोनों पर ही पीछे हट रहे हैं। सांसद ने कहा कि हम सभी एक दिन कब्र में जाना है। हमसे सवाल पूछा जाएगा कि जब कत्लेआम हो रहा था तो तुम लोग कहां थे। सांसदों ने यह भी अपील की कि हमारे पीएम को गाजा जाना चाहिए। उन्हें बेलारूस जैसे देशों का दौरा करने की बजाय फिलिस्तीन जाना चाहिए।

वहां का बच्चा-बच्चा और बुजुर्ग, औरतें सब पाकिस्तान की ओर देख रहे हैं। वे जानना चाहते हैं कि आखिर उनके बचाव के लिए हम क्या कर रहे हैं। एक सांसद ने तो यहां तक कहा कि कुल 80 लाख यहूदी हैं और इतने तो हमारे यहां मौलवी हैं। क्या उनकी दुआ कबूल नहीं हो रही है। यदि हर मौलवी की ही दुआ कबूल हो जाए तो इजरायल खत्म हो जाएगा। उन्होंने इस दौरान एक शेर भी पढ़ा- कब अश्क बहाने से कटी है शब-ए-हिज्र, कब कोई बला सिर्फ दुआओं से टली है।

डीआरसी की राजधानी में भारी बारिश से 70 से अधिक लोगों की मौत

किंशासा एजेंसी। डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो (डीआरसी) के कई हिस्सों में भारी बारिश और बाढ़ ने तबाही मचा दी है। देश की राजधानी किंशासा सबसे ज्यादा प्रभावित हुई है, यह जानकारी स्वास्थ्य मंत्रालय ने दी। ताजा जानकारी के अनुसार, किंशासा के 11 स्वास्थ्य क्षेत्रों में नुकसान हुआ है। वहां 5,000 से ज़्यादा लोग अपने घर छोड़ने को मजबूर हो गए हैं। अब तक कम से कम 72 लोगों की जान जा चुकी है और 170 से अधिक लोग घायल हुए हैं। यह सब तेज बारिश और बाढ़ की वजह से हुआ।

देश के पूर्वी हिस्से में स्थित तांगान्यीका और साउथ किवू प्रांतों में भी भारी नुकसान हुआ है। वहां की स्थानीय सरकार जरूरतमंदों की मदद का पूरा आकलन करने में लगी हुई हैं। किंशासा स्टेडियमों में आपातकालीन राहत केंद्र और आश्रय स्थलों की व्यवस्था की गई है। हालांकि, देश के सबसे बड़े खेल स्टेडियम स्टेड दे मार्त्यर में पहले ही 4,500 से ज़्यादा लोग पहुंच चुके हैं। इसलिए सरकार अब लोगों को दूसरे स्थानों पर भेजने की योजना बना रही है।

स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा है कि वह स्वास्थ्य और राहत कार्यों के बीच बेहतर

तालमेल बनाए रखने के लिए पूरी तरह से तैयार है, ताकि जरूरतमंदों को जल्दी और सही तरीके से मदद मिल सके। आने वाले दिनों में और भारी बारिश होने की संभावना है, जिससे 1.7 करोड़ की आबादी वाले इस शहर में और ज़्यादा तबाही का डर है। यह शहर पहले से ही तेज और बिना योजना के फैलते शहरीकरण की वजह से मुश्किलों में है। यह ध्यान देना जरूरी है कि डीआरसी में आमतौर पर बारिश का मौसम नवंबर से मई तक चलता है।

वहीं, 12 अप्रैल को संयुक्त राष्ट्र बाल कोष (यूनिसेफ) ने बेहद संवेदनशील आंकड़ा जारी किया था। अंतर्राष्ट्रीय एजेंसी के मुताबिक ईस्टर्न डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो (डीआरसी) में जारी संघर्ष ने बच्चों को काफी नुकसान पहुंचाया है। जनवरी और फरवरी महीने में ही हर 30 मिनट में एक बच्चे का रेप हुआ। समाचार एजेंसी सिन्हुआ के मुताबिक, यूनिसेफ ने बताया कि जनवरी और फरवरी में दुष्कर्म और यौन हिंसा के करीब 10,000 मामलों में से 35 से 45 प्रतिशत पीड़ित बच्चे थे। यूनिसेफ के प्रवक्ता जेम्स एल्डर ने जिनेवा में बताया कि इस साल जब डीआरसी के पूर्वी हिस्से में लड़ाई सबसे ज्यादा तेज थी, तब हर आधे घंटे में एक बच्चे का रेप हुआ।

नासा के अधिकारी-कर्मचारियों को भी नहीं बख्श रहे ट्रंप, अब भारतीय मूल की डीईआई प्रमुख को किया बर्खास्त

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप बड़े पैमाने पर संघीय कर्मचारियों की छंटनी कर रहे हैं। अब ट्रंप ने नासा के अधिकारियों और कर्मचारियों की बर्खास्तगी का आदेश जारी किया है। इसके बाद नासा ने भारतीय मूल की विविधता, समानता और समावेशन (डीईआई) प्रमुख नीला राजेंद्र को बर्खास्त कर दिया। पहले ट्रंप के आदेश के बाद नासा ने नीला राजेंद्र का पदनाम बदलकर टीम एक्सीलेंस और कर्मचारी सफलता के कार्यालय का प्रमुख कर दिया था, लेकिन अंततः उनको नौकरी से हाथ धोना पड़ा। पिछले सप्ताह नासा की जेट प्रोपल्शन प्रयोगशाला ने ईमेल जारी किया। इसमें प्रयोगशाला में काम करने वाले कर्मचारियों को नीला राजेंद्र को बाहर निकालने की सूचना दी गई। नासा के जेपीएल के निदेशक लॉरी लेशिन की ओर से भेजे गए ईमेल में लिखा गया कि नीला राजेंद्र अब जेट प्रोपल्शन प्रयोगशाला में काम नहीं कर रही हैं। हम उनके संगठन में किए गए स्थायी प्रभाव के लिए बेहद आभारी हैं। हम उन्हें शुभकामनाएं देते हैं। इससे पहले नीला राजेंद्र नासा के विविधता विभाग की प्रमुख थीं। जिसे मार्च में डोनाल्ड ट्रंप के कार्यकारी आदेश के बाद बंद कर दिया गया। ट्रंप के आदेश के बाद नासा ने नया विभाग बनाते हुए 10 मार्च को एक ईमेल जारी किया था। इसमें नासा के कर्मचारियों को बताया गया था कि नीला राजेंद्र अब

टीम उत्कृष्टता और कर्मचारी सफलता कार्यालय की प्रमुख होंगी। नई भूमिका संभालने के बाद राजेंद्र ने लिंक्डइन पर लिखा था कि नासा में नवगठित कार्यालय के प्रमुख के रूप में उनका काम मुख्य रूप से एक साथ महान कार्य करने की हमारी क्षमता को उजागर करना है। मगर अप्रैल की शुरुआत में ट्रंप की सख्त कार्रवाई के बाद नीला राजेंद्र को बर्खास्त कर दिया गया। ट्रंप ने सरकारी एजेंसियों में चल रहे विविधता कार्यक्रमों को बंद कर दिया है। कार्यकारी आदेश में कहा गया है कि ऐसे कार्यक्रमों ने अमेरिकियों को नस्ल, रंग और लिंग के आधार पर बांटा है। करदाताओं के पैसे बर्बाद किए हैं और शर्मनाक भेदभाव को जन्म दिया है। नीला राजेंद्र कई वर्षों तक नासा में नेतृत्वकारी भूमिका में रहीं। वे नासा में विविधता लाने के प्रयासों की प्रभारी थीं।

केंद्रीय मंत्री अठावले संयुक्त राष्ट्र में बोले- डॉ. आंबेडकर की वकालत भारत की सीमाओं से भी कहीं आगे

वाशिंगटन, एजेंसी। केंद्रीय मंत्री रामदास अठावले ने संयुक्त राष्ट्र में बाबा साहब डॉ. भीमराव आंबेडकर को नमन किया। डॉ. आंबेडकर की 134वीं जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित एक विशेष कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि उनकी वकालत भारत की सीमाओं से कहीं आगे तक गूंजती है। जो उन्हें आधुनिक मानवाधिकार आंदोलन का प्रतीक बनाती है।

सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता राज्य मंत्री डॉ. रामदास अठावले ने कहा कि डॉ. बीआर आंबेडकर ने समानता, प्रतिनिधित्व और मानवाधिकार जैसे सिद्धांतों के लिए लड़ाई लड़ी थी, वे 2030 के सतत विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए अंतरराष्ट्रीय समुदाय के सामूहिक प्रयासों में अधिक प्रासंगिक हैं। डॉ. आंबेडकर का जीवन भारतीय इतिहास का एक अध्याय मात्र नहीं है। यह पूरी मानवता के लिए एक प्रकाश स्तंभ है। वे जाति, गरीबी और औपनिवेशिक उत्पीड़न द्वारा लगाए गए हर अवरोध को पार कर समानता, सम्मान और लोकतंत्र के लिए एक वैश्विक वकील बने।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि हम संयुक्त राष्ट्र के बैनर तले यहां एकत्र हुए हैं। डॉ. आंबेडकर का जीवन समाज के हर स्तर पर बदलाव की प्रेरणा देता है। उनकी विरासत के संरक्षक के रूप में सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय ने निर्णायक और व्यवस्थित कदम उठाए हैं। मंत्रालय ने हाशिए पर पड़े समुदायों, विशेष रूप से अनुसूचित जातियों, अन्य पिछड़े वर्गों, वरिष्ठ नागरिकों, ट्रांसजेंडर व्यक्तियों और विकलांग

व्यक्तियों के उत्थान के उद्देश्य से कार्यक्रमों और नीतियों को लागू किया है। उन्होंने मंत्रालय की योजनाओं की भी जानकारी दी। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि राजदूत पी हरीश ने कहा कि डॉ. आंबेडकर लोकतंत्र को एक जीवन पद्धति के रूप में देखते थे, जिसके संस्थागत तंत्र और स्तंभ अपने आप में साध्य नहीं थे, बल्कि भारतीय संविधान की सांविधानिक नैतिकता को लागू करने का साधन थे। न्यूयॉर्क शहर के मेयर के अंतर्राष्ट्रीय मामलों के कार्यालय के डिप्टी कमिश्नर दिलीप चौहान ने कहा कि डॉ. आंबेडकर के आदर्श सीमाओं और समय से परे हैं। उन्होंने हमें दिखाया कि समावेश एक एहसान नहीं बल्कि एक मौलिक अधिकार है। उन्होंने हमें अन्याय का सामना चुप्पी से नहीं बल्कि एकजुटता से करना सिखाया। उनकी विरासत हमें संस्कृतियों के बीच पुल बनाने, उत्पीड़ितों की आवाज़ को बुलंद करने और असमानता को बनाए रखने वाली प्रणालियों को चुनौती देने के लिए मजबूर करती है, चाहे वे कहीं भी हों। उन्होंने एलान किया कि न्यूयॉर्क शहर के मेयर एरिक एडम्स ने 14 अप्रैल 2025 को न्यूयॉर्क शहर में डॉ. बीआर आंबेडकर दिवस के रूप में घोषित किया है। शहर के 8.5 मिलियन निवासी इस दिवस को मनाएंगे। फाउंडेशन फॉर ह्यूमन होराइजन के अध्यक्ष दिलीप म्हास्के ने कहा कि यह घोषणा लोकतंत्र, सम्मान, महिला सशक्तीकरण और ऐतिहासिक रूप से हाशिये पर पड़े समुदायों के लिए न्याय को आगे बढ़ाने में डॉ आंबेडकर की महान विरासत को स्वीकार करती है। हार्वर्ड डिविनिटी स्कूल के विजिटिंग प्रोफेसर डॉ. संतोष राउत ने कहा कि आज दुनिया के लिए डॉ. आंबेडकर का संदेश चार गुना होगा - लोकतंत्र, गहन सद्भाव, उत्पीड़न, भेदभाव और शांति।

महागठबंधन में होगी फूट, कई बड़े नेता हमारे संपर्क में : जायसवाल

पटना(एजेंसी)। बिहार विधानसभा चुनाव से पहले वीआईपी सुप्रीमो मुकेश सहनी के एनडीए में शामिल होने की चर्चा है। इस बीच बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल ने बयान देकर विरोधियों में बैंचेनी बढ़ा दी है। उन्होंने कहा कि महागठबंधन में इनदिनों वैचारिक कलह है।टूट होने की पूरी संभावना दिख रही है।जहां आरजेडी कांग्रेस को झोला ढोने वाली पार्टी बनाना चाहती है।ऐसी स्थिति में महागठबंधन में शामिल दल चिंतित हैं। वे हमारे संपर्क में हैं। जैसे ही उन्हें लगेगा कि उन्हें उचित सम्मान नहीं मिला, वे एनडीए में शामिल हो जाएंगे। उन्होंने कहा कि समय आने पर इस बारे में विचार किया जाएगा। बहुत सारे लोग हमारे संपर्क में हैं। वे कहते रहते हैं कि अगर

वहां कुछ होता है, तब हमें उनके लिए अपने दरवाजे खुले रखने चाहिए। एक बड़े नेता ने हाल ही में हमसे कहा कि हम उनके लिए अपने दरवाजे खुले रखें और अगर वहां कुछ होता है, तब वे हमारे पास आ जाएंगे। सूत्रों के मुताबिक गठबंधन को लेकर जायसवाल और मुकेश सहनी की मुलाकात हुई है।इस पर सहनी ने कहा कि हम मजबूती से महागठबंधन के साथ हैं।हम अपनी सरकार तेजस्वी के नेतृत्व में बनाएंगे।कुछ लोग कमजोर करने का प्रयास कर रहे हैं।वे लोग उम्मीद करते हैं और हर एक ताकतवर लोगों का इंतजार करना चाहिए।वे मानते हैं कि उनकी नैया को हम पार लगाएंगे।

अपनी मर्जी से शादी की है तो सुरक्षा मांगने का कोई कानूनी अधिकार नहीं

-इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा- वास्तविक खतरा होने पर ही सुरक्षा की गुहार लगाएं

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने दूसरी बार इलाहाबाद हाईकोर्ट को सख्त हिदायत दी कि किसी भी केस में विवादित टिप्पणी करने से बचे। दरअसल हाईकोर्ट ने 10 अप्रैल को रेप के आरोपी को जमानत देकर कहा था, पीड़ित लड़की ने खुद मुसीबत बुलाई, रेप के लिए वहीं जिम्मेदार है। दरअसल, सुप्रीम कोर्ट इलाहाबाद हाईकोर्ट की 19 मार्च को की गई एक और टिप्पणी स्तन दबाना और पायजामे की डोरी तोड़ना रेप की कोशिश नहीं हो सकती पर सुनवाई कर रहा था।तभी सुप्रीम कोर्ट ने इलाहाबाद हाईकोर्ट की 10 अप्रैल की टिप्पणी का जिक्र किया।सुप्रीम कोर्ट में जस्टिस बीआर गवई और जस्टिस एजी मसीह की बेंच ने कहा कि हाईकोर्ट जज को जमानत के बारे में फैसला केस से जुड़े फैक्ट्स के आधार पर करना चाहिए।पीड़ित लड़की के खिलाफ गैरजरूरी टिप्पणी से बचना चाहिए। इस पर एसजी तुषार मेहता ने कहा कि न्याय केवल होना ही नहीं

कांग्रेस को धरने का हक, लेकिन जमीन लूटने का नहीं... यह कहते हुए बीजेपी नेता रविशंकर हुए हमलावर

नई दिल्ली (एजेंसी)। नेशनल हेराल्ड मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की चार्जशीट दाखिल करने के बाद देश की राजनीति में हलचल तेज हो गई है। ईडी की कार्रवाई के विरोध में कांग्रेस द्वारा देशभर में किए जा रहे प्रदर्शन पर बीजेपी ने करारा हमला बोला है। पूर्व केंद्रीय मंत्री और बीजेपी नेता रविशंकर प्रसाद ने कांग्रेस पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा, कांग्रेस को धरने का हक है, लेकिन जमीन और फंड लूटने का नहीं।

बीजेपी नेता रविशंकर प्रसाद ने दावा किया कि कांग्रेस ने 'यंग इंडिया लिमिटेड' नामक कंपनी के ज़रिए नेशनल हेराल्ड की संपत्तियों पर कब्जा किया। इस कंपनी में 76फीसदी शेयर सोनिया गांधी और राहुल गांधी के पास हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि सिर्फ 50 लाख रुपये में 90 करोड़ रुपये का कर्ज राइट ऑफ कर, देश के कई शहरों में स्थित करोड़ों की संपत्ति अपने नियंत्रण में ले ली गई। उन्होंने कहा कि यंग इंडिया को गैर-लाभकारी संस्था बताया गया, लेकिन इसका कोई सामाजिक कार्य सामने नहीं आया। उन्होंने कहा कि इस मामले में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, सोनिया गांधी और राहुल गांधी से ईडी द्वारा पूछताछ हो चुकी है और अब कोर्ट में सुनवाई

21 और 25 अप्रैल को होगी।

विरोध प्रदर्शन, कानूनी प्रक्रिया से भागने की कोशिश

भाजपा नेता रविशंकर प्रसाद ने कांग्रेस के विरोध प्रदर्शनों को कानूनी प्रक्रिया से भागने की कोशिश करार दिया है। उन्होंने कहा, कि क्या कानून को अपना काम नहीं करना चाहिए? क्या हजारों करोड़ की संपत्ति पर सवाल उठाना गलत है? इसके साथ ही भाजपा ने साफ कर दिया कि नरेंद्र मोदी सरकार के अधीन जांच एजेंसियां स्वतंत्र रूप से कार्य कर रही हैं और किसी भी धरने या विरोध से उन पर कोई दबाव नहीं पड़ने वाला है। उन्होंने कहा कि यह अखबार कभी आज़ादी की लड़ाई की आवाज़ था, लेकिन कांग्रेस ने इसे नेहरू परिवार का निजी मंच और पैसे कमाने का एटीएम बना दिया।

भाजपा सांसद रविशंकर प्रसाद ने सवाल करते हुए कहा, कि मैं उनके प्रदर्शन के अधिकार को चुनौती नहीं दूंगा, लेकिन प्रदर्शन आखिर किस बात के लिए? जैसे बिहार में जब कभी लालू यादव और उनके परिवार से जमीन के बदले नौकरी मामले में ईडी या सीबीआई पूछताछ करती है, तो लोग धरना-प्रदर्शन के लिए पहुंच जाते हैं, वैसे ही क्या कांग्रेस ने भी वही मॉडल अपना लिया?

बंगाल हिंसा को लेकर ममता पर उठाए सवाल

भाजपा नेता रविशंकर प्रसाद ने पश्चिम बंगाल में हालिया हिंसा को लेकर ममता बनर्जी सरकार पर भी सवाल उठाए। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य सरकार वोट बैंक की राजनीति कर रही है और हिंदुओं के खिलाफ टारगेटेड हमलों को नजरअंदाज कर रही है। वक्फ बोर्ड में सुधारों पर ममता बनर्जी की चुप्पी पर भी उन्होंने तंज कसा और जवाब मांगा।

बहरहाल ईडी द्वारा चार्जशीट दाखिल किए जाने के बाद से ही देश में राजनीति में गर्माहट साफ देखने को मिली है, जिसके चलते राजनीतिक वार और पलटवार वाले बयान भी तेजी आने शुरु हो गए हैं। इससे देश का राजनीतिक गलियारा और गरमाने की उम्मीद है।

अगर 4 सौ पार हो गई होतीं तो संविधान खत्म करने राइफल और तलवार लेकर निकलते : अखिलेश

लखनऊ।यदि भाजपा ने 400 सीट पर जीत दर्ज की होती तो सड़कों पर राइफलें और तलवारें लेकर निकले होते और संविधान खत्म हो गया होता।उन्होंने कहा, भाजपा सरकार में अराजकता चरम पर है। असामाजिक तत्व खुलेआम लोगों को जान से मारने की धमकी दे रहे हैं।क्या यही कानून और संविधान का राज है।यदि भाजपा ने लोकसभा चुनाव में 400 सीट जीती होती तो सड़कों पर राइफलें और तलवारें निकल चुकी होतीं और संविधान खत्म हो गया होता।ये दावा करते हुए समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि हम भाजपा की असंवैधानिक कार्रवाई, अन्याय और अराजकता के खिलाफ लड़ाई जारी रखेंगे। उन्होंने डॉक्टर भीमराव आंबेडकर को भगवान और संविधान की आत्मा बताया।卐 यादव ने आरोप लगाया कि भाजपा जानबूझकर किसानों की परेशानी, बेरोजगारी, महंगाई जैसे मुद्दों से ध्यान भटका रही है। भाजपा न्याय सुनिश्चित नहीं करना चाहती। यह पार्टी पीडीए के लिए आरक्षण के खिलाफ है।करणी सेना के सदस्यों द्वारा कथित तौर पर दी गई धमकियों के जवाब में यादव ने कहा, 卐ये सभी भाजपा के लोग हैं।भाजपा के सैनिक।जिस दिन हमारी एनएसजी सुरक्षा केंद्र द्वारा हटाई गई, हमें उनकी मंशा पता चल गई।मैं डरूंगा नहीं।जिन्होंने एनएसजी सुरक्षा रखी है, वे कायर हैं। उन्हें भी अपनी एनएसजी सुरक्षा लौटा देनी चाहिए। राजशाही और इतिहास पर अपना रुख स्पष्ट करते हुए यादव ने कहा, हम राजाओं के खिलाफ नहीं हैं। एक राजा की कोई जाति नहीं होती। वह बस राजा होता है। यदि इतिहास प्रगति, सामाजिक सौहार्द और एकता के रास्ते बाधा बने तो उसे छोड़ देना चाहिए।

कर्नाटक में सरकार के खिलाफ लिंगायत और वोक्कालिगा ने खोला मोर्चा

–जातिगत जनगणना रिपोर्ट को राजनीतिक प्रभाव के लिए मान रही खतरा

बेंगलुरु(एजेंसी)। कर्नाटक में दो प्रभावशाली समुदाय लिंगायत और वोक्कालिगा राज्य की सिद्धारमैया सरकार के खिलाफ खड़े नजर आ रहे हैं। सरकार द्वारा जातिगत जनगणना रिपोर्ट को मंत्रिमंडल के समक्ष रखने के फैसले से दोनों समुदायों में गहरी नाराजगी है। वे इसे अपने राजनीतिक प्रभाव के लिए खतरा बता रहे हैं। सत्तारूढ़ सरकार पर दबाव बढ़ता जा रहा है। खासकर खुद कांग्रेस के विधायकों ने जातिगत सर्वेक्षण की रिपोर्ट पर असहमति और वोक्कालिगा का हिस्सा राज्य की आबादी का एक चौथाई से भी कम है। लिंगायत और वोक्कालिगा की जनसंख्या हिस्सेदारी को लेकर यह संघर्ष कर्नाटक में कोई नई बात नहीं है।

कांग्रेस का मौजूदा सामाजिक गठबंधन लिंगायत और वोक्कालिगा को पूरी तरह से नजरअंदाज नहीं कर सकता। पिछले कुछ सालों से एग्जिट पोल तेजी से गलत हो रहे हैं। 2023 के कर्नाटक चुनावों के लिए एग्जिट पोल ने कांग्रेस के वोट शेयर (43.2 फीसदी के मुकाबले 43 फीसदी) और सीटों (वास्तविक 135 के मुकाबले 122-140) की सटीक भविष्यवाणी की। एग्जिट पोल द्वारा दिए गए जाति-वार

आतंक की फैक्ट्री चलाने वाले पाक को भारत की दो टूक कहा- हमे मत बताओ खुद का रिकॉर्ड देखो

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान की यह पुरानी आदत है कि वो अपने गिरेबान में तो झांकना नहीं है और बात-बात पर भारत को ज्ञान देने का कोई मौका नहीं छोड़ता। इसी कड़ी में हाल ही में पाकिस्तान की तरफ से वक्फ कानून के विरोध में एक बयान जारी किया गया था। भारत सरकार ने पाकिस्तान को उसी की भाषा में जवाब देते हुए साफ-साफ कह दिया कि वो पाकिस्तान में हिन्दू सहित अन्य अल्पसंख्यकों की हालात को देखे। भारत को पाठ पढ़ाने की जगह वो पहले अपने गिरेबान में झांक कर देख ले।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। इसी कड़ी में वक्फ पर पाकिस्तान की टिप्पणी को लेकर सवाल पूछा गया। उन्होंने कहा, 'हम भारत की संसद द्वारा पारित वक्फ कानून पर पाकिस्तान द्वारा

की गई प्रेरित और निराधार टिप्पणियों को दृढ़ता से खारिज करते हैं। पाकिस्तान को भारत के आंतरिक मामले पर टिप्पणी करने का कोई अधिकार नहीं है। अल्पसंख्यकों के अधिकारों की रक्षा करने के मामले में पाकिस्तान को दूसरों को उपदेश देने के बजाय अपने खुद के खराब रिकॉर्ड पर गौर करना चाहिए। इससे पहले, पाकिस्तानी सरकार ने भारतीय लोकसभा में वक्फ (संशोधन) विधेयक 2025 को मस्जिदों और दरगाहों सहित मुसलमानों को उनकी संपत्तियों से बेदखल करने और अल्पसंख्यकों को हाशिए पर डालने वाला कानून करार दिया था। कहा गया था कि यह कानून भारतीय मुस्लिम समुदाय की स्वायत्तता को कमजोर करने वाला कदम है। पाकिस्तानी मीडिया में मुस्लिम समाज की भूमि हड़पने और मुस्लिम संपत्तियों पर नियंत्रण का प्रयास करार दिया था। केंद्र सरकार ने वक्फ विधेयक मौजूदा बजट सत्र में पेश किया। इस दौरान लंबी चर्चा के बाद आधी रात को विधेयक पास किया गया। दोनों सदनों से मंजूरी मिलने के बाद इस विधेयक को राष्ट्रपति के पास साइन करने के लिए भेजा गया।